THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 86 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.13 2083 शनिवार, 27 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आयातित दवाओं के नियम बदलने की तैयारी

एक्सपायर होने की तारीख को लेकर सरकार सख्त

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय आयातित दवाओं से जुड़े नियमों में अहम बदलाव की तैयारी कर रहा है। मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 31 में संशोधन का मसौदा जारी कर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव एवं आपत्तियां मांगी हैं।

इस प्रस्ताव का उद्देश्य दवा क्षेत्र में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना और मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। 22 जून को गजट अधिसूचना के जरिए जारी किए गए इस मसौदे में आयातित दवाओं के लिए मौजूदा 60 प्रतिशत से अधिक शेष शेल्फ लाइफ की अनिवार्यता में बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है।

जेएमबी के 11 आतंकियों पर आरोप तय

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश' (जेएमबी) की एक शाखा द्वारा रची गई आतंकी साजिश के सिलसिले में 11 आतंकियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। गुवाहाटी (असम) में एनआईए की स्पेशल कोर्ट में दायर चार्जशीट में आरोपियों पर बीएनएस, 2023 और यूए(पी) एक्ट, 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए की जांच से पता चला कि ये सभी आरोपी 'इमाम महमूद्र काफिला' (आईएमके) की साजिश में सक्रिय रूप से शामिल थे। आईएमके, जेबीएम का ही एक रूप है, जिसका मकसद पश्चिम बंगाल और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों (असम और त्रिपुरा सहित) में इस आतंकी संगठन की आतंकवादी विचारधारा को फैलाना था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद

महासचिव चंपत राय व डॉ. अनिल मिश्रा का इस्तीफा

अयोध्या, 26 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दर्ज एफआईआर के बाद बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि जांच की निष्पक्षता बनाए रखने और जांच पूरी होने तक यह कदम उठाया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास ने इस मामले में कहा कि उन्हें अब की स्थिति की कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि चढ़ावा गबन मामले में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है और जांच जारी है। बता दें कि बृहस्पतिवार से ही चंपत राय के इस्तीफे की चर्चा थी। वहीं, कल रात चढ़ावा चोरी के मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

चढ़ावा चोरी प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नामजद आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उन्हें रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले में दर्ज एफआईआर के बाद पुलिस जांच तेज कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार जांच में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट को भी शामिल किया जाएगा, ताकि सभी तथ्यों का समग्र परीक्षण हो सके।

उधर, विपक्षी दल एफआईआर में किसी बड़े पदाधिकारी का नाम शामिल न किए जाने को लेकर सवाल उठा रहे हैं और जांच की निष्पक्षता पर आरोप लगा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जारी है। इसके पहले, चढ़ावा चोरी के खुलासे के 19 दिन बाद और जांच के लिए गठित एसआईटी की सिफारिश के दो दिन बाद आखिरकार एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा के रिश्तेदार अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा के अलावा गणना कर्मी मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र व गणना इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव और कई अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई गई। सभी पर साजिश के तहत धोखाधड़ी कर चढ़ावा राशि चोरी करने का आरोप है। जिसके बाद आठों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। >14

सोमवार को फिर कोर्ट में किया जाएगा पेश

अयोध्या : सीजेएम कोर्ट में अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है। सोमवार को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। इनके पास से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपये बरामद किए गए हैं। सुभाष के पास से पैसे नहीं मिले हैं। वह साज़िश में शामिल था।

अन्य आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद की गई है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़ी स्पेशल कोर्ट आज नहीं बैठी थी। आज कामकाज का दिन नहीं था। चूंकि आज छुट्टी थी, इसलिए सोमवार तक की रिमांड दी गई है। शामिल लोगों में सरकारी कर्मचारी, सरकार से सैलरी पाने वाले लोग और एसबीआई के पांच-छह कर्मचारी भी शामिल हैं।

कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपी

79 लाख बरामद, पांच से छह एसबीआई कर्मी भी शामिल

• गिरफ्तारी, कोर्ट पेशी और अब जेल • आरोपियों पर लगातार एक्शन जारी

अयोध्या, 26 जून (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला एवं सत्र न्यायालय फैजाबाद में पेश किया गया।

सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को 29 जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपियों को एसओजी प्रभारी अपनी टीम के साथ न्यायालय लेकर पहुंचे। इससे पहले सभी का पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम), सिविल जज जूनियर डिवीजन निवेदिता सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी पूरे समय न्यायालय परिसर में मौजूद रहे। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में आम लोगों की आवाजाही पर भी निगरानी रखी गई।

ड्रग माफियाओं पर बड़ा प्रहार

अमित शाह ने जारी किया नया रोडमैप

> छह हजार करोड़ के नशीले पदार्थ किए गए नष्ट

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। देश में नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ केंद्र सरकार अपनी कार्रवाई को और तेज करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029' जारी किया। इससे देश को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए अगले तीन वर्षों का रोडमैप तय किया गया। बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विभिन्न जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देशभर में ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरूपयोग के खिलाफ चल रहे अभियानों की समीक्षा करना और उन्हें और मजबूत बनाना है। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सरकार का कहना है कि ड्रग्स के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति को और प्रभावी बनाने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। सभी संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट को ध्यान से पढ़ना चाहिए। अगले एक वर्ष में किसी भी सूचकांक (इंडिकेटर) में गिरावट नहीं आनी चाहिए। हर मानक में उल्लेखनीय सुधार होना चाहिए और यह अगले वार्षिक रिपोर्ट में भी दिखाई देना चाहिए। नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस) आधारित होनी चाहिए। ड्रग तस्करी से निपटने के लिए नेटवर्क-केंद्रित (नेटवर्क-सेंट्रिक) रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। नशे के कारोबार के खिलाफ लड़ाई में कठोर और निर्दयी रवैया अपनाना जरूरी है।

बिना सहमति निजी फोटो-वीडियो शेयर करने पर होगी जेल : सरकार ने लागू किए नए नियम

बेंगलूरू, 26 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब राज्य में किसी भी व्यक्ति की निजी या अंतरंग तस्वीरें और वीडियो उसकी मर्जी के बिना साझा करने पर पुलिस को बिना किसी देरी के एफआईआर दर्ज करनी होगी।

गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने इस संबंध में पुलिस को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ब्लैकमेल, सेक्सटॉर्शन जैसे साइबर अपराधों के खिलाफ पुलिस को अब और भी ज्यादा सख्त होना होगा। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने अहम फैसले में इसकी पुष्टि की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई पुलिस अधिकारी पुराने नियमों का बहाना बनाकर एफआईआर दर्ज करने में देरी करता है या मना करता है, तो उसे गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। राज्य के सभी पुलिस कमिश्नरों और जिला पुलिस अधीक्षकों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजी & आईजीपी) एमए सलीम ने इस आदेश को लागू करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन नियमों में साफ तौर पर कहा गया है कि फोटो या वीडियो खींचने की अनुमति देने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उसे कहीं भी पोस्ट या साझा किया जा सकता है। अगर किसी पीड़ित ने शुरूआत में रिकॉर्डिंग के लिए सहमति दी थी, लेकिन बाद में उसकी मर्जी के बिना उसे फैलाया गया, तो यह एक संज्ञेय अपराध माना जाएगा। यह कानून पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान है। कानूनी प्रावधानों के तहत, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 77 के अनुसार किसी महिला की निजी तस्वीरों को बिना मर्जी साझा करना दंडनीय है।

संजय जाजू तेलंगाना के नए मुख्य सचिव नियुक्त होंगे

> 30 जून को आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण करेंगे

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय जाजू को अपना नया मुख्य सचिव नियुक्त करने जा रहा है। उनकी नियुक्ति वर्तमान मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव का कार्यकाल 30 जून को समाप्त होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने संभावित उम्मीदवारों पर गहन विचार-विमर्श के बाद जाजू को नियुक्त करने का निर्णय लिया। संजय जाजू, जिन्होंने 1992 में आईएएस में प्रवेश किया, एकीकृत आंध्र प्रदेश और उसके बाद तेलंगाना में अपनी सेवा के दौरान अर्जित व्यापक प्रशासनिक विशेषज्ञता रखते हैं। विशेष रूप से, उन्होंने पहले ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त और नागरिक आपूर्ति आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इसके अलावा, उन्होंने आईटी क्षेत्र में 'मीसेवा' जैसे अभिनव नागरिक सेवा मंचों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके करियर में केंद्र सरकार के साथ प्रतिनियुक्ति पर बिताए गए कई वर्ष भी शामिल हैं, जहां उन्होंने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया। तेलंगाना सरकार के अनुरोध पर, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने जाजू को उनके गृह विभाग में वापस भेजने की मंजूरी दे दी है। रामकृष्ण राव की सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद, 30 जून को वे आधिकारिक तौर पर मुख्य सचिव के रूप में अपना नया पदभार ग्रहण करेंगे।

पहली बार सार्वजनिक हुए ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 6 जवानों के नाम

> 5 सेना और एक वायुसेना का जवान

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक रूप से सार्वजनिक किए हैं। इन वीर जवानों के नाम दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में अंकित किए जाएंगे। भारत ने 6 और 7 मई 2025 की मध्य रात्रि पाकिस्तान में स्थित आतंकी अड्डों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर ऑपरेशन शुरू किया था।

इन 6 शहीदों में भारतीय सेना के पांच जवान और भारतीय एयरफोर्स के एक जवान के नाम शामिल हैं। भारतीय सेना के राइफलमैन सुनील कुमार को मरणोपरांत वीर चक्र और साजेंट सुरेंद्र कुमार को वायु पदक से सम्मानित किया है। इन वीर शहीदों में सेना 5 फील्ड रेजिमेंट के लांस नायक दिनेश कुमार 07 मई को शहीद हुए, 851 लाइट रेजिमेंट में एविएटर मूड मुरली नायक 09 मई को शहीद हुए। एयरफोर्स के 39 विंग के साजेंट 10 मई को शहीद हुए थे। इसके अलावा, 4 जम्मू एंड कश्मीर लाइट इन्फैंट्री के राइफलमैन सुनील कुमार 10 मई को वीरगति को प्राप्त हुए। 237 फील्ड वर्कशॉप कंपनी के हवलदार सुनील कुमार सिंह 6 जून को शहीद हुए। भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में जैश ए मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस हमले में सरकार की ओर से दावा किया गया था कि 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया था। >14

जापान की पीएम साने ताकाइची का पहला भारत दौरा

> 16वें भारत-जापान वार्षिक समिट में होंगी शामिल

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर जापान की पीएम साने ताकाइची तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचेंगी। पीएम ताकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होंगी।

यह उनका पहला भारत दौरा है। प्रधानमंत्री ताकाइची 1-3 जुलाई, 2026 तक नई दिल्ली के आधिकारिक दौरे पर रहेंगी। यह समिट दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा करने और मजबूत करने के साथ-साथ परस्पर हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर देगा। यह प्रधानमंत्री ताकाइची का भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी अगस्त 2025 में जापान के दौरे पर पहुंचे थे, जहां वे 15वें भारत-जापान सालाना समिट में शामिल हुए। यह भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2025 में टोक्यो में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ भारत-जापान आर्थिक मंच कार्यक्रम के दौरान शीर्ष उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी पर प्रकाश डाला और द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने के लिए पांच-पॉइंट रोडमैप पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा अभी भारत-जापान बिजनेस फोरम की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें कंपनियों के बीच हुई बिजनेस डील का विस्तार से वर्णन दिया गया है।

'भारतीय बनकर ही आखिरी सांस लेना चाहती हूं'

94 वर्षीय महिला ने छोड़ी अमेरिकी नागरिकता

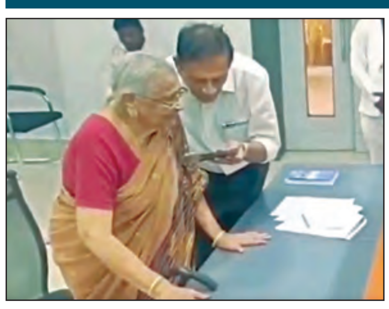

अमरावती, 26 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की एक बुजुर्ग महिला ने अपनी अमेरिकी नागरिकता छोड़ दी है ताकि वह एक भारतीय के तौर पर अपनी आखिरी सांस ले सकें। 90 साल से ज्यादा उम्र की महिला ने अनुरोध किया कि उन्हें जल्द से जल्द भारतीय नागरिकता दी जाए, जिसके लिए वह ऑनलाइन आवेदन कर चुकी हैं। बापटला जिले के कलेक्टर वी विनोद कुमार ने शुक्रवार को बताया कि के महालक्ष्म्मा नाम की महिला ने आंध्र प्रदेश में अपनी जड़ों की ओर लौटने के लिए अपनी अमेरिकी नागरिकता छोड़ दी और एक भारतीय नागरिक के तौर पर मरने की इच्छा जाहिर की। 94 साल की महालक्ष्म्मा दो दशक से ज्यादा समय तक अमेरिका में रही थीं। कलेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि वह अपने आखिरी दिन अपने देश और अपने गांव में बिताना चाहती थीं और उनकी इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार यहीं हो। यह बहुत भावुक पल था। बापटला जिले के चिंतागुंपला गांव की रहने वाली महालक्ष्म्मा अपने पति नागभूषणम की मौत के बाद अमेरिका चली गई थीं ताकि वह अपने बेटे के साथ रह सकें। उनके बेटे कैंसर स्पेशलिस्ट हैं। महालक्ष्म्मा ने 27 जुलाई, 2000 को अमेरिकी नागरिकता हासिल की थी। वह कई साल अमेरिका रहीं और साल 2018 में अपने परिवार के साथ भारत लौट आईं थीं। कलेक्टर कुमार ने बताया कि उनके बेटे, कोंडुगुंटा के पिच्चैया अब गुंटूर के एनआरआई मेडिकल कॉलेज में डायरेक्टर हैं और तब से यह परिवार अपने पैतृक गांव में रह रहा है।

वेनेजुएला के मुश्किल वक्त में भारत बना सहारा, शुरू हुआ 'ऑपरेशन अमिस्ताद'

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है।

इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय दल, भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है।

इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा प्रदान करेगा। भारतीय सेना के अनुसार उनकी यह मेडिकल टीम अपने साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत सामग्री लेकर गई है। इनमें भारत के आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी शामिल है। यह एक मॉड्यूलर और तेजी से तैनात किया जा सकने वाला फील्ड अस्पताल है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है।

इसी बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि ऑपरेशन अमिस्ताद जारी है। उन्होंने लिखा, भारतीय वायु सेना के दो सी-17 विमान भूकंप प्रभावित वेनेजुएला के राहत एवं बचाव प्रयासों में सहायता के लिए तत्काल राहत सामग्री लेकर रवाना हुए।

इस सहायता में भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट के साथ 35 टन से अधिक राहत सामग्री, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा दो भीष्म क्यूब भी भेजे गए हैं। भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला की सरकार और वहां के लोगों के साथ खड़ा है तथा हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भीष्म क्यूब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम समय में स्थापित होकर लगभग 200 मरीजों तक को उपचार और जीवनरक्षक सुविधाएं प्रदान कर सकता है। इस प्रणाली ने भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया के विभिन्न संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

भारत का यह मिशन केवल राहत सामग्री भेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संकट की घड़ी में मित्र देशों के साथ खड़े रहने की उसकी नीति का भी प्रतीक है। वेनेजुएला के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत इस संकट में मदद के लिए मौजूद है, हम आपके साथ हैं।

पासपोर्ट विवाद में कूदे सांसद थरूर

भारतीय नागरिकता साबित करने की समस्या का स्थायी समाधान रखा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। पासपोर्ट को विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं बताए जाने से शुरू हुए विवाद में कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर भी कूद पड़े हैं। उन्होंने इस तरह के विवादों से हमेशा से छुटकारा के लिए अपनी ओर से समाधान भी सामने रखने की कोशिश की है।

कांग्रेस पार्टी की ओर से पासपोर्ट विवाद को लेकर यूं तो सिर्फ केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश हुई है। लेकिन, शशि थरूर ने थोड़ा बीच का रास्ता निकाला है। उन्होंने बार-बार उठने वाली इस तरह की समस्या की ओर भी ध्यान खींचा है और इससे निकलने का उपाय भी सामने रखने की कोशिश की है। केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने कहा है कि 1967 के पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के तहत सरकार का यह लंबे समय से कानूनी स्टैंड रहा है, जो कि पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर विदेश मंत्रालय के बयान में जाहिर हुआ है।

यह एक तकनीकी पहलु है, जिसमें सरकार 'दुर्लभ परिस्थितियों और जनहित में गैर-नागरिकों को भी पासपोर्ट जारी' करती है। लेकिन, आम लोगों के लिए इसमें 'फर्क करना बेमानी' है। उन्होंने अपने लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट में लिखा है- दशकों से पासपोर्ट को पहचान का एक बेहतर दस्तावेज समझा जाता है। पासपोर्ट लेने के लिए लोगों को कठिन पुलिस वेरिफिकेशन और दस्तावेजों की जांच से गुजरना होता है, क्योंकि इसे जारी करने से पहले सरकार नागरिकता का ठोस प्रमाण मांगती है। ऐसे में इतनी ठोस जांच-पड़ताल से तैयार हुए दस्तावेज के लिए यह कह देना कि इससे नागरिकता साबित नहीं होती, कानूनी विरोधाभास झलकती है।

कोलकाता गोदाम हादसाः तारातला में मृतकों की संख्या 14 हुई, 24 घंटे बाद भी बचाव कार्य जारी

कोलकाता, 26 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन गोदाम ढहने की घटना में जान गंवाने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 14 हो गई। दुर्घटना के करीब 24 घंटे से अधिक समय के बाद बाद भी कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह भी मलबे से लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिसके बाद मलबे से बाहर निकाले गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई है। राज्य सरकार की ओर से मृतकों और घायलों की सूची जारी कर दी गई है। जान गंवाने वालों की पहचान कृष्णा चौधरी (30), रोहित चौधरी (40), राहुल चौधरी (17), चंद्रमा चौधरी (60), पप्पू रजक (40), असगर हुसैन (55), साहिल सरदार (17), घी कुमार (17), असगर हुसैन (54), साहिल सरदार (17), हसन इमाम (44), गणेश कलंदी (45), नवीन सिंह (44), स्वपन मंडल (56) के रूप में हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुलझाया 70 साल पुराना विवाद

जब केस शुरू हुआ तब पैदा भी नहीं हुए थे फैसला सुनाने वाले जज

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐसे अनोखे भूमि विवाद पर अपना अंतिम फैसला सुनाया है, जो देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल का गवाह रहा है। इस 70 साल पुराने मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की जिस पीठ ने की, उसमें जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया शामिल थे। दिलचस्प बात यह है कि साल 1957 में जब यह विवाद सेल डीड से शुरू हुआ था, तब इन दोनों जजों का जन्म भी नहीं हुआ था। यह दशकों पुराना विवाद हरिद्वार के नरसीपुर कलां गांव की 15.5 बीघा जमीन से संबंधित था। इस जमीन को अपीलकर्ता शराफत अली के पूर्वजों ने 4 जून 1957 को एक सेल डीड के माध्यम से खरीदा था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ट्रायल कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट के पिछले फैसलों को पलटते हुए पुरानी सेल डीड को पूरी तरह से वैध करार दिया है और अपीलकर्ताओं को

जमीन का असली मालिक माना है। जमीन की खरीद के समय शराफत अली के पूर्वज नाबालिग थे, जिसका सीधा अर्थ है कि यह संपत्ति उनके पिता द्वारा खरीदी गई थी। इस मामले की लंबी कानूनी यात्रा के दौरान खुद शराफत अली का भी निधन हो गया, और अंततः उनके कानूनी उत्तराधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट में यह लड़ाई लड़ी। इस प्रकार, एक ही परिवार की चार पीढ़ियां इस मुकदमेबाजी में उलझी रहीं। जस्टिस मिश्रा ने मामले का सार बताते हुए कहा कि यह विवाद म्यूटेशन की कार्यवाही से शुरू होकर यूपी जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम, 1950 और चकबंदी प्रक्रियाओं तक पहुंचा। हालांकि, निचली अदालतों और अन्य मंचों पर अपीलकर्ताओं को निराशा ही हाथ लगी, जिसके बाद उन्हें न्याय के लिए शीर्ष अदालत की शरण लेनी पड़ी। शुरुआत में जब खरीदार के नाम पर जमीन के म्यूटेशन की प्रक्रिया चल रही थी, तब विक्रेता ने आपत्ति जताई थी, लेकिन बाद में राजस्व अधिकारियों को म्यूटेशन करने की अनुमति देने के लिए इसे वापस ले लिया।

कुछ समय बाद जब गांव में चकबंदी की कार्यवाही शुरू हुई, तो अपीलकर्ताओं ने पाया कि रिकॉर्ड में मालिक के रूप में उनका नाम दर्ज नहीं है और जमीन अभी भी विक्रेता के नाम पर ही है। चकबंदी अधिकारी ने पुराने म्यूटेशन रिकॉर्ड के आधार पर अपीलकर्ताओं को मालिक दर्ज किया, लेकिन विक्रेताओं ने इसे फिर चुनौती दे दी। इसके बाद नए सिरे से फैसले का आदेश हुआ। हालांकि, विक्रेता ने एक समझौते के आधार पर फिर यू-टर्न लिया और आपत्तियां वापस ले लीं।

लेकिन चूंकि उस समझौते पर सभी पक्षों के हस्ताक्षर नहीं थे, इसलिए कुछ वर्षों बाद अन्य लोगों ने अपीलकर्ताओं के मालिकाना हक को चुनौती दे दी। राजस्व विभाग में आपत्तियों का यह दौर तब तक चलता रहा जब तक कि अपीलकर्ताओं ने ट्रायल कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया। ट्रायल कोर्ट ने यह कहते हुए सेल डीड को शून्य घोषित कर दिया कि इसे भूमि सीलिंग कानून से बचने के लिए तैयार किया गया था। साल 2017 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी अपीलकर्ताओं की याचिका खारिज कर दी थी।

कुख्यात गैंगस्टर दबोचाः भाई की हत्या कर अपराध की दुनिया में आया शब्बीर, हाशिम बाबा-अनवर चाचा गिरोह से जुड़ा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली और यमुना पार क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित अपराध गिरोह के सरगना को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान गैंगस्टर शब्बीर अली उर्फ शब्बीर चौधरी के तौर हुई है जो अप्रैल 2025 से मकोका के एक मामले में फरार था। विशेष प्रकोष्ठ के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि खुफिया जानकारी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी चौधरी को 14 जून को हरियाणा के शंभू बॉर्डर से पकड़ा गया तथा उसके पास से एक कार और एक स्कूटी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि इस मकोका मामले में गिरोह के नौ सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

'स्कूलों में अटेंडेंस और लर्निंग पर ध्यान दें': मंत्री नारा लोकेश

अमरावती, 26 जून (एजेंसियां)। एचआरडी और आईची मंत्री नारा लोकेश ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मौजूदा एकेडमिक ईयर के दौरान सरकारी स्कूलों में छात्रों की अटेंडेंस और लर्निंग के नतीजों को बेहतर बनाने पर ध्यान दें। उंडावल्ली में अपने आवास पर स्कूल शिक्षा पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, लोकेश ने शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने और सरकारी स्कूलों में सीखने की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई विभिन्न पहलों की समीक्षा की। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि इस साल प्राइवेट स्कूलों से सरकारी स्कूलों में 1.06 लाख से अधिक छात्रों ने एडमिशन लिया है। उन्होंने एडमिशन में इस बढ़ोतरी का श्रेय गठबंधन सरकार द्वारा पिछले एक साल में किए गए शिक्षा सुधारों को दिया। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में 7,620 अपर प्राइमरी स्कूल हैं, जिनमें से 3,515 (46.13 प्रतिशत) अपनी अधिकतम छात्र क्षमता तक पहुँच चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मौजूदा एकेडमिक ईयर के दौरान 159 स्कूलों को मॉडल प्राइमरी स्कूलों में बदला गया है। लोकेश ने छात्रों की अटेंडेंस में सुधार और बेहतर एकेडमिक नतीजे सुनिश्चित करके इस गति को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्कूलों के प्रदर्शन पर बारीकी से नज़र रखने और पूरे राज्य में सीखने के मानकों को मजबूत करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में प्राइवेट स्कूलों द्वारा ली जाने वाली अधिक फीस से जुड़ी चिंताओं पर भी चर्चा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों को अन्य राज्यों में लागू फीस रेगुलेशन सिस्टम की जांच करने और आंध्र प्रदेश के लिए उपयुक्त नीतिगत विकल्पों का पता लगाने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने मंत्री को प्राइवेट शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए अत्यधिक फीस स्ट्रक्चर को रेगुलेट करने के प्रस्तावों के बारे में जानकारी दी।

सरकार ने एसएचजी महिलाओं के साथ धोखा कियाः जगन

कडपा, 26 जून (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर टीडीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स (एसएचजी) के लिए ब्याज सब्सिडी पर अपने चुनावी घोषणा-पत्र के वादे को पूरी तरह से तोड़कर महिलाओं को 'धोखा' दिया है। एक विस्तृत पोस्ट में, जगन ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार से वित्तीय मदद न मिलने के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भारी संकट पैदा हो गया है। इसका सबूत एसएचजी क्रेडिट ग्रोथ में भारी गिरावट और 2025-26 वित्तीय वर्ष के दौरान राज्य सरकार के टैक्स रेवेन्यू में 3.22% की नकारात्मक वृद्धि है।

वाईएसआरसीपी प्रमुख ने बताया कि टीडीपी-जेएसपी गठबंधन ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में ब्याज सब्सिडी के लिए पात्र लोन की सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद से वे कोई खास फंड जारी करने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2024-25 वित्तीय वर्ष के दौरान जारी की गई ब्याज सब्सिडी की राशि 'शून्य' थी।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने तलाक के मामले में 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' की शर्त हटाई

ओंगोल, 26 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने साफ़ किया है कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 13बी(2) के तहत तय छह महीने का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' (इंतज़ार की अवधि) उन मामलों में ज़रूरी नहीं है, जहाँ पति-पत्नी दोनों आपसी सहमति से शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने के लिए राज़ी हो गए हों। कोर्ट ने कहा कि अगर सुलह की कोई गुंजाइश न हो और दोनों पक्षों के बीच समझौता असली और अपनी मर्ज़ी से हुआ हो, तो कूलिंग-ऑफ पीरियड की शर्त को हटाया जा सकता है। जस्टिस निम्मगड्डा वेंकटेश्वरलू ने प्रकाशम ज़िले के ओंगोल के एक जोड़े की आपसी सहमति से तलाक की अर्ज़ी मंज़ूर करते हुए यह बात कही। जज ने ओंगोल फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें छह महीने के इंतज़ार के समय को हटाने की उनकी अपील पर विचार करने से इनकार कर दिया गया था और ज़ोर दिया गया था कि तलाक देने से पहले कानूनी तौर पर तय समय पूरा होना ज़रूरी है। इस जोड़े ने इस साल जनवरी में आपसी सहमति से शादी खत्म करने के लिए फैमिली कोर्ट में अपील की थी। कार्यवाही के दौरान, वे संपत्ति के बँटवारे, बेटी की कस्टडी, स्थायी गुजारा-भत्ता (एलिमनी) के भुगतान और पत्नी द्वारा पति के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने जैसे मुद्दों पर एक व्यापक समझौते पर पहुँचे। समझौते के आधार पर, उन्होंने कोर्ट में एक अर्ज़ी दायर करके अनुरोध किया कि कूलिंग-ऑफ पीरियड पूरा होने का इंतज़ार किए बिना तलाक की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। हालाँकि, फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए अनुरोध ठुकरा दिया कि छह महीने का इंतज़ार का समय अनिवार्य है।

पति-पत्नी दोनों ने हाई कोर्ट में एक रिविज़न याचिका दायर की। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया, जिनमें कहा गया है कि कूलिंग-ऑफ पीरियड अनिवार्य नहीं, बल्कि एक दिशा-निर्देश है।

असम सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी : हिमंता बिस्वा सरमा

गुवाहाटी, 26 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य में नशे और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान को ज्यादा तेज करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए ड्रग्स के खिलाफ लगातार और सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, आज हम अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस मना रहे हैं। हमारी सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और नशे के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है।

उन्होंने कहा कि नशे की समस्या समाज के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है। इसलिए राज्य सरकार लगातार उन ड्रग्स नेटवर्क को खत्म करने में जुटी है, जो असम में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हम अपने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने और उन्हें इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने चाइल्ड केयर लीव से जुड़ी पीआईएल खारिज की

अमरावती, 26 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी। इस याचिका में हाई कोर्ट और ज़िला न्यायपालिका में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को 180 दिन की चाइल्ड केयर लीव और पांच अतिरिक्त कैज़ुअल लीव (आकस्मिक अवकाश) देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े सेवा-संबंधी मामलों में पीआईएल स्वीकार्य नहीं है। चीफ़ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस आर। रघुनंदन राव की डिवीज़न बेंच ने यह आदेश सुनाया।

बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने लगातार यह फैसला दिया है कि कर्मचारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामलों में जनहित याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए, बेंच ने याचिका को सुनवाई के योग्य नहीं माना और उसे खारिज कर दिया। यह पीआईएल आर्कबिशप डॉ। चेगुडी अशोक बाबू ने दायर की थी। उन्होंने न्यायपालिका की महिला कर्मचारियों और विभिन्न सरकारी विभागों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के बीच समानता की मांग की थी।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट से अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि हाई कोर्ट और ज़िला अदालतों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को भी 180 दिन की चाइल्ड केयर लीव और पांच अतिरिक्त कैज़ुअल लीव का लाभ दिया जाए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील सलमान राजू ने याचिका के समर्थन में तर्क पेश किए। हालांकि, हाई कोर्ट के स्टैंडिंग काउंसिल विवेकानंद ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि सेवा-संबंधी मुद्दों को पीआईएल के ज़रिए नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने अपनी आपत्ति के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के संबंधित फैसले भी कोर्ट के सामने रखे।

टास्क फ़ोर्स ने 2 करोड़ रुपये के 109 रेड सैंडर्स के लट्ठे ज़ब्त कर तीन लोगों को गिरफ़्तार किया

तिरुपति, 26 जून (एजेंसियां)। रेड सैंडर्स एंटी-स्मगलिंग टास्क फ़ोर्स (आरएसएएसटीएफ) ने रेड सैंडर्स की तस्करी करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफ़ाश किया और अनंतपुर ज़िले में छापेमारी के दौरान लगभग 2 करोड़ रुपये की कीमत के 109 लट्ठे ज़ब्त किए। साथ ही, तीन कथित तस्करों को गिरफ़्तार किया गया। खुफ़िया जानकारी के आधार पर,आरएसएएसटीएफ के कर्मचारियों और वन विभाग के अधिकारियों ने नरपाला मंडल के बोन्थावाड़ा गाँव में एक स्टॉक पॉइंट पर छापा मारा। यहाँ दूसरे राज्यों के खरीदारों तक पहुँचाने के लिए कथित तौर पर रेड सैंडर्स के लट्ठे जमा किए गए थे। अधिकारियों ने इस काम में इस्तेमाल की गई एक कार भी ज़ब्त की। गिरफ़्तार किए गए लोगों की पहचान नल्लानी नंदा कुमार, नल्लानी जयरामय्या और बोत्तु राघवेंद्र के तौर पर हुई है; ये सभी अनंतपुर के रहने वाले हैं।

जाँचकर्ताओं ने बताया कि आरोपियों ने एक सिंडिकेट बनाया था। यह सिंडिकेट मज़दूरों का इंतज़ाम करता था जो शेषाचलम के जंगलों में गैर-कानूनी तरीके से रेड सैंडर्स के पेड़ काटते थे और उनके लट्ठों को बोन्थावाड़ा गाँव के पास एक शेड में जमा करते थे। यह स्टॉक दिल्ली, तमिलनाडु और कर्नाटक के खरीदारों के लिए था। फाइनेंसरों और खरीदारों की पहचान करने के लिए जाँच चल रही है, जबकि सिंडिकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। आरएसएएसटीएफ के प्रमुख और तिरुपति के एसपी एल। सुब्बारायुडु ने कहा कि पूरे इलाके में तस्करी-रोधी अभियान तेज़ किए जाएँगे।

नशा-मुक्त बनाने के लिए सब मिलकर काम करेंः गृह मंत्री अनीता

विजयवाड़ा, 26 जून (एजेंसियां)। गृह मंत्री वंगलपुडी अनीता ने कहा कि राज्य को नशा-मुक्त बनाने में सभी को योगदान देना चाहिए। आज (शुक्रवार) नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ 'नशा-मुक्त भारत अभियान' के तहत एक वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें गृह मंत्री मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। इस मौके पर अनीता ने कहा कि माता-पिता या बिना बच्चों वाले लोगों की जीवन भर सेवा करनी चाहिए। लेकिन... क्या कोई माता-पिता गांजे के नशे में जेल में बंद अपने बच्चे को छुड़ाने के लिए आगे आते हैं? नई नियुक्त गृह मंत्री तब हैरान रह गईं जब एक व्यक्ति ने उन्हें फोन करके यह बात बताई। चौथी कक्षा में पढ़ने वाला एक लड़का, जो गांजे का आदी था, उसने अपने पास मौजूद व्यक्ति की बात सुनी और घबरा गया।हम पूरे राज्य में नियमित जांच कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि ड्रोन से निगरानी की जा रही है। कहीं पेड़ के नीचे बैठकर गांजा पीते हुए भी ड्रोन में देखा जा रहा है। निगरानी बहुत सख्ती से हो रही है। विजयवाड़ा कमिश्नरेट में सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे अपना भविष्य बर्बाद न करें और माता-पिता के भरोसे को बनाए रखें।

छोटी-मोटी खुशियों के चक्कर में ऐसी स्थिति न आने दें।उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन गरुड़' के तहत मेडिकल दुकानों की भी जांच की जाएगी। गांजा पकड़ने में पुलिस डॉग्स (श्वानों) ने भी बेहतरीन पुरस्कार जीते हैं। अगर आपके पास नशीले पदार्थों के बारे में कोई जानकारी है, तो 1972 पर कॉल करें। जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। गृह मंत्री अनीता ने आंध्र प्रदेश को नशा-मुक्त राज्य बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

अभिनव प्रशासन और सतत विकास से बदल रहा है विशाखापट्टनम

विशाखापट्टनम, 26 जून (एजेंसियां)। ग्रेटर विशाखापट्टनम नगर निगम (जीवीएमसी) के आयुक्त केतन गर्ग, आईएएस के नेतृत्व में शहर को स्मार्ट, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार महानगर बनाने की दिशा में कई महत्वाकांक्षी और जन-केंद्रित पहलें लागू की जा रही हैं।

21 जून 2025 को पदभार ग्रहण करने के बाद से उन्होंने नागरिक सेवाओं में सुधार और शहरी विकास को गति देने के लिए अनेक नवाचारों को आगे बढ़ाया है। जीवीएमसी ने 1 जनवरी 2026 से अपने प्रशासनिक ढांचे का विस्तार करते हुए आठ जोनों को बढ़ाकर दस जोन कर दिया है, जिससे नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता और प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

शहर की यातायात समस्याओं के समाधान के लिए 99.18 करोड़ रुपये की लागत से "प्रोजेक्ट सारथी" (सिस्टमैटिक ऑगमेंटेड रेडियल ट्रैफ़िक एंड हूप इंडक्शन) लागू किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित यातायात प्रबंधन एवं प्रवर्तन प्रणाली को सिटी ऑपरेशन सेंटर और पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा गया है। इससे यातायात जाम में कमी, सड़क सुरक्षा में सुधार तथा आपातकालीन सेवाओं की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से "ऑपरेशन लंग्स" शुरू किया गया है। इसके तहत सरकारी भूमि और खुले स्थानों को हरित क्षेत्रों में विकसित किया जा रहा है। साथ ही सड़कों और फुटपाथों से हजारों अतिक्रमण हटाकर पैदल यात्रियों की सुविधा और यातायात सुगमता सुनिश्चित की गई है। ऑपरेशन लंग्स 3.0 के अंतर्गत व्यावसायिक भवनों के बेसमेंट पार्किंग क्षेत्रों को पुनः उपयोग में लाकर पार्किंग प्रबंधन को बेहतर बनाया गया है। जनस्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जीवीएमसी ने "ईट राइट अभियान" शुरू किया है।

विशेष सैनिटेशन एंड हेल्थ एनवायरनमेंट (एसएचई) टीमों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे खाद्य मिलावट पर रोक, स्वच्छता मानकों में सुधार और सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाई जा सके। विशाखापट्टनम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। 99 देशों के 600 से अधिक शहरों के बीच आयोजित ब्लूमबर्ग मेयर्स चैलेंज 2025 में शहर को शीर्ष 50 फाइनलिस्ट शहरों में स्थान मिला है। जीवीएमसी के "वी-पुल (विशाखापत्तनम जन-केंद्रित शहरी जीवन प्रयोगशाला)" मॉडल को नागरिक भागीदारी, तकनीकी नवाचार और जलवायु अनुकूलन योजना के लिए सराहा गया, जिसके तहत लगभग 9 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

त्रिपुरा की राजधानी में बड़ा धमाका, अपार्टमेंट में ब्लास्ट से कई घायल, दीवारें क्षतिग्रस्त-खिड़कियां चकनाचूर

त्रिपुरा, 26 जून (एजेंसियां)। राजधानी अगरतला में एक अपार्टमेंट में बड़ा धमाका हुआ है। संकट चौमुहानी स्थित एनएस अपार्टमेंट में अपार्टमेंट बिल्डिंग में हुए विस्फोट में कई लोग घायल हो गए और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके बाद पुलिस, बम डिस्पोजल, फौरेंसिक और डॉग स्क्वाड टीम को मौके पर भेजा गया। घायलों की सही संख्या और धमाके की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। मिली जानकारी के मुताबिक, ब्लास्ट अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर एक फ्लैट में हुआ। ब्लास्ट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के कई इलाकों में सुनाई दी। इमारत की खिड़कियां चकनाचूर हो गईं, दीवारें क्षतिग्रस्त हुईं और पूरे परिसर में दहशत फैल गई।

इस घटना के बारे में बात करते हुए, इमारत की तीसरी मंजिल पर रहने वाले कुशल देब ने बताया कि वह अपने कमरे के अंदर थे, तभी उन्हें अचानक ज़ोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। बाहर निकलने पर लोगों को पता चला कि पहली मंजिल पर ज़बरदस्त धमाका हुआ है, जिससे इमारत का कुछ हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इस धमाके में कई लोग घायल हो गए। एक महिला की आंख के पास कांच के टुकड़े लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे तुरंत इलाज के लिए जीबी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि सभी घायलों को बिना किसी देरी के सही इलाज मिले।

लवर संग भागी दादी, पीड़ित पति ने लगाया जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप

छतरपुर, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां तीन बच्चों की मां अपने कथित प्रेमी के साथ घर से लापता हो गई है। पीड़ित पति ने अब पुलिस अधीक्षक दफ्तर पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पति का आरोप है कि एक मुस्लिम युवक ने उसकी पत्नी को अपने जाल में फंसाया और अब वह उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश कर रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक छतरपुर के खेरे की देवी मंदिर के पास रहने वाले बबलू कुशवाहा की पत्नी किरन कुशवाहा अचानक घर से लापता हो गई हैं।

पीड़ित पति का आरोप है कि कारपेंटर का काम करने वाले फरीद खान नाम के युवक ने पहले उसकी पत्नी से नजदीकियां बढ़ाईं और फिर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। हैरान करने वाली बात यह है कि लापता महिला के तीनों बच्चों की शादी हो चुकी है और वे खुद नानी और दादी बन चुकी हैं। एसपी को दिए आवेदन में पीड़ित पति बबलू कुशवाहा ने बताया कि उसकी पत्नी किरन का पिछले करीब 6 महीने से फरीद खान के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। फरीद का उनके घर आना-जाना भी था। पीड़ित के अनुसार, करीब 3 महीने पहले भी उसकी पत्नी बिना बताए घर से चली गई थी, जिसकी शिकायत थाने में की गई थी, हालांकि तब वह दो दिन बाद वापस आ गई थी। लेकिन इस बार 18 जून को वह दोबारा बिना बताए लापता हो गई। छानबीन करने पर पीड़ित को पता चला कि आरोपी फरीद खान उसे अपने साथ ले गया है और कहीं छिपाकर रखा है। पीड़ित पति ने एसपी कार्यालय में आवेदन सौंपकर आरोपी फरीद खान पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं।

बबलू कुशवाहा का कहना है कि आरोपी उसकी पत्नी को डरा-धमकाकर या बहला-फुसलाकर उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराने और उसे मुस्लिम बनाने का प्रयास कर रहा है। पीड़ित ने कोतवाली थाने में उचित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है ताकि उसकी पत्नी को सुरक्षित वापस लाया जा सके। मामले पर आधिकारिक बयान सामने आया है। सीएसपी अरुण सोनी ने कहा, 'मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने महिला की गुमशुदगी दर्ज कर ली है। पीड़ित पति द्वारा दिए गए आवेदन और आरोपों की बारीकी से जांच की जा रही है। जल्द ही महिला का पता लगाकर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।'

निगम की आग में जलने वालों से मिले महापौर, भाजपा पार्षद को बचाने का आरोप

इंदौर, 26 जून (एजेंसियां)। इंदौर के विजय नगर इलाके में हुए गैस पाइपलाइन विस्फोट में झुलसे लोगों का हालचाल जानने के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती सभी मरीजों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान महापौर ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को कड़े निर्देश दिए कि सभी घायलों का समुचित इलाज किया जाए और उन्हें हर जरूरी सुविधाएं बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराई जाएं। महापौर ने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हुए कहा कि वे ईश्वर से सभी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दुर्घटना के असली कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और संबंधित अधिकारियों को इस मामले में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। इस हादसे को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने भी कड़ा रुख अपनाया है।

हाई कोर्ट ने सरकार को साफ तौर पर आदेश जारी किया है कि हादसे के पीड़ितों से इलाज के एवज में किसी भी तरह की राशि नहीं वसूली जाएगी, उनका पूरा इलाज मुफ्त होगा। इसके साथ ही, हादसे में गंभीर रूप से झुलसीं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर गिरी राजकुमारी उर्फ जिनी झाला की स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने सरकार को एक और महत्वपूर्ण निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जिनी झाला को सरकार जल्द से जल्द एयरलिफ्ट करवाकर बेहतर इलाज के लिए अहमदाबाद भेजे ताकि उन्हें वहां सही और समुचित उपचार मिल सके।

सुविचार: जब कोई रास्ता नहीं निकल रहा तो, अपने स्थान पर डटे रहे और वक्त पर छोड़ दें।

तेलंगाना में बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों का तबादला, कई को नई जिम्मेदारी

एन. श्रीधर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव पद पर तैनात

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के व्यापक तबादले और नई नियुक्तियां की हैं। यह आदेश प्रशासनिक आवश्यकता के तहत जारी किए गए हैं और तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सव्यसाची घोष को विशेष मुख्य सचिव (कल्याण एवं विकास योजनाएं तथा सीएसआर) के साथ-साथ हस्तशिल्प एवं वस्त्र विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

वहीं शैलजा रामअय्यर को धर्मस्व विभाग से स्थानांतरित कर पर्यावरण, वन एवं विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। अहमद नदीन को सामान्य प्रशासन विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है, जबकि एन. श्रीधर को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव पद पर तैनात किया गया है। इसी तरह राहुल बोज्जा को आपदा प्रबंधन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है और एम. रघुनंदन राव को खनन एवं भूविज्ञान विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बी. अजीत रेड्डी को इन्वेस्ट तेलंगाना का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया है, जबकि मुशर्रफ अली फारूकी को टीजीआरपीडीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के साथ-साथ टीजीआईडीसीओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सरकार ने पी. कात्यायनी देवी को उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में हस्तशिल्प, हथकरघा एवं वस्त्र विभाग की विशेष सचिव नियुक्त किया है। के. गंगाधर को सड़क एवं भवन विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है, जबकि टी. वेंकन्ना को ग्रेटर वारंगल नगर निगम का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके अलावा के. विद्यसागर को पर्यटन निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है और उन्हें प्रजावाणी का राज्य नोडल अधिकारी भी बनाया गया है।

के. चंद्रकला को एमएमडीए में संयुक्त महानगर आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सरकार के अनुसार यह व्यापक प्रशासनिक पुनर्गठन राज्य में विभागीय समन्वय, शहरी विकास और प्रमुख योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने के उद्देश्य से किया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सेवानिवृत्त मुख्य सचिव सीएम के सलाहकार नियुक्त

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को मुख्यमंत्री का सलाहकार और पदेन विशेष मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।

राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक सरकारी आदेश जारी करके इस निर्णय को औपचारिक रूप दिया। उनकी सेवानिवृत्ति के दिन से प्रभावी यह नियुक्ति उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव का लाभ उठाने के उद्देश्य से की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इस नियुक्ति से संबंधित नियम और शर्तें अलग से जारी की जाएंगी।

नशा विरोधी दिवस कार्यक्रम, 'ईगल फोर्स' को मजबूत करने पर जोर

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शिल्पकला वेदिका में अंतरराष्ट्रीय नशा दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ईगल फोर्स तथा दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक एवं ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद , साइबराबाद पुलिस आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए। साथ ही फिल्म अभिनेता राम पोथिनेनी और अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए ईगल फोर्स का गठन किया है, जिसे पूर्ण अधिकार देकर मादक पदार्थों की तस्करी और उपयोग पर नियंत्रण के लिए सक्रिय किया गया है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति का जीवन, बल्कि परिवार और समाज की शांति व्यवस्था को भी प्रभावित करता है, इसलिए इसे सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नशे से जुड़ी किसी भी जानकारी को तुरंत 1908 हेल्पलाइन नंबर पर साझा करें। मंत्री ने कहा कि सरकार अकेले इस समस्या से नहीं लड़ सकती, इसके लिए समाज की भागीदारी आवश्यक है।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार ड्रग्स मुक्त तेलंगाना के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग सहित कई एजेंसियां समन्वय में कार्य कर रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता, परिवार की निगरानी, शैक्षणिक संस्थानों और समाज की सक्रिय भागीदारी से ही नियंत्रित की जा सकती है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें पुनर्वास की दिशा में प्रेरित करना बताया गया।

तेलंगाना में वन विभाग में शीर्ष स्तर पर बदलाव

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में बड़ा प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए वरिष्ठ अधिकारी डॉ.सी. सुवर्णा (आईएफएस 1991) की सेवानिवृत्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। वे 30 जून 2026 की अपराह्न में अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर सेवा से सेवानिवृत्त होंगी। सरकारी आदेश के अनुसार, डॉ.सी. सुवर्णा को उसी तिथि से प्रधान मुख्य वन संरक्षक, तेलंगाना के पद से कार्यमुक्त किया जाएगा। इस संबंध में आदेश मुख्य सचिव के. रामाकृष्णा राव द्वारा राज्यपाल के नाम पर जारी किए गए हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि विनय कुमार (आईएफएस 1992), वर्तमान में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव संरक्षक के पद पर कार्यरत हैं, उन्हें एचओएफएफ का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे अगले आदेश तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। सरकार के अनुसार यह व्यवस्था प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने और वन विभाग के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

'गोल्ड मैन' सूर्या भाई पर 32 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

पुलिस ने दर्ज किए दो मामले, जांच जारी

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वयंभू 'गोल्ड मैन' सूर्या भाई एक बार फिर कानूनी मुश्किलों में घिर गए हैं। अत्तापुर पुलिस ने उनके खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई शुरू की है, जिनमें 32 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी और झूठी पुलिस शिकायत दर्ज कराने का मामला शामिल है।

पुलिस के अनुसार, चारी नाम के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि सूर्या भाई ने उसे सोने के आभूषण उपलब्ध कराने का आश्वासन देकर 32 लाख रुपये लिए, लेकिन न तो आभूषण दिए गए और न ही रकम लौटाई गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। चूंकि यह लेन-देन नारायणगुडा पुलिस थाना क्षेत्र से संबंधित है, इसलिए अत्तापुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को आगे की जांच के लिए संबंधित थाने को भेज दिया है। एक अन्य मामले में पुलिस ने सूर्या भाई के खिलाफ झूठी शिकायत देने का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। अधिकारियों के अनुसार, उनकी पहले की शिकायत की जांच में आरोप निराधार पाए गए हैं। फिलहाल पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सूर्या भाई को गिरफ्तार नहीं किया गया है और दोनों मामलों की जांच जारी है।

एयरपोर्ट पर 3.36 करोड़ का सोना जब्त

दो भारतीय यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आरजीआईए) पर सीमा शुल्क (कस्टम) विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2.271 किलोग्राम सोना जब्त किया है। बरामद सोने की कीमत लगभग 3.36 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई 25 जून को कुआलालंपुर से आए दो भारतीय यात्रियों पर मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। जांच के दौरान अधिकारियों ने दोनों यात्रियों की तलाशी ली, जिसमें उनकी पैंट की कमर में विशेष रूप से सिले हुए थैलों के अंदर सफेद सेलोफिन टेप में लपेटकर छिपाया गया सोना बरामद हुआ। सोने को सुरक्षित निकालने के लिए अधिकारियों ने एक सुनार की मदद ली। इसके बाद दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

तेलंगाना का कमांड एंड कंट्रोल सेंटर मेघालय के लिए बना मॉडल : सीएम संगमा

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने कहा है कि हैदराबाद स्थित तेलंगाना एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर शासन और नागरिक सेवाओं में सुधार के लिए एक उत्कृष्ट मॉडल के रूप में कार्य कर सकता है।

गुरुवार को हैदराबाद स्थित इस सुविधा केंद्र का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि वहां स्थापित तकनीकी प्रणाली और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय से वे काफी प्रभावित हुए।

संगमा ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि यह केंद्र दिखाता है कि किस तरह तकनीक, डेटा और विभागीय सहयोग मिलकर सार्वजनिक सेवाओं को अधिक तेज और प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह मॉडल मेघालय सहित देश के अन्य राज्यों के लिए भी उपयोगी हो सकता है, जहां शासन और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस केंद्र के कार्य को प्रत्यक्ष रूप से देखना और इसके सर्वोत्तम तरीकों को समझना उनके लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा।

जुबली हिल्स में मतदाता सूची संशोधन कार्य में देरी, फॉर्म आपूर्ति बाधित

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का कार्य जनगणना प्रपत्रों की समय पर आपूर्ति न होने के कारण निर्धारित समय से पीछे चल रहा है। जानकारी के अनुसार, बोराबंडा स्थित जीएचएमसी वार्ड कार्यालय में शुक्रवार को जनगणना प्रपत्रों और मतदाता स्टिकरों के बंडल पड़े हुए देखे गए, जबकि बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) दिन के आधे समय बाद कार्यालय पहुंचते नजर आए। बीएलओ सुपरवाइजर के अनुसार, प्रपत्र गुरुवार को ही उपलब्ध कराए जाने थे, लेकिन आपूर्ति में एक दिन की देरी हो गई, जिससे पूरी प्रक्रिया प्रभावित हुई।

प्रपत्र समय पर न मिलने के कारण बीएलओ फील्ड में कार्य शुरू नहीं कर सके और पहले दिन अधिकतर समय फॉर्म एकत्र करने और वितरण की तैयारी में ही लग गया।

अधिकारियों के अनुसार, मुहर्रम के कारण भी कुछ बाधा आई, जबकि बीएलओ का मानना है कि शनिवार और रविवार को कार्य में तेजी आने की उम्मीद है, क्योंकि उस दौरान अधिक मतदाता घर पर उपलब्ध रहेंगे।

अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ समारोह, निवेश अवसरों पर चर्चा

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्य दूताधिकारी डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान ने भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। बैठक में मध्य एशिया, विशेष रूप से कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में रियल एस्टेट निवेश और विकास के अवसरों पर चर्चा की गई। इसमें ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ क्लब, ट्रम्प टॉवर और जैकब एंड कंपनी जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के साथ साझेदारी में लक्जरी गोल्फ समुदायों, ब्रांडेड आवासों और मिश्रित उपयोग वाले प्रोजेक्ट विकसित करने पर विचार-विमर्श हुआ। डॉ. खान ने कहा कि वे प्रीमियम आवासीय समुदायों के विकास में अपने अनुभव के आधार पर ऐसे विश्व स्तरीय प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देना चाहते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करें, पर्यटन को बढ़ावा दें और क्षेत्रीय आर्थिक विकास में योगदान दें।

केटी रामाराव का कांग्रेस पर हमला

दलित-आदिवासी जमीनों पर कब्जे का आरोप

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर औद्योगिक विकास के नाम पर दलितों और आदिवासियों को आवंटित जमीनों को जबरन कब्जाने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को परिगीं में बीआरएस विधानसभा क्षेत्र की आम सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस ने गरीब किसानों को सरकारी जमीनों का मालिकाना हक देने का वादा किया था, लेकिन अब वही सरकार विकास के नाम पर उनकी आजीविका छीन रही है। रामाराव ने आरोप लगाया कि स्थानीय कांग्रेस विधायक की मिलीभगत से आवंटित जमीनों पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि बिना सहमति या उचित मुआवजे के भूमि अधिग्रहण जारी रहा, तो बीआरएस प्रभावित परिवारों को कानूनी और राजनीतिक सहायता देगी।

उन्होंने लागाचेर्ला घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि भूमि अधिग्रहण का विरोध करने वाले आदिवासियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर उन्हें प्रताड़ित किया गया। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर रैतु भरोसा योजना, पेंशन, फसल बोनस और अन्य वित्तीय सहायता योजनाओं को लेकर वादों से पीछे हटने का आरोप भी लगाया। उन्होंने परिगीं की सिंचाई योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछली सरकार ने गुरुत्वाकर्षण आधारित जल आपूर्ति का प्रस्ताव दिया था, जबकि वर्तमान सरकार ने 4,400 करोड़ रुपये की लिफ्ट सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी है। महालक्ष्मी योजना पर निशाना साधते हुए रामाराव ने कहा कि सरकार महिलाओं से किए गए वादे पूरे करने में विफल रही है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार हर पात्र महिला के खाते में 1.5 लाख रुपये जमा कर दे तो वे राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

फतेहनगर डिवीजन में इंदिरम्मा साड़ी वितरण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फतेहनगर डिवीजन में इंदिरम्मा साड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में टीपीसीसी प्रोटोकॉल सदस्य सूरज तिवारी, तेलंगाना प्रदेश ओबीसी समन्वयक के. राजू, फतेहनगर डिवीजन कार्यकारी अध्यक्ष एम. रामू, के. क्रांति कुमार, महासचिव एम. किरण, बी. मधु, माधुरी सतीश तथा महिला अध्यक्ष गुडू ज्योति ने भाग लिया। इस अवसर पर नेताओं ने लाभार्थियों को साड़ियां वितरित कीं तथा कहा कि कांग्रेस सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता की सरकार सभी के विकास के लिए कार्य कर रही है।

दर्दनाक सड़क हादसा, दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में हाफिजपेट-गच्चीबावली मार्ग पर स्थित एएमबी फ्लाईओवर पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक स्कूटर (जो कथित तौर पर फ्लाईओवर पर गलत दिशा में चल रहा था) सामने से आ रही रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल से टकरा गया।

इस दुर्घटना में स्कूटर सवार श्रीकांत और विट्ठल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रॉयल एनफील्ड चला रहे विनोद गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग
***

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग वेतन मैट्रिक्स के स्तर-12 (रु.78,800-रु.2,09,200) में संयुक्त औद्योगिक सलाहकार के एक और रिक्त पद के लिए मिश्रित विधि द्वारा (अल्पकालिक अनुबंध और पदोन्नति सहित), आवेदन आमंत्रित करता है।

विस्तृत विज्ञापन वेबसाइट https://chemicals.gov.in/recruitments पर दिया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर उचित माध्यम से निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं:

अवर सचिव (प्रशासन),
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग
कमरा नंबर 23049, कार्य कक्ष , कर्तव्य भवन-02
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली-110001

cbc 02101/11/0002/2627

एलपीजी टैंकर टोल से टकराया धमाके के बाद आग लगी 5 कर्मचारी झुलसे

कौशांबी, 26 जून (एजेंसियां)। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह 7 बजे एलपीजी टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। इसके बाद तेज धमाका हुआ। फिर आग लग गई। हादसे में 5 टोल कर्मचारी झुलस गए। टैंकर के ड्राइवर और कंडक्टर ने कूदकर जान बचाई। 2 किमी दूर से धुआं और आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। झुलसे हुए कर्मचारी सड़क पर तड़पते दिखाई दिए। आग की लपटें देखकर टोल के दोनों तरफ बस और कारों की लंबी लाइन लग गई। अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग इतनी विकराल थी कि कोई उसके पास जाने कही हिम्मत नहीं जुटा पाया। फिलहाल, फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है। आग बुझाने की कोशिश में जुटी हुई है। हादसा जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा पर हुआ।

"आरोप लगाने वालों की मंशा ठीक नहीं

राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में एफआईआर के बाद सीएम योगी का बड़ा बयान

देवरिया, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में बड़ा बयान दिया है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर हुई पहली एफआईआर पर सीएम योगी ने कहा कि मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी। एसआइटी रिपोर्ट आई और कार्रवाई प्रारंभ हो गई है। जो लोग आज आरोप लगा रहे हैं, उनकी मंशा अच्छी नहीं है।

ये वो लोग हैं जो लोग भगवान राम को नकार चुके हैं। कहते थे कि राम हुए ही नही! ये लोग अयोध्या को नकारते रहे। सीएम योगी ने विपक्षी दलों से कहा कि अयोध्या हम सबके

आस्था का प्रतीक है।

अयोध्या पर आक्षेप मत करो, श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। देवरिया में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि जन आस्था के साथ जो खिलवाड़ करेगा, उसके साथ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम किया जाएगा। जब सरकार बनी थी तब भी मैंने कहा था जीरो टॉलरेंस की नीति से सरकार कार्य करेगी। जीरो टॉलरेंस की नीति अपराध और अपराधियों के प्रति, माफिया और माफिया प्रवृत्ति के प्रति, जन आस्था के साथ जो खिलवाड़ करेगा, जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य करेंगे।

गैंगस्टर सोनू-मोनू के घर रेड, पिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोकामा, 26 जून (एजेंसियां)। सोनू-मोनू गैंग के घर एक बार फिर पुलिस ने दबिश दी। दोनों मोकामा के पंचमहला थाने के नौरंगा गांव के रहने वाले हैं। बाढ़ एसडीपीओ रामकृष्णा के नेतृत्व में पुलिस टीम छापेमारी के लिए पहुंची। इसके बाद सोनू-मोनू के पिता और अधिवक्ता प्रमोद सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब उनसे पूछताछ करने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, यह छापेमारी अवैध खनन के आरोप में की गई थी। पंचमहला थाना इलाके में बड़े पैमाने पर सफेद बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। उस कार्रवाई के दौरान बाइक और जेसीबी को जब्त किया गया था। इतना ही नहीं, हथियार जब्ती और उसके साथ बदमाश भी पकड़े गए थे। लेकिन खनन स्थल के पास से जिस बाइक को जब्त किया गया था, उसे बदमाश लेकर फरार हो गए थे। इसके बाद वह बाइक सोनू-मोनू के पिता के घर से बरामद हुई। ऐसे में जब पुलिस को यह सूचना मिली कि प्रमोद सिंह घर पर मौजूद हैं, तब पुलिस छापेमारी के लिए पहुंची। इसके बाद प्रमोद सिंह को गिरफ्तार किया गया।

बताया यह भी जा रहा है कि सोनू-मोनू के पिता पर अनंत कुमार सिंह के जलालपुर निवासी समर्थक मुकेश कुमार पर गोली चलवाने का भी आरोप है। इसे लेकर भी प्रमोद सिंह से पूछताछ की जा सकती है। हाल ही में मुकेश कुमार पर फायरिंग के बाद जब पुलिस सोनू-मोनू के घर छापेमारी के लिए पहुंची थी, तो उसे तलाशी देनी पड़ी थी। लेकिन उस मामले में प्रमोद सिंह ने जमानत ले ली थी। अब पूछताछ के दौरान कुछ नए खुलासे हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि सोनू की भी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। ऐसे में मामले में आगे क्या कुछ कार्रवाई होती है, यह देखने वाली बात होगी।

नीतीश कुमार के फैसले से

फेल हो सकता है बीजेपी का पंजाबी गणित ! विपक्षी भी हुए सावधान

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का सियासी गणित फेल हो सकता है। वहीं नीतीश कुमार द्वारा लिए फैसले से विपक्षी भी सावधान हैं। दरअसल नीतीश कुमार ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों में जनता दल युनाईटेड (जेडीयू) के लड़ने का ऐलान कर दिया है। जेडीयू की तरफ से ऐलान किया गया कि पार्टी पंजाब की 45 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

जेडीयू ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी पंजाब में 117 सीटों में से 45 सीटों पर प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। इस बात का दावा पंजाब जेडीयू अध्यक्ष मालवेंद्र सिंह बेनीपाल की ओर से किया गया है। पंजाब जेडीयू अध्यक्ष मालवेंद्र सिंह ने कहा, जेडीयू पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। इस चुनावी अभियान का नेतृत्व नीतीश कुमार के नाम पर केंद्रित रहेगा। बेनीपाल ने आगे कहा, पंजाब और बिहार का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध रहा है। इस दौरान मालवेंद्र सिंह ने गुरु गोविंद सिंह के 350वें प्रकाश पर्व के आयोजन का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के सिखों में नीतीश कुमार के प्रति श्रद्धा और विश्वास है। संगठन को मजबूत कर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी तेज की जा रही। ऐसे में जेडीयू की सक्रिय एंट्री से पंजाब की राजनीति में सियासी हलचल बढ़ गई है।

ऐसी चर्चा है कि पंजाब में विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 के बजाय नवंबर 2026 में कराए जा सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी, बीजेपी, कांग्रेस ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं और अब जेडीयू ने भी चुनाव में उतरने का ऐलान कर दिया है। वहीं आगामी चुनावों को देखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी अपना चुनावी अभियान शुरू कर दिया है।

एसटीएफ जवान की कमर में लगी पिस्टल अपने आप हुई फायर! गोली लगने से मौत

जहानाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद से एक सनसनीखेज खबर सामने आ रही है जहां कानून के एक जांबाज रखवाले की अपनी ही सरकारी पिस्टल उसकी मौत का कारण बन गई। घटना घोसी थाना क्षेत्र के चिरी मोड़ के पास की है, जहां एसटीएफ के जवान धीरज कुमार की कमर में रखी पिस्टल से अचानक गोली चल गई। गोली सीधे जवान को लगी। घटना के बाद पुलिस की मदद से आनन-फानन में उन्हें पीएचसी घोसी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इस खौफनाक हादसे के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ जिले के तमाम एसपी, डीएसपी सहित वरिष्ठ अधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की बारीकी से तफ्तीश शुरू कर दी है कि आखिर पूरी सुरक्षा के साथ रखी गई पिस्टल से गोली किस परिस्थिति में चली? आपको बता दें कि मृतक जवान धीरज कुमार मूल रूप से नालंदा जिले के रहूंई थाना क्षेत्र के अंतर्गत रघुनाथपुर पंचायत के सोनसा गांव के रहने वाले थे। इस दुःखद घटना के बाद धीरज कुमार के परिवार में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा है कि मृतक जवान की पत्नी आंगनबाड़ी सहायिका के रूप में कार्यरत हैं।

चौपाल पर बैठे दादा को दी खौफनाक मौत

पहले मारी गोली फिर चाकू से गोदकर की हत्या, दो पोते फरार

मेरठ, 26 जून (एजेंसियां)। मेरठ जिले के सरूरपुर क्षेत्र के करनावल कस्बे में जमीन के विवाद ने रिश्तों को इस कदर शर्मसार कर दिया कि दो पौत्रों ने अपने ही 82 वर्षीय दादा की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोप है कि दोनों ने पहले चौपाल पर बैठे दादा के सीने में गोली मारी और फिर चाकू से कई वार कर उनकी जान ले ली। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। उनकी तलाश में कई दल लगातार दबिश दे रहे हैं। पुलिस के अनुसार बृहस्पतिवार रात भोजन करने के बाद विजयपाल गांव की चौपाल पर पहुंचे थे। वहां वह दो ग्रामीणों के साथ बैठकर हुक्का पी रहे थे। इसी दौरान दो नकाबपोश युवक वहां पहुंचे और बिना कुछ कहे विजयपाल के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई और साथ बैठे लोग जान बचाकर भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोली लगने के बाद विजयपाल जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद भी हमलावर नहीं रुके और उन्होंने चाकू से लगातार कई वार किए।

शोर सुनकर ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक दोनों आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो चुके थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को परीक्षण के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक साक्ष्य दल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास लगे चित्रांकन यंत्रों की रिकॉर्डिंग की जांच में दोनों आरोपियों की पहचान मृतक के पौत्र निक्की और सागर के रूप में हुई। मृतक के पौत्र भानू की शिकायत पर दोनों के खिलाफ हत्या का अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस की तीन टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि विजयपाल के पास कुल 80 बीघा कृषि भूमि थी।

उन्होंने संपत्ति का बंटवारा करते हुए तीन हिस्से अपने बेटों के परिवारों को दे दिए थे, जबकि 20 बीघा जमीन अपने भरण-पोषण के लिए अपने पास रखी थी। करीब एक वर्ष पहले घरेलू विवाद के बाद विजयपाल अपने दिवंगत बेटे के परिवार के साथ रहने लगे थे। चर्चा थी कि वह अपने हिस्से की बची 20 बीघा जमीन भी उसी परिवार के नाम करने की तैयारी में थे। इसी बात को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार इसी रंजिश के चलते दोनों पौत्रों ने मिलकर हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया।

महिला सिपाही की चेन लूटने वाला बदमाश एनकाउंटर में ढेर

शामली, 26 जून (एजेंसियां)। यूपी के शामली में शुक्रवार तड़के 5 बजे 50 हजार का इनामी बदमाश मेहताब एनकाउंटर में मारा गया। बदमाश किसान से मोबाइल लूटकर भाग रहा था। पुलिस ने 12 किमी तक पीछा कर उसे घेर लिया। खुद को घिरता देख उसने कार्बाइन से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश मारा गया। मुठभेड़ दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर कांधला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी मेहताब उर्फ बेचैन मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था। उस पर 34 मुकदमे थे। 1 मार्च को उसने शामली में ही महिला सिपाही से तमंचे के बल पर कुंडल और चेन लूट ली थी।

इसके अलावा, एक शुगर मिल के अफसर के साथ भी लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि 1 मार्च 2026 को थाना कोतवाली शामली क्षेत्र के लिसाढ़ जंगल में थानाभवन शुगर मिल के सहायक प्रबंधक अरविंद कुमार से मोबाइल और 5 हजार रुपए लूटे थे। हरियाणा पुलिस की महिला सिपाही ज्योति मलिक से कान के कुंडल, नाक की बाली और अंगूठी लूटने के मामले में भी मेहताब वांटेड था। सहारनपुर रेंज के डीआईजी ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद, 10 साल पहले युवक को मारकर पेड़ से लटकाया था

बदायूं, 26 जून (एजेंसियां)। 10 साल पुराने एक हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट सुरेंद्र पाल सिंह ने तीन आरोपितों को मुजरिम ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और उन पर 21-21 हजार रुपये का जुर्माना डाला है। आरोपितों ने हत्याकर युवक के शव को फंदे से लटका दिया था। हजरतपुर थाना क्षेत्र के गांव धनी नगला निवासी रामफल सिंह ने 11 मार्च 2016 को थाना अध्यक्ष को तहरीर दी।

उन्होंने बताया कि शाम करीब छह बजे उनका भतीजा शीलेंद्र पुत्र राजपाल अपने घर से आजमपुर बिसौरिया लाखन पुत्र टीकाराम के घर अपना मोबाइल लेने गया था। जब वह काफी देर तक लौट कर नहीं आया, तो उन्होंने अपने परिवार के लोगों से जानकारी की और उसे इधर-उधर खेतों में तलाश किया। उनका खेत गांव की दक्षिण दिशा में है। वह अपने खेत पर बरसीम काटने पहुंचे थे तो वहां देखा कि आम के पेड़ पर उनके भतीजे शीलेंद्र का शव प्लास्टिक की रस्सी से लटका हुआ था। रस्सी का फंदा उसके गले में पड़ा था। न्यायालय में रामविलास यादव पुत्र राम बहादुर निवासी ग्राम धनी, छत्रपाल पुत्र टोड़ी भुर्जी, झब्बलू उर्फ दिलीप कुमार पुत्र हरीश चंद्र जाटव निवासी ग्राम आजमपुर बिसौरिया पर युवक की हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का मुकदमा चला।

पप्पू यादव ने की भरत तिवारी एनकाउंटर की सीबीआई जांच की मांग

बोले- एसपी-थानेदार नहीं, हेडक्वार्टर ने टीम भेजकर मरवाया

पूर्णिया, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी के कथित एनकाउंटर मामले में पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने गृह विभाग और पुलिस महकमे के शीर्ष अधिकारियों पर आरोप लगाए हैं। सांसद पप्पू यादव ने इस कथित मुठभेड़ को पुलिस मुख्यालय के इशारे पर की गई सुनियोजित हत्या बताया है। उन्होंने सीबीआई और हाई कोर्ट के सिटिंग जज से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। सांसद पप्पू यादव ने कहा, सरकार और खुद मुख्यमंत्री जी को भी यह बात अच्छी तरह पता है कि इस एनकाउंटर में न तो आरा के एसपी इन्वॉल्व हैं, न स्थानीय डीएसपी इन्वॉल्व हैं और न ही क्षेत्र के थानेदार शामिल हैं। इस पूरी घटना की स्क्रिप्ट और साजिश हेडक्वार्टर से रची गई है। वहां से विशेष रूप से टीम भेजकर भरत तिवारी को मरवाया गया है। जांच का असली विषय यह है कि घटना के वक्त स्थानीय डीएसपी साहब को हेडक्वार्टर के किन-किन बड़े अधिकारियों का फोन गया था? उन सभी शीर्ष अधिकारियों के फोन कॉल्स और उनकी लोकेशन की गहन जांच होनी चाहिए। सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान वीडियो कॉलिंग के जरिए स्थानीय अधिकारियों को उकसाया गया और निर्देश दिए गए थे।

उन्होंने कहा, थानेदार और एसपी साहब को वीडियो कॉलिंग पर किसने कहा था कि जब हाथी पागल हो जाए तो उसे मारा जा सकता है, तो यह आदमी पागल है तो इसे क्यों नहीं मारा जा सकता? यह सब कुछ छिपाने और बचाने की एक गहरी साजिश है ताकि मामले में लीपापोती कर दी जाए। कुछ छोटे पुलिसकर्मियों पर एफआईआर करके उन्हें जेल भेज दिया जाए और असली मास्टरमाइंड बच जाएं। बिना सीबीआई जांच के इस पर्दे के पीछे के खेल का पर्दाफाश होना नामुमकिन है। सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए पप्पू यादव ने कहा, जब जनता आंदोलन करने लगी और भारतीय जनता पार्टी को यह अहसास हुआ कि उनका पारंपरिक वोट बैंक खिसक रहा है, तब जाकर इस पर चर्चा शुरू हुई। आज देश का पूरा ब्राह्मण समाज, भूमिहार समाज और समाज के गरीब लोग वर्तमान सरकार को देखना पसंद नहीं कर रहे हैं। वर्तमान सरकार का जो आचरण है, वह बिहार में जातीय उन्माद पैदा करवा रहा है। एक तरफ ऊंची जात को गाली देना, तो दूसरी तरफ ईबीसी, यादव और दलितों को गाली देना और प्रताड़ित करना ही इनका काम रह गया है।

सांसद ने बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद द्वारा हाल ही में दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि कई पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी माना है कि इस तरह के फर्जी एनकाउंटर से जनता के मन में खाकी के प्रति गहरा अविश्वास पैदा होगा। पूर्व डीजीपी अभयानंद जी ने तो स्पष्ट कह दिया है कि अब लोग पुलिस से नफरत करने लगेंगे, पुलिस को देखेंगे तो सुरक्षा महसूस करने के बजाय भागने लगेंगे। पप्पू यादव ने कहा कि आज पूरे देश में सिर्फ एक ही चर्चा है कि क्या बिहार की सरकार संविधान, कानून और न्याय व्यवस्था से भी ऊपर हो चुकी है? क्या बिहार और उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र पूरी तरह से समाप्त हो चुका है?

राम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी मामले में

रोहिणी आचार्य का बड़ा बयान, 'असली चपत लगाने वाले चंपत राय

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। अयोध्या का राम मंदिर एक बार फिर चर्चा में है। कथित चंदा चोरी के मामले में इस बार मंदिर सुर्खियों में है। एसआईटी की जांच जारी है, लेकिन विपक्ष सरकार को घेर रहा है। कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच आरजेडी प्रमुख लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी बड़ा सवाल उठाया है। शुक्रवार (26 जून, 2026) को उन्होंने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा कि एफआईआर में छोटे नामों की भीड़ है। असली चपत लगाने वाले चंपत राय और अन्य ट्रस्टियों पर एफआईआर दर्ज नहीं होना महज संयोग है या बड़े नामों, असली गुनहगारों को बचाने की रणनीति? अपने पोस्ट में रोहिणी आचार्य लिखती हैं, प्रभु श्रीराम के नाम पर लूट मचाने वाले बड़े लुटेरों को दे दी गई छूट? हैरानी की बात है राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर तो दर्ज की गई मगर बड़े नामों, जिन पर मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी है उनका नाम एफआईआर में नहीं डाला गया। क्या जांच व न्याय की सीढ़ियां ऊपर तक नहीं जातीं?

एफआईआर है या आई वॉश? रोहिणी आचार्य का कहना है कि जब सवाल जवाबदेही, गुनाह तय होने का हो, तब सबसे बड़ा सवाल यही बनता है कि आखिर जिनके हाथों में मंदिर प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई, जो मंदिर के सर्वेसर्वा बने बैठे थे, उनको कानूनी दायरे से बाहर क्यों रखा गया? प्रभु श्रीराम में अटूट आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों का सवाल है कि अगर जिम्मेदारी शीर्ष पर है तो जवाबदेही भी वहीं से क्यों नहीं शुरू होती? बीजेपी पर हमला करते हुए कहा, इस मामले की लीपापोती में जुटी भाजपा की सरकार को ये बात अच्छी तरह से समझ लेनी होगी कि एफआईआर में नाम नहीं होना निर्दोष होने का प्रमाण नहीं है, बल्कि इससे शक की सुई और ज्यादा गहरा रही है और आज नहीं तो कल असली गुनहगारों का पर्दाफाश हो कर ही रहेगा।

कोर्ट में बेहोश हुआ कैदी, स्ट्रेचर नहीं मिला तो सिपाही ने गोद में उठाकर पहुंचाया अस्पताल

बेगूसराय, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय कोर्ट में सुनवाई के लिए लाए गए एक कैदी की भीषण गर्मी और उमस के कारण अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए ड्यूटी पर तैनात बिहार पुलिस के कॉन्स्टेबल अनिल कुमार ने तुरंत उस कैदी को अपनी गोद में उठाया और अस्पताल की ओर दौड़ पड़े। अस्पताल पहुंचाया गया यह कैदी लोगों को डराने-धमकाने और ठगी करने के लिए नकली डीएसपी बनकर घूमता था। जानकारी के अनुसार, बरौनी थाना क्षेत्र के मोसादपुर गांव का रहने वाला नारायण महतो का पुत्र करण कुमार साइबर ठगी और फर्जीवाड़ा के एक मामले में पिछले करीब पांच महीनों से बेगूसराय जेल में बंद है। उसे कड़ी सुरक्षा के बीच एससी-एसटी विशेष कोर्ट में पेशी के लिए बेगूसराय न्यायालय लाया गया था। जहां अपनी हाजिरी का इंतजार कर रहे करण की तबीयत अचानक खराब हुई और वह वहीं चक्कर खाकर जमीन पर गिर पड़ा। वहां कोर्ट की सुरक्षा में मुस्तैद सिपाही अनिल कुमार ने अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से बेहोश कैदी करण को तुरंत उठाया और कोर्ट की तीसरी मंजिल से सीढ़ियों के रास्ते नीचे उतारा।

पीएमसीएच प्रिंसिपल विवाद: एनएमसी से डब्ल्यूएचओ तक निशांत कुमार के एक्शन की शिकायत, मांगा 100 करोड़ का मुआवजा

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के सबसे बड़े हॉस्पिटल पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को पद से हटाए जाने का प्रशासनिक मामला अब एक नया मोड़ ले चुका है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के बाद हुई इस कार्रवाई के खिलाफ राज्य सरकार के आधिकारिक 'सहयोग पोर्टल' (आरटीएमएस) पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

पटना के बुद्ध कॉलोनी निवासी जाने-माने विधिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाष चंद्र शर्मा ने 25 जून 2026 को इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), प्रधानमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, बिहार के मुख्यमंत्री और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्यक्ष को एक आधिकारिक शिकायत भेजी है। शिकायतकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्री के इस एक्शन को पूरी तरह तानाशाही बताते हुए डॉक्टर के लिए 100 करोड़ रुपये के मुआवजे की भी मांग की है। सहयोग पोर्टल

और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भेजी गई इस शिकायत में प्रभाष चंद्र शर्मा ने कई आरोप लगाए हैं।

शिकायत पत्र के अनुसार, डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह ने जनवरी 2026 में पीएमसीएच के प्रिंसिपल का पदभार संभालने के बाद अस्पताल की सुपर-स्पेशियलिटी बिल्डिंग में 'प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना' के तहत आए करोड़ों रुपये के महंगे चिकित्सा उपकरणों की अवैध जमाखोरी और हेराफेरी का भंडाफोड़ किया था।

वे भ्रष्टाचार के इस बड़े सिंडिकेट को पूरी तरह बेनकाब करने वाले थे, इसी वजह से ये कार्रवाई की गई है। प्रभाष चंद्र शर्मा का आरोप है

इसी बड़े घोटाले को दबाने और भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने जानबूझकर पीएमसीएच का दौरा किया। बिना किसी पूर्व कारण बताओ नोटिस या उचित विभागीय जांच के, फिल्म 'नायक' के अनिल कपूर की तरह 24 घंटे के भीतर डॉ. सिंह को हटाने का तानाशाही आदेश जारी कर दिया गया। पत्र में यह भी कहा गया है कि अपनी ईमानदारी और सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण डॉ। सिंह पिछले एक दशक से विभागीय प्रताड़ना का शिकार रहे हैं और इसी कारण उन्हें लंबे समय तक इस पद से वंचित रखा गया था।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाष चंद्र शर्मा ने मांग की है कि सरकार डॉ। नरेंद्र प्रताप सिंह के पद को 24 घंटे के भीतर ससम्मान बहाल करे, स्वास्थ्य मंत्री इस तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और पीड़ित डॉक्टर की बेदाग छवि को धूमिल करने के एवज में उन्हें 100 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

अतीक अहमद की कब्जाई जमीन पर गरीबों के लिए बनेंगे 200 फ्लैट, पीडीए 12 से 20 लाख में देगा घर

प्रयागराज, 26 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की कसारी-मसारी आवासीय योजना में माफिया अतीक अहमद ने 12 हजार वर्ग मीटर से अधिक जमीन पर कब्जा कर लिया था। कब्जा की गई इस जमीन को पीडीए अपने कब्जे में लेकर आवासहीन गरीब परिवारों के लिए 200 से अधिक फ्लैट बनाएगा। 12 लाख से 15 लाख रुपये तक फ्लैटों की कीमत रहेगी। पीडीए के ज्यादातर फ्लैट एलआइजी वाले होंगे। टू-बीएचके के भी कुछ फ्लैट तैयार किए जाएंगे, जिनकी कीमत 18 से 20 लाख रुपये के आसपास रहेगी। आवासहीन गरीब परिवार के लिए पीएम आवास योजना के तहत भी फ्लैट बनाने की योजना बनाई जा रही है। माफिया अतीक ने अपने घर के सामने लगभग 20 वर्ष पहले पीडीए की आवासीय योजना में दबंगई सके कब्जा कर लिया था।

कब्जा की गई जमीन पर ग्रुप हाउसिंग के लिए पीडीए की टीम ने पैमाइश कर ली है। लेखपाल अंशुमान सिंह ने बताया कि पैमाइश करके रिपोर्ट पीडीए के उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। छह माह बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर तीन वर्ष पहले पीएम आवास का निर्माण किया जा चुका है। आवासहीन गरीब परिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से फ्लैट की चाबी दी थी। 1731 वर्ग मीटर में 76 फ्लैटों का निर्माण पीएम आवास योजना के तहत किया गया था। इन फ्लैटों को पीडीए ने 18 माह में तैयार किया था। माफिया अतीक अहमद के मकान के पास ही पीडीए मध्यम और गरीब परिवार के लिए जल्द ही फ्लैट का निर्माण कराएगा। जमीन की पैमाइश की जा चुकी है। यहां पर कम कीमत में लोगों को फ्लैट उपलब्ध होंगे।

मुंद्रा पोर्ट ड्रग्स केस में

3000 किलो हेरोइन मामले में ईडी का एक्शन, मुख्य आरोपी हरप्रीत सिंह तलवार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय राजधानी में छह परिसरों पर तलाशी अभियान के दौरान दिल्ली निवासी हरप्रीत सिंह तलवार को गिरफ्तार किया है। यह तलाशी अभियान 13 सितंबर, 2021 को मुंद्रा बंदरगाह पर जब्त की गई लगभग 3000 किलोग्राम हेरोइन से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जांच के अंतर्गत किया गया है। इस मामले में तलवार गिरफ्तार किया गया है। उसे रिमांड के लिए विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के समक्ष पेश किया गया। अगस्त 2022 में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी इसी मामले के संबंध में तलवार उर्फ कबीर तलवार को गिरफ्तार किया था। ईडी ने कहा कि तलवार इस मामले में मुख्य आरोपी है। ईडी के टीमों ने उनके परिसर के साथ-साथ उनके कर्मचारियों, व्यापारिक सहयोगियों और उससे जुड़े संगठनों पर की गई तलाशी के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। ईडी के मुख्यालय की जांच इकाई अर्ध-संसाधित टैल्क में छिपाकर हेरोइन के बड़े पैमाने पर आयात से जुड़े मामले की जांच कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, मादक औषधि और मनोरोग पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 और भारतीय दंड संहिता, 1860 के प्रावधानों के तहत तलवार और अन्य के खिलाफ मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों के लिए दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। एनआईए ने इस मामले में छह आरोपपत्र दायर किए थे, जिसमें उसने आरोपियों पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दुबई स्थित एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट के साथ साजिश रचने का आरोप लगाया था, जो वांछित आरोपी विटेश कोसर उर्फ राजू दुबई के नेतृत्व में पाकिस्तानी आईएसआई एजेंटों और अफगान नागरिकों के साथ मिलकर काम कर रहा था।

इसमें यह भी आरोप लगाया गया था कि तलवार ने विटेश कोसर के साथ मिलीभगत करके अर्ध-संसाधित टैल्क के आयात की आड़ में नशीले पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों में लिप्त था। जांच में यह भी पता चला है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री से प्राप्त लगभग 74 करोड़ रुपये हवाला के माध्यम से अफगानिस्तान भेजे गए और आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण में इस्तेमाल किए गए। ईडी की जांच में पता चला है कि तलवार ने तस्करी गिरोह को जो सेवाएं दीं, उनके बदले में गिरोह ने उसे विदेशी सामान जैसे सूखे मेवे, खजूर, इत्र और अन्य वस्तुएं मुफ्त में दीं और उसे ड्रग्स की बिक्री से प्राप्त धनराशि में से आंशिक रूप से नकद भुगतान भी किया। इस तरह तलवार ने अपराध से प्राप्त 1.65 करोड़ रुपये की धनराशि अर्जित की।

ईडी की जांच में आगे पता चला कि तलवार अपने कर्मचारियों और दोस्तों के नाम पर मालिक और साझेदार के रूप में पंजीकृत कई फर्मों को नियंत्रित करता था। ऐसी ही एक कंपनी मैजेंट इंडिया है, जिसे अंततः अफगान आपूर्तिकर्ता से हेरोइन छिपाकर रखे गए अर्ध-संसाधित टैल्क की दो खेपें प्राप्त हुईं। ईडी ने यह भी खुलासा किया कि तलवार ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर दिल्ली के कई नाइट क्लबों में, जिनमें प्लेबॉय क्लब, व्हाइट क्लब दिल्ली, आरएसवीपी नाइट क्लब, जसबा लाउंज, वेलवेट रूम, लिट लाउंज शामिल हैं, धन का निवेश किया है।

एनआईए मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद और ड्रग्स मामले की जांच जारी रहने के दौरान, ईडी ने कहा कि तलवार ने अपनी व्यावसायिक संस्थाओं में शेयर अपने सहयोगी माहेरी परम्मा शमसुद्दीन और सुहैल अहमद को हस्तांतरित कर दिए थे, जिन्होंने आगे चलकर नई दिल्ली के इरोस होटल में मंकी हाउस और अशोका होटल में सोहो क्लब सहित अन्य नाइट क्लबों में धन का निवेश किया। ईडी ने बताया कि तलाशी के दौरान, उसे तलवार और उसके सहयोगियों द्वारा किए गए निवेशों से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री मिली है। वहीं, निवेशों से संबंधित कई दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं।

नीतीश कुमार केंद्र में बनेंगे मंत्री

केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल की संभावना के बीच बिहार में शुरू हुई चर्चा

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले केंद्रीय कैबिनेट में जल्द ही फेरबदल की संभावना है। हालांकि इस संभावित फेरबदल को लेकर अभी तारीख या नाम स्पष्ट नहीं है, लेकिन चर्चा है नीतीश कुमार को एक बार फिर केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। दरअसल, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की थी। जिसके बाद केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा जोर पकड़ने लगी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आने वाले समय में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। नीतीश कुमार ने बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के लिए मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था। सीएम पद से त्यागपत्र देने के बाद नीतीश कुमार बिहार से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। बिहार में करीब दो दशक तक सीएम पद पर रहने से पहले भी नीतीश कुमार केंद्र में मंत्री रह चुके हैं। अब पीएम मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट में बड़े फेरबदल की चर्चा के बीच नीतीश कुमार को मंत्री पद देकर उनके अनुभव का लाभ उठाने की योजना बन रही है।

दरअसल एडीए में शामिल जदयू की मजबूत स्थिति को देखते हुए अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर एक अहम जिम्मेदारी देकर उनको पार्टी को खुश करने की चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि नीतीश कुमार अभी मंत्री बनकर दिल्ली में राजनीतिक और प्रशासनिक व्यस्तता में फंसने की बजाए बिहार में ही रहकर जदयू को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। हालांकि केंद्रीय स्तर पर या जेडीयू की ओर से अब तक नीतीश कुमार को मंत्री बनाए जाने पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और सभी अटकलें केवल राजनीतिक गलियारों में चर्चा और मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है।

महबूबा ने बैकडोर भर्ती का लगाया आरोप

बोलीं- 'बीजेपी भी मिलीभगत से एनसी के मंत्री-विधायकों के रिश्तेदारों को दी नौकरी,

श्रीनगर, 26 जून (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने प्रदेश सरकार पर विभिन्न सरकारी नौकरियों को आउटसोर्स करने की आड़ में बैकडोर नियुक्तियों में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि चोर दरवाजे से कोई नियुक्ति नहीं हुई है,सबकुछ ठीक है तो फिर उन्हें इस पूरे मामले की जांच करानी चाहिए,कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन वह ऐसा करने से बच रहे हैं।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत में महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बिना किसी विज्ञापन के बैकडोर से 200 निजी कंपनियों के जरिए 25,000 लोगों को नौकरी पर रखा। ये नौकरियां मंत्रियों और विधायकों के पीआरओ और निजी सचिवों के जरिए दी गई। कुछ नौकरियां सहयोगियों को भी दी गई। शायद भाजपा को भी इसमें हिस्सा मिला है, यही वजह है कि भाजपा इस मामले में चुप है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियों या सरकारी विभागों की ओर से इन नौकरियों के लिए कोई विज्ञापन नहीं दिया गया। कंपनियों ने थोड़े समय के लिए वेबसाइटें खोलीं ताकि मंत्रियों और विधायकों के रिश्तेदार और कर्मचारी आवेदन कर सकें। फॉर्म भरने के बाद वेबसाइटें तुरंत बंद कर दी गईं।

महबूबा ने कुछ लोगों के नाम लिए जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्होंने बैकडोर नियुक्तियों में सुविधा प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि एक रमजान साहब थे, और दूसरे आयुष विभाग में थे। उन्होंने कहा कि मैं उनके पदों का खुलासा नहीं करना चाहती। विभिन्न विभागों में और भी लोग हैं, चाहे वे पीआरओ हों या सचिव, जो विधायकों से सूचियां इकट्ठा करते और फिर उन्हें आउटसोर्सिंग एजेंसियों को सौंपते। सरकार ने इन नौकरियों को निजी कंपनियों को आउटसोर्स करने का बचाव किया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में गांदरबल में कहा था कि ये बैकडोर नियुक्तियां नहीं थीं, बल्कि कुछ नौकरियां परियोजनाओं के लिए आउटसोर्स की गई थीं। अगर मुख्यमंत्री सही हैं तो वह जांच क्यों नहीं कराते।

26/11 के हीरो और लेखक आईपीएस अफसर विश्वास पाटिल से क्यों नाराज हो गई कांग्रेस?

नागपुर, 26 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नागपुर के नए पुलिस आयुक्त विश्वास नांगरे पाटिल के सकल हिंदू समाज के कार्यक्रम में दिए गए भाषण का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उन्होंने आरएसएस और उसके संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार की प्रशंसा करते हुए अखिल भारतीय सेवाएँ आचरण नियमों को तोड़ा है। पार्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया है कि क्या अधिकारी ने कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति ली थी। ऑल इंडिया सर्विसेज (कंडक्ट) रूल्स का हवाला देते हुए कांग्रेस ने दावा किया कि किसी आईपीएस अधिकारी को ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होती है। कांग्रेस सवाल के जरिए जानना चाह रही है कि क्या नांगरे पाटिल ने ऐसी मंजूरी ली थी और अगर नहीं, तो क्या सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी? पार्टी ने कहा कि जो आईपीएस अधिकारी आरएसएस, हिंदुत्व और आरएसएस के संस्थापक केबी. हेडगेवार की तारीफ करते हैं, उनका ऐसा भाषण सरकारी नियमों के खिलाफ है। सरकारी अफसरों (अखिल भारतीय सेवाएँ) के नियम कहते हैं कि उन्हें राजनीतिक रूप से तटस्थ रहना चाहिए और अपने पद के हिसाब से आचरण करना चाहिए।

इन नियमों में अफसरों को किसी राजनीतिक या विचारधारा वाले संगठन से जुड़ने की मनाही है। पार्टी ने सवाल किया कि क्या आरएसएस जैसे संगठन के मंच पर जाकर उसकी और उसके संस्थापक की प्रशंसा करना भी इन नियमों का उल्लंघन नहीं है? कांग्रेस ने कहा कि ये मुद्दा सिर्फ एक अधिकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सिविल सर्विसेज की विश्वसनीयता, राजनीतिक निष्पक्षता के संवैधानिक सिद्धांत और पुलिस प्रशासन में जनता के भरोसे से जुड़ा है।

सात माह की गर्भवती ने तीन बेटियों को दिया जन्म, तीनों का वजन कम

सतना, 26 जून (एजेंसियां)। जिला अस्पताल में बीती देर रात एक ऐसा दुर्लभ मामला सामने आया, जिसने डॉक्टरों के साथ-साथ अस्पताल स्टाफ को भी आश्चर्यचकित कर दिया। यहां सात माह की गर्भवती महिला प्रियंका साकेत ने एक साथ तीन बेटियों को जन्म दिया। विशेष बात यह रही कि तीनों बच्चियों का जन्म सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) से हुआ। समय से पहले जन्म और कम वजन होने के कारण तीनों नवजातों को तुरंत विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार पहली बच्ची का जन्म 24 जून की रात 10:25 बजे हुआ। इसके बाद दूसरी बच्ची रात 11:45 बजे और तीसरी बच्ची रात 11:56 बजे पैदा हुई। इस तरह करीब डेढ़ घंटे के भीतर तीनों बच्चियों की सफल नॉर्मल डिलीवरी कराई गई। प्रत्येक नवजात का वजन लगभग एक किलोग्राम बताया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक गर्भावस्था के सातवें माह में प्रसव होने के कारण नवजात पूरी तरह विकसित नहीं थे। ऐसे में तीनों बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद एसएनसीयू में भर्ती किया गया, जहां उनकी सांस, शरीर का तापमान, पोषण और अन्य जरूरी स्वास्थ्य मानकों की लगातार निगरानी की जा रही है।

डॉक्टरों का कहना है कि फिलहाल सभी नवजातों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार प्रसूता प्रियंका साकेत की तबीयत सामान्य है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। एक साथ तीन बेटियों के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं अस्पताल में भी इस सफल प्रसव की चर्चा बनी हुई है।

'बेटे को रेप केस में फंसा देंगे', हरियाणा में फौजी के पिता से साइबर ठगों ने लगाई एक लाख की चपत; पुलिस बनकर दी थी धमकी

भिवानी, 26 जून (एजेंसियां)। चरखी दादरी जिले के गांव झिंझर निवासी एक फौजी के पिता से उसके उसके बेटे को रेप केस में फंसाने का डर दिखाकर साइबर ठगों ने 1.10 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपितों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर फौजी के पिता को फोन किया और पठानकोट में तैनात उसके बेटे का नाम दुष्कर्म केस से हटाने के बदले रुपये मांगे। बाद में पीड़ित को पता चला कि उसके बेटे के साथ इस प्रकार का कोई वाक्या नहीं हुआ है। इसके बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस को शिकायत देकर फर्जी पुलिसकर्मी बनकर फोन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और उसके रुपये वापिस दिलाने की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी सहित दूसरी संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

भ्रष्ट बैंक अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों अटक रही? सीबीआई ने वित्त मंत्रालय और बैंकों के साथ की अहम बैठक

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। देश में बैंक धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामलों की जांच में देरी को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा मुद्दा उठाया है। सीबीआई ने कहा है कि बैंक अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू करने और आरोपपत्र दाखिल करने के लिए जरूरी मंजूरी समय पर नहीं मिल रही है। इससे न केवल जांच प्रभावित हो रही है, बल्कि कई मामलों में अभियोजन की प्रक्रिया भी धीमी पड़ रही है। इस मुद्दे पर सीबीआई ने वित्त मंत्रालय, बैंकों और मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) के साथ बैठक कर चिंता जताई। नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक में सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग, विभिन्न बैंकों और बैंकों के सीवीओ के साथ लंबित मामलों की समीक्षा की। बैठक में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए और धारा 19 के तहत आवश्यक मंजूरी, बैंक धोखाधड़ी के मामलों से जुड़े दस्तावेजों में देरी, वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस), हालिया अदालतों के फैसलों और म्यूल अकाउंट जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। सीबीआई ने बताया कि कई मामलों में बैंकों की ओर से अपने अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी नहीं दी जाती है।

इसके कारण भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई प्रभावित होती है। कुछ मामलों में मंजूरी नहीं मिलने से मुकदमों की सुनवाई विशेष अदालतों के बजाय सामान्य अदालतों में स्थानांतरित हो जाती है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया और लंबी हो जाती है। सीबीआई के लिए किसी बैंक अधिकारी के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू करने से पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्व मंजूरी लेना अनिवार्य है। वहीं, आरोपपत्र दाखिल करने से पहले धारा 19 के तहत अभियोजन की स्वीकृति लेनी होती है। एजेंसी का कहना है कि इन मंजूरियों में देरी से जांच और मुकदमे दोनों प्रभावित होते हैं। बैठक के दौरान बैंक धोखाधड़ी से जुड़े लंबित दस्तावेज, शिकायतों के निपटारे, वन टाइम सेटलमेंट मामलों और म्यूल अकाउंट से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई। सीबीआई के अनुसार, बैंकवार समीक्षा की गई और कई लंबित मामलों का समाधान भी किया गया।

एजेंसी ने कहा कि बैंकों और सीबीआई के बीच दस्तावेजों को समय पर साझा करने की आवश्यकता पर सहमति बनी है। बैठक के अंत में सीबीआई और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच मौजूदा सहयोग को आगे भी बनाए रखने पर सहमति बनी। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मंजूरी की प्रक्रिया को और तेज और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। सीबीआई ने कहा कि बैंक धोखाधड़ी के मामलों की जांच में तेजी लाने के लिए सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

शिमला में इस साल आधी रह सकती है सेब की पैदावार, 2.31 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान

शिमला, 26 जून (एजेंसियां)। मौसम की मार के कारण इस साल जिला शिमला में सेब का उत्पादन आधा रहने का अनुमान है। इस वर्ष जिले में महज 2.31 लाख मीट्रिक टन सेब उत्पादन का अनुमान है। यह पिछले साल 4.41 लाख मीट्रिक टन की तुलना में काफी कम है। शिमला में उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक में प्रशासन ने ये जानकारी दी। बैठक में सेब परिवहन, यातायात प्रबंधन, मालभाड़ा निर्धारण, नियंत्रण कक्षों की स्थापना, श्रमिकों की उपलब्धता और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेब सीजन में बागवानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही परिवहन एवं विपणन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। बैठक में निर्णय लिया कि सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में बागवानों, ट्रक ऑपरेटरों और पिकअप यूनियनों के साथ बैठक कर परिवहन वाहनों की आवश्यकता का आकलन करेंगे। जरूरत पड़ने पर बाहरी जिलों और राज्यों से भी ट्रकों की व्यवस्था की जाएगी।

सेब तुड़ान और ढुलाई के लिए पर्याप्त श्रमिकों की उपलब्धता को लेकर भी प्रशासन की ओर से इंतजाम किए जाएंगे। सेब सीजन के लिए मालभाड़ा निर्धारण को लेकर एसडीएम, डीएसपी, लोक निर्माण विभाग और एचआरटीसी के प्रतिनिधियों की समिति गठित की जाएगी। बॉक्स के बजाय किलो में होगा सेब मालभाड़ा: उपायुक्त ने कहा कि सेब के मालभाड़े का निर्धारण बॉक्स के बजाय किलोग्राम और टन के आधार पर किया जाएगा। निर्धारित दरों को नियंत्रण कक्षों और प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। सेब सीजन के दौरान मुख्य नियंत्रण कक्ष 15 जुलाई तक फागू में स्थापित किया जाएगा। यहां टेलीफोन, फैक्स, सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था रहेगी। भट्ठाकुफर मंडी में केवल नमूना बॉक्स ही दर निर्धारण के लिए लाए जाएंगे, जबकि सेब से लदे वाहन सीधे आढ़तियों के गोदामों तक जाएंगे।

एमएसपी घोटाले का खुलासा, चार फर्जी किसानों के खिलाफ केस दर्ज

दूसरों की जमीन पर रजिस्ट्रेशन कर बेची फसल

भिंड, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में गेहूं उपार्जन के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य अपर सरकार द्वारा खरीदी में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।

प्रारंभिक जांच के बाद दूसरों की जमीन पर रजिस्ट्रेशन करवाने वाले चार किसानों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है, जिनमें तीन नाम महिलाओं के हैं। लहार अनुभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की शिकायत पर लहार थाना में मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच के बाद एफआईआर की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। दरअसल, किसानों को समृद्ध बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किसानों को अपनी फसल का उचित भुगतान देने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना चलाई जा रही है, लेकिन बड़ी संख्या में किसान इसमें पंजीयन नहीं कर पाते जिसका फायदा किसान माफिया उठा रहे हैं। भिंड में ऐसे ही मामलों का खुलासा हुआ है, जिसमें कुछ फर्जी किसानों ने दूसरों की जमीन पर एसपी के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया और फसल भी सरकार को बेच दी। यही नहीं उनके खातों में भुगतान भी कर दिया गया मामला खुलने के बाद इसकी जांच की गई, जिसमें प्रारंभिक जांच में तीन महिला किसान सहित कुल चार किसानों पर लहर के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार मुद्गल की शिकायत पर लहर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार कलेक्टर किरोड़ी लाल मीना को गेहूं उपार्जन में फर्जी पंजीयन की शिकायत मिली थी।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने लहार एसडीएम एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार मुदगल को जांच के निर्देश दिए। जांच के दौरान खाद्य विभाग से प्राप्त किसान पंजीयन सूची का राजस्व अभिलेखों से मिलान कराया गया, जिसमें पाया गया कि कुछ किसानों ने फर्जी तरीके से दूसरे किसानों की जमीन पर पंजीयन करवा लिए गए, जबकि संबंधित राजस्व अधिकारियों द्वारा खसरों का सत्यापन भी कर दिया गया।

जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जिन खसरों और सर्वे नंबरों के आधार पर आरोपियों ने किसान पंजीयन कराया था। उन जमीनों में उनका नाम भूमिस्वामी के रूप में दर्ज ही नहीं था। इसके अलावा वास्तविक भूमि मालिकों से कोई लिखित अनुमति भी नहीं ली गई थी और न ही बटाई अथवा खेती संबंधी कोई वैध अनुबंध प्रस्तुत किया गया था। प्रशासनिक जांच में लिधौरा गांव निवासी संचिता पाठक, लालपुरा निवासी गिरिजा, प्रतीक्षा तथा वीर सिंह तोमर के पंजीयन संदिग्ध और फर्जी पाए गए। जांच में अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने पुलिस कार्रवाई की अनुशंसा की। जिसके आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 420 एवं 34 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली।

नकली नोट छापने वाली 'फैक्ट्री':200 का जाली नोट चलाते हुए पकड़ाया युवक, प्रिंटिंग मशीन 44000 की फेक करेंसी मिली

इंदौर, 26 जून (एजेंसियां)। इंदौर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक रेस्टोरेंट पर 200 रुपए का नकली नोट चलाने का मामला सामने आया है। रेस्टोरेंट संचालक की सतर्कता से आरोपी युवक पकड़ा गया। पुलिस ने पूछताछ के बाद उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके कब्जे से करीब 44 हजार रुपए के नकली नोट और नोट छापने में इस्तेमाल होने वाली प्रिंटिंग मशीन बरामद की गई है। गांधीनगर थाना प्रभारी अनिल यादव के अनुसार राजनगर सेक्टर-ए, चंदन नगर निवासी यशवंत यादव ने शिकायत दर्ज कराई कि 25 जून को वह सांवरिया रेस्टोरेंट रिजलाय फाटा-नावदा पंथ रोड पर मौजूद था।

इसी दौरान एक युवक चाय-नाश्ता करने के बाद भुगतान के लिए 200 रुपए का नोट देने लगा। नोट देखते ही यशवंत को उसके नकली होने का संदेह हुआ। इसके बाद कर्मचारी आशीष चौहान की मदद से युवक को मौके पर ही रोक लिया गया और पुलिस को सूचना दी गई। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान दीपक पटेल निवासी ग्राम अटाहेड़ा थाना देपालपुर के रूप में बताई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में संजय राउत की एंट्री

बोले- 'एक करोड़ रुपये और चांदी की ईंट दान की थी, कहां गई?'

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के मामले पर सियासत तेज हो गई है। इस बीच राम मंदिर में लोगों द्वारा दान किए गए सोने-चांदी के आभूषणों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने भी बड़ा सवाल खड़ा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शिवसेना द्वारा दान की गई 4 किलो चांदी की ईंट के गायब होने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संजय राउत ने आगे लिखा, उद्धव ठाकरे ने हजारों शिवसैनिकों और संतों की मौजूदगी में खुले मन से 1 करोड़ रुपये और पवित्र चांदी की ईंट दान की थी। फिर भी सालों बाद भी ट्रस्ट से कोई रसीद या अपडेट नहीं मिला है। यह ईंट कहां गई? अब पूरी जांच और जवाबदेही का समय आ गया है। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी से जुड़े मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि एसआईटी की ओर से दो दिन पहले सरकार को सौंपी गई शुरुआती रिपोर्ट में कठोर सिफारिश की गई है। फिलहाल आरोपी पुलिस कस्टडी में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की तहरीर पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्र, रमाशंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव तथा मनीष कुमार यादव नामक व्यक्तियों और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

अयोध्या के राम में कथित दान और चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट ने विशेष जांच का अनुरोध किया था जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रकरण की जांच के लिए एसआईटी का गठन हुआ था। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि एसआईटी की निष्पक्ष जांच से 'दूध का दूध और पानी का पानी' होकर रहेगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एयर इंडिया कनिष्क ब्लास्ट में खालिस्तानियों का हाथ

कनाडा ने पहली बार कबूला सच भारत के लिए क्या हैं मायने?

ओटावा, 26 जून (एजेंसियां)। कनाडा सरकार ने करीब 40 वर्षों के बाद माना है कि एयर इंडिया प्लेन में हुए धमाके में खालिस्तानी आतंकवादियों का हाथ था। 1985 में किए गये बम धमाके में 329 लोगों की मौत हो गई थी। कनाडा की मुख्य इंटेलिजेंस एजेंसी 'कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस' ने पहली बार साफ तौर पर कनाडा में मौजूद खालिस्तानी आतंकवादियों को विस्फोटक लगाने का जिम्मेदार ठहराया है।

भारत हमेशा से कहता आया है कि 1985 में हुए बम धमाके की साजिश खालिस्तानियों ने रची थी। 40 वर्षों के बाद कनाडाई एजेंसी का कबूलनामा भारत के लिए बड़ी डिप्लोमेटिक जीत मानी जा रही है। भारत कहता रहा है कि कनिष्क विमान को कनाडा की धरती से ऑपरेट होने वाले बब्बर खालिसा के आतंकियों ने उड़ाया था। कनाडा अब तक सिर्फ 'सिख चरमपंथी' शब्द का उपयोग करता था।

होर्मुज में हमला, अमेरिका को फिर लड़नी पड़ सकती है ईरान जंग

एक्सपर्ट ने ट्रंप को फटकारा

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में किया हमला, फंसे जहाज

वॉशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज पर गुरुवार को हमला करके एक फिर से दुनिया को टेंशन में डाल दिया है। आईआरजीसी ने यह हमला तब किया जब ईरान ने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाज उसके बताए हुए रास्ते से ही गुजरें। ईरान चाहता है कि अमेरिका संग डील के बाद भी होर्मुज पर कब्जा बरकरार रखा जाए और करीब 40 अरब डॉलर टोल वसूला जाए। इसी वजह से ईरान कार्गो जहाजों को मजबूर कर रहा है कि वे ओमान के तट के पास से नहीं गुजरें।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट ऐलान किया था कि होर्मुज स्ट्रेट में कोई भी टोल नहीं वसूला जाएगा। ट्रंप ने ईरान को टोल पर हमले की भी धमकी दी है। एक्सपर्ट का कहना है कि ईरान कार्गो जहाज पर हमला करके होर्मुज को खोलने के ट्रंप के डील की परीक्षा ले रहा है। बताया जा रहा है कि ईरानी विस्फोटक ड्रोन विमान ने शिप के पश्चिमी हिस्से की ओर चक्कर लगाया और इसके बाद उससे टकरा गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि इससे पता चलता है कि ईरान जानबूझकर यह हमला किया था। इस हमले में जहाज को नुकसान पहुंचा है लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है। इस बीच ईरान के ड्रोन हमले के बाद अमेरिकी एक्सपर्ट प्रोफेसर डेरेक जे ग्रॉसमैन ने ट्रंप को जमकर फटकार लगाई है। ग्रॉसमैन ने कहा, 'ईरान ने आज होर्मुज स्ट्रेट में एक व्यवसायिक जहाज पर इसलिए हमला किया क्योंकि यह शिप ओमानी तट से होकर गुजर रहा था और ईरानी जलक्षेत्र से बच रहा था। इससे यह एक बार फिर से साबित हो गया है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को अपना रणनीतिक चोक प्वाइंट मानता है। ट्रंप धन्यवाद, इस बेवकूफी भरे और खुद से हारने वाले युद्ध के लिए। अमेरिका को अब एक बार फिर से ईरान से जंग लड़नी पड़ सकती है ताकि बढ़त को हासिल किया जा सके।'

ओमान के तट के पास गुरुवार को एक मालवाहक जहाज को ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूकेएमटीओ ने बताया कि इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की सलाह दी गई है। इससे पहले गुरुवार को, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नौसेना ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए केवल वही मार्ग अधिकृत हैं, जिन्हें ईरानी अधिकारियों ने घोषित किया है। सन्हिुआ के अनुसार, आईआरजीसी की आधिकारिक समाचार एजेंसी सेपाह न्यूज में जारी बयान में कहा गया कि अन्य मार्गों से जहाजों की आवाजाही खतरनाक और प्रतिबंधित है।

बयान में कहा गया, 'सभी को यह पता होना चाहिए कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए केवल ईरान की ओर से घोषित मार्ग ही मान्य है। इन मार्गों के बाहर यातायात बहुत खतरनाक है और इसकी अनुमति नहीं है, इसलिए इससे पूरी तरह बचना चाहिए।'

भारत ने दवाई के डिब्बे में अफगानिस्तान को भेजे ड्रोन

तालिबान से पिटकर पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने निकाली खीज

इस्लामाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान से हुए ड्रोन हमले का दोष भारत पर मढ़ दिया है। बीते हफ्ते अफगान तालिबान की सेना ने पाकिस्तान के दो प्रांतों में आईएसआईएस के ठिकानों को ड्रोन से निशाना बनाया था। तालिबान के सफल ड्रोन हमलों ने पाकिस्तानी सेना और सरकार को चौंका दिया है। ऐसे में पाकिस्तानी कह रहे हैं कि भारत ने अफगानिस्तान में दवाई के डिब्बों में रखकर ड्रोन भेजे और फिर इनका इस्तेमाल उनके खिलाफ किया गया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से पत्रकार अबसार आलम ने एक कार्यक्रम में सवाल किया कि भारत के मेडिसिन की आड़ में अफगानिस्तान को ड्रोन अफगानिस्तान भेजने की बात कही जा रही है। आपको इसमें इतनी सच्चाई लगती है। इस पर आसिफ ने कहा कि इसमें सौ फीसदी सच्चाई हो सकती है। मुझे इसमें शक नहीं है। मैं तो कहता हूं कि वो छुपाकर नहीं खुलेआम अफगानिस्तान में हथियार भेज रहे होंगे। पाकिस्तानियों ने अफगानिस्तान के ड्रोन हमले को भारत से जोड़ने के पीछे एक कहानी बनाई है। दरअसल बीते हफ्ते भारत ने बीते हफ्ते 5 टन दवाएं अफगानिस्तान भेजी है। इसमें कोई नई बात नहीं है क्योंकि भारत जरूरी दवाएं मानवीय सहायता के तहत अफगानिस्तान भेजता रहा है। इसी कड़ी में बीते हफ्ते भी एक बड़ी खेप अफगानिस्तान भेजी गई।

भारत के अफगानिस्तान को दवा भेजने के एक दिन बाद ही बीते हफ्ते गुरुवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आईएसआईएस के आतंकी कैंपों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले हो गए। यहीं से पाकिस्तानियों ने दवा भेजने का कनेक्शन ड्रोन अटैक से जोड़ दिया। पाकिस्तानियों का तर्क है उनकी जमीन पर हमले के लिए तालिबान को दवाओं के साथ ड्रोन भारत ने भेजे थे।

पाकिस्तान की एयरफोर्स ने बीते हफ्तों में लगातार अफगानिस्तान में हमले किए हैं। पाकिस्तान आर्मी ने काबुल और कंधार समेत कई शहरों में बमबारी की है। इस पर अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज अफगान तालिबान ने मजबूती से पाक आर्मी को जवाब दिया है।

भारतीय जज एस मुरलीधर कौन हैं जिनकी यूएन रिपोर्ट पर इजरायल आगबबूला

गाजा नरसंहार पर खोली थी पोल

तेल अवीव/नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। इजरायल ने यूएनएचआरसी की गाजा रिपोर्ट पर गहरी नाराजगी जताई है। इजरायल ने इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के खिलाफ 'बिना किसी आधार के' आरोप लगाने के लिए यूएनएचआरसी पर हमास के साथ मिलकर रिपोर्ट बनाने का आरोप लगाया है। यह पूरा विवाद भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस. मुरलीधर की अध्यक्षता वाले एक संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पैनल की रिपोर्ट को लेकर है।

दरअसल संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के एक स्वतंत्र जांच आयोग ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें इजरायली सेना पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद इजरायली राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जस्टिस मुरलीधर के दावों को खारिज कर दिया है। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने गुरुवार को जस्टिस एस. मुरलीधर की आलोचना की है। पूर्वी यरुशलम और इजरायल समेत कब्जे वाले फिलिस्तीनी इलाकों पर बनी 'इंडिपेंडेंट इंटरनेशनल कमीशन ऑफ़ इन्क्वायरी' (CoI) के सदस्य जस्टिस मुरलीधर की रिपोर्ट में कहा गया है कि आईडीएफ ने जान-बूझकर फिलिस्तीनी बच्चों को निशाना बनाया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अजार ने कहा 'जस्टिस मुरलीधर, हमास ने 7 अक्टूबर को सिर्फ बंधक ही नहीं बनाए थे। उन्होंने हमारे समुदायों पर बर्बर हमला किया जिसमें सैकड़ों नागरिकों (जिनमें महिलाएँ और बच्चे भी शामिल थे) की हत्या, वीभत्स बलात्कार, शरीर के अंगों को काटना और पूरे परिवारों को जिंदा जला देना जैसी घटनाएं शामिल थीं।'

इजरायल ने कहा 'CoI ने हमारे सैनिकों पर बेबुनियाद आरोप लगाने में 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपये) खर्च किए, जिन्हें आप बेशर्मी से दोहरा रहे हैं। आप हमास की उन चालों को नजरअंदाज कर रहे हैं जिनमें वे बच्चों समेत आम नागरिकों के पीछे छिपते हैं और उन्हें लड़ाकों और इंसानी ढाल के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। इसके बजाय आपकी तथाकथित खोज जमीनी हकीकत पर नहीं बल्कि खुद आतंकवादियों की तरफ दी गई जानकारी पर आधारित है जिनमें से कई मेडिकल और प्रेस स्टाफ का भेष बदलकर जानकारी देते हैं।'

यूएन कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने गाजा और वेस्ट बैंक में जानबूझकर और रणनीतिक रूप से फिलिस्तीनी बच्चों को निशाना बनाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2025 के बीच 20,179 से ज्यादा फिलिस्तीनी बच्चे मारे गए हैं और 44,143 घायल हुए हैं। इनमें 1,000 से ज्यादा नवजात शिशु भी शामिल हैं। पैनल ने अपनी जांच के आधार पर कहा कि इजरायल गाजा पट्टी में नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध कर रहा है। जस्टिस डॉ. एस. मुरलीधर भारत के एक बेहद प्रतिष्ठित, ईमानदार और कड़क छवि वाले पूर्व मुख्य न्यायाधीश हैं।

मिल गया 100 साल तक जीने का राज

316 साल वाली तीन बहनों की लंबी उम्र में छिपा यह सीक्रेट?

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। लंबी उम्र और स्वस्थ रहने की ख्वाहिश हर किसी की होती है। पूरी दुनिया में इसे लेकर प्रयोग हो रहे हैं कि कैसे इंसान की उम्र बढ़ाई जा सके। यहां तक कि ऐसी खबरें आती रहती हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी अपनी उम्र बढ़ाने को लेकर फिक्रमंद रहते हैं और कोशिशें कर रहे हैं। मगर, अब शायद लंबी उम्र पाने का राज मिल सकता है।

वैज्ञानिकों को लंबे जीवन का राज शायद ब्राजील की उन तीन बहनों में मिल सकता है, जिनकी संयुक्त रूप से उम्र 316 साल है। इसी महीने उनके नाम दुनिया की सबसे ज्यादा उम्र वाली तीन बहनों के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हो सकते हैं। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रहने वाली तीन बहनें जुलिना डी डेउस नुनेस (103), जोराइडे डी डेउस मोटा (104) और लेविटा डी डेउस नुनेस (109) उम्र के इस पड़ाव पर भी बेहद स्वस्थ जिंदगी जी रही हैं।

इस प्रोजेक्ट का नाम है डीएनए लॉन्गेवो प्रोजेक्ट। इसकी अगुवाई ब्राजील की साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की वैज्ञानिक मयाना जैट्ज कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट का मकसद है एजिंग के पीछे का जैविक फैक्टर का पता लगाना।

इस स्टडी का मकसद 500 ऐसे लोगों तक पहुंचना है, जिनकी उम्र 100 साल या उससे ज्यादा है, ताकि हम लंबी उम्र के बारे में ज्यादा पक्के नतीजे निकाल सकें। रिसर्चर जोआओ पाउलो गुइलहर्मे इन तीन बहनों से वैज्ञानिक इस बात को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे कि कुछ लोग ज्यादा उम्र में भी क्यों शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बने रहते हैं। रिसर्चर यह भी समझ पाएंगे कि कैसे बढ़ती उम्र में मानसिक गिरावट और क्रॉनिक बीमारियां बढ़ती जाती हैं। ऐसे लक्षणों के बारे में पता लगा पाएंगे, जो उम्र को बढ़ाने के पीछे जिम्मेदार हैं।

मयाना जैट्ज के मुताबिक, डीएनए टेस्टिंग की बदौलत हम प्रोटेक्टिव जीन को समझेंगे। हम जानते हैं कि उनमें से कई हैं। वह ह्यूमन जीनोम रिसर्च सेंटर को भी कोऑर्डिनेट कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग ऐसे हैं, जो 100 साल से ज्यादा की उम्र जी चुके हैं। खासतौर पर ऐसे परिवार जिनमें कई लोग शतक लगा चुके हैं। इससे हमें सटीक शोध करने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि कई आनुवंशिक फैक्टर हैं, जो लंबी उम्र के लिए बड़ी भूमिका निभाता है। यह पर्यावरणीय प्रभाव से ज्यादा प्रभावी होता है। रियो डी जनेरियो में रहने वाली तीन बहनें जुलिना डी डेउस नुनेस (103), जोराइडे डी डेउस मोटा (104) और लेविटा डी डेउस नुनेस (109) की पहचान 'लॉन्गेवीवेक्स्ट' के जरिए की गई। यह एक ग्लोबल संस्था है जो लंबी उम्र के रिकॉर्ड की पुष्टि करती है और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के साथ मिलकर काम करती है।

विदेशी छात्रों की संख्या में 60 फीसदी की कमी

भारतीयों ने मुंह मोड़ा, पीएम कार्नी ने माना सच

ओटावा, 26 जून (एजेंसियां)। कनाडा आने वाले इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की संख्या में इस साल 60 प्रतिशत की भारी कमी आई है। कनाडा जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भी तेज गिरावट देखी गई है। इस गिरावट के बारे में बताते हुए कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने कहा है कि उनकी सरकार 'इमिग्रेशन पर कंट्रोल' हासिल करते हुए एक ज्यादा टिकाऊ और भरोसेमंद इमिग्रेशन सिस्टम बना रही है। इससे आने वाले समय में ज्यादा बेहतर व्यवस्था बनेगी।

कार्नी ने कहा, 'हमने इमिग्रेशन पर फिर से कंट्रोल हासिल कर लिया है। शरण मांगने के दावों में एक-तिहाई की कमी आई है। अस्थायी विदेशी कामगारों के आने की संख्या तकरीबन आधी हो गई है। वहीं इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के आने की संख्या में 60% की गिरावट आई है। अब हम कनाडाई मूल्यों के अनुरूप सावधानीपूर्वक एक टिकाऊ इमिग्रेशन सिस्टम बना सकते हैं।'

कनाडा आने वाले इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की संख्या में 60% की गिरावट है। कनाडा आने वाले इंटरनेशनल स्टूडेंट्स में भारतीय स्टूडेंट्स का हिस्सा 2023 में 51.6% से घटकर सितंबर 2025 तक 8.1% रह गया है।

साल 2023 में सभी विदेशी स्टूडेंट्स में भारतीयों की हिस्सेदारी 51.6% थी। अब कनाडा में इंटरनेशनल स्टूडेंट्स में उनकी हिस्सेदारी सिर्फ 8.1 फीसदी रह गई है। इस गिरावट की अहम वजह कनाडाई सरकार की ओर से उठाए गए कदम हैं। इन नीतियों में स्टडी परमिट पर सख्ती, ज्यादा वित्तीय जरूरतें और पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट के कड़े नियम शामिल हैं।

61 लाख की ठगी, केरलम से 3 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, 26 जून (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा पुलिस ने 61.06 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में केरल से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए बैंक खाते किराए पर उपलब्ध कराते थे। इनमें से एक आरोपी के नाम पर 7 से 8 बैंक खाते संचालित मिले, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम ट्रांसफर करने और निकालने के लिए किया जाता था। मामला गीदम थाना क्षेत्र का है। गीदम के रहने वाले भूपेंद्र तेलामी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि ऑनलाइन टास्क और निवेश के नाम पर उससे अलग-अलग बैंक खातों में करीब 61.06 लाख रुपए जमा कराए गए।

भारतीय सीमा पर सड़ रही 13 लाख किलो नेपाली चाय

एक्शन में आई बालेन सरकार, भारत से करेगी बात

काठमांडू, 26 जून (एजेंसियां)। भारत से विवाद के बीच नेपाल सरकार ने अपनी चाय फैक्ट्रियों को दोबारा खोलने का फैसला किया है। भारत के साथ शुरू हुए विवाद की वजह से नेपाल का पूरा चाय उद्योग ठप पड़ गया है। हालांकि नेपाल सरकार से मिले कड़े आश्वासन के बाद अब वहां की चाय फैक्ट्रियां दोबारा खुल रहीं हैं लेकिन भारत के सख्त नियमों के कारण दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बना हुआ है। दरअसल भारत की फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (एफएसएसएआई) ने 23 जून को एक निर्देश जारी किया था। इसमें एचएसएन कोड 0902 के तहत आने वाली इंपोर्टेड चाय के लिए रिस्क-बेस्ड इंस्पेक्शन सिस्टम शुरू किया गया। नए नियम के तहत घरेलू खपत के लिए आने वाली चाय की 20 प्रतिशत खेप को तत्काल प्रभाव से लैब टेस्टिंग के लिए रैंडम तरीके से चुना जाएगा।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक नेपाली चाय एक्सपोर्टर्स पहले से ही भारतीय सीमा पर लंबी देरी का सामना कर रहे हैं जहां लैब टेस्टिंग के लिए शिपमेंट रोके गए हैं। इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी भारत के गोदामों में करीब 3,00,000 किलोग्राम प्रोसेस्ड चाय फंसी हुई है जबकि 10 लाख किलोग्राम से ज्यादा चाय नेपाल में जमा है। इन रुकावटों की वजह से इलाम में चाय प्रोसेसर्स ने 15 जून से अपनी फैक्ट्रियां बंद कर दी और उसके बाद झापा में प्रोड्यूसर्स ने 18 जून को फैक्ट्रियां बंद करने का फैसला किया। भारत के फैसले से बंदी से पूर्वी नेपाल में करीब 99 चाय फैक्ट्रियां प्रभावित हुईं और 50 से ज्यादा छोटे-बड़े चाय बागानों में कामकाज रुक गया जिससे हार्वेस्टिंग में बाधा आई और हजारों मजदूर बेरोजगार हो गये।

ट्रक-पिकअप में टक्कर 8 लोगों की मौत

रामगढ़, 26 जून (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। घटनास्थल पर सात लोगों की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पति ने की पत्नी की हत्या

घरेलू विवाद के बाद गला दबाकर मारा, आरोपी हिरासत में, आरोपी नशे का था आदी

गोड्डा, 26 जून (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के राजाभीठा थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। यह घटना बीती रात हुई, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान होपनमय चौड़े 32 वर्ष के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति का नाम मनु हांसदा है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी मनु हांसदा नशे का आदी था और अक्सर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। बीती रात भी वह नशे की हालत में घर आया और पत्नी से झगड़ा करने लगा। इसी दौरान उसने धोती से अपनी पत्नी का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। झगड़े की आवाज सुनकर पड़ोसी घर के बाहर जमा हो गए। जब उन्होंने अंदर देखा तो पाया कि मनु हांसदा ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना राजाभीठा पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही गोड्डा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज राजाभीठा थाना प्रभारी योगेश यादव अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और शव को कब्जे में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई धोती भी बरामद कर ली है। आरोपी मनु हांसदा को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

मृतका अपने पीछे 2 बच्चे को छोड़ गई है। पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। थाना प्रभारी योगेश यादव ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था।

रायगढ़ में बारिश, बलरामपुर में बिजली गिरने से 2 मौतें

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों में मानसून की एक्टिविटी और तेज होने के आसार हैं। फिलहाल मानसून प्रदेश के करीब 80% हिस्से को कवर कर चुका है, जबकि मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 से 4 दिनों में इसके बाकी क्षेत्रों में एंट्री हो सकती है। इस बीच रायगढ़ में शुक्रवार दोपहर को मौसम बदला और तेज बारिश हुई।

इधर, बलरामपुर जिले के चांदो थाना क्षेत्र के कंदरी गांव में बुधवार शाम बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी दोनों बिजली के चपेट में आ गए। मौसम विभाग ने अगले 7 दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई है। लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े नहीं होने की अपील की गई है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। वहीं, अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस बिलासपुर में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में दर्ज हुआ। मानसून ने अब तक 18 से अधिक जिलों में स्ट्राइक किया है। इनमें मुख्य रूप से रायपुर, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार, बेमेतरा, कवीरधाम, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सुकमा, बीजापुर शामिल हैं।

मिसाइल हमले से बचाने के लिए बम प्रूफ शेल्टर, सुरंग

ईरान में खामेनेई के सीक्रेट बंकर पर बड़ा खुलासा

तेहरान, 26 जून (एजेंसियां)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के तेहरान स्थित आवास के पास एक बड़ा अंडरग्राउंड स्ट्रक्चर बनाया गया था। सेंट्रल तेहरान में बने इस अंडरग्राउंड बंकर कॉम्प्लेक्स में एक ब्लास्ट-रेसिस्टेंट कमरा (जो बम धमाकों से बचा सके) और भागने के लिए कई सुरंगें शामिल थीं। अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को किए गए हवाई हमले में अली खामेनेई तेहरान स्थित अपने घर में मारे गए थे। उस समय उनके किसी सुरंग में नहीं होने की बात सामने आई थी।

इजरायली वेबसाइट यरुशलम पोस्ट ने ईरान इंटरनेशनल के हवाले से बताया है कि अली खामेनेई की सुरक्षा के लिए किस तरह के आर्किटेक्चरल प्लान पर काम किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, हबीब इब्राहिमी नाम का

ये कॉम्प्लेक्स कथित तौर पर अली खामेनेई के सरकारी आवास के बिल्कुल करीब बनाया गया था।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अली खामेनेई की मंजूरी से साल 2009 में इस साइट को बनवाया गया था। खातम अल-अंबिया कंस्ट्रक्शन हेडक्वार्टर ने इसके लिए फंड जुटाया था। इस स्ट्रक्चर के एंट्री गेट से कारें जा सकती थीं और जमीन के नीचे 30 मीटर की गहराई तक जाती थीं। दावा किया गया है कि इस कंपाउंड में 27 मीटर लंबी एक सुरंग थी, जो किसी आपात स्थिति में यहां से भागकर दूर जाने के मकसद से बनाई गई थी। ये सुरंग कई अलग-अलग रास्तों से जुड़ी थी। इसमें एक दूसरी सुरंग भी थी, जो सेंट्रल तेहरान में ऐंगेलाब स्क्वायर के पास एक पार्किंग गैराज तक जाती थी।

ईरान से लड़ाई छिड़ने के बाद मार्च में इजरायल की फोर्स ने अपनी खुफिया यूनिट 8200 और 9900 की जानकारी के आधार पर इस अंडरग्राउंड बंकर को निशाना बनाया था ताकि इसकी लोकेशन का पता लगाया जा सके। इजरायल ने 50 एयरक्राफ्ट से बमबारी करते हुए तेहरान के इस अंडरग्राउंड ठिकाने पर बमबारी की थी।

देवभूमि का वो सिद्धपीठ जहां पूरी होती है हर मन्नत

देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा पर स्थित मां कुटेटी देवी मंदिर ना केवल स्थानीय लोगों की अगाध श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति भी कराता है। मान्यता है कि मां कुटेटी देवी से मांगी गई मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। उत्तरकाशी की सुरम्य वादियों और प्राकृतिक सौंदर्य के मध्य स्थित मां कुटेटी देवी मंदिर श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन केंद्र है। मां आदिशक्ति को समर्पित यह सिद्धपीठ अपने दिव्य वातावरण और धार्मिक महत्व के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष स्थान रखता है। आइए जानते हैं देवभूमि के सिद्धपीठ के इस खास मंदिर के बारे में...

श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति

मां कुटेटी देवी मंदिर ना केवल एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, बल्कि एक ऐसा सिद्धपीठ भी है, जहां का शांत वातावरण और दिव्य ऊर्जा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां कुटेटी देवी का इतिहास आदि गुरु शंकराचार्य के काल तथा राजस्थान के कोटा राजघराने की अनन्य भक्ति से जुड़ा हुआ है। मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार, नवविवाहित दंपति यहां संतान प्राप्ति की कामना लेकर आते हैं।

मंदिर से जुड़ी मान्यता

माता के यहां विराजमान होने से संबंधित एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि माता अपने एक भक्त की प्रार्थना पर राजस्थान से उत्तरकाशी पहुंचीं और इंद्रावती नदी के समीप स्थित पहाड़ी पर विराजमान हुईं। किंवदंती के अनुसार, राजस्थान के कोटा के एक महाराजा गंगोत्री यात्रा पर आए थे। यात्रा के दौरान उनका धन से भरा बैग खो गया। उन्होंने उत्तरकाशी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रार्थना की कि अगर उनका बैग मिल गया तो वे अपनी पुत्री का विवाह स्थानीय युवक से करेंगे। कुछ समय बाद उनका बैग मिल गया और उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्री का विवाह एक स्थानीय युवक से कर दिया।

श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र

हालांकि, राजकुमारी इस बात से दुखी थीं कि उनकी कुलदेवी मां कुटेटी उनसे दूर रह गई हैं। मान्यता है कि माता ने स्वप्न में राजकुमारी को दर्शन देकर कहा कि वह उनके खेत में मिलेंगी। अगले दिन राजकुमारी को इंद्रावती नदी के समीप स्थित खेत में देवी के बताए अनुसार तीन पत्थर मिले। इसके बाद ग्रामीणों ने उसी स्थान पर मां कुटेटी देवी मंदिर का निर्माण कराया, जो आज श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

समाज में वही लोग ज्यादा पसंद किए जाते हैं, जो विनम्र हैं और मधुर बोलने वाले हैं

व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने में सत्यप्रियता, शालीनता और मधुर वाणी का बहुत महत्व होता है। जो व्यक्ति सच और सही समय पर बोलता है, अपनी बात संतुलित, मर्यादित ढंग से कहता है, वह सबका सम्मान प्राप्त करता है। उसकी भाषा में सरलता, स्वाभाविकता और निष्कपटता होती है। ऐसे व्यक्ति के शब्द दूसरों को प्रभावित करते हैं और उनके मन में विश्वास पैदा करते हैं। अच्छा व्यवहार और विनम्र बोलचाल व्यक्ति की पहचान बन जाते हैं। यही गुण व्यक्तित्व को महान, प्रभावशाली और आकर्षक बनाते हैं। **स्वामी अवधेशानंद जी गिरि**

कथा : मूर्ति बनानी थी, लेकिन मूर्तिकार से नहीं टूटा पत्थर

एक-दो असफलताओं से यह तय नहीं होता कि काम असंभव है किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए लगातार प्रयास करना चाहिए

एक लोक कथा है, पुराने समय में एक गांव के मंदिर में एक विशाल पत्थर रखा हुआ था। वह पत्थर साधारण नहीं था। पंडित जी ने सोचा कि अगर इसे तराशकर सुंदर मूर्ति बनाई जाए तो मंदिर की शोभा और बढ़ जाएगी। उन्होंने यह विचार एक मूर्तिकार के सामने रखा और कहा कि इस पत्थर से भगवान शिव की मूर्ति बना दीजिए।

मूर्तिकार ने पत्थर को ध्यान से देखा और काम शुरू कर दिया। वह दिनभर हथौड़ी और छेनी से उस पत्थर पर वार करता रहा, लेकिन पत्थर लगभग वैसा ही दिखाई देता रहा। दिन के अंत तक मूर्तिकार का उत्साह कम होने लगा। उसे लगने लगा कि यह पत्थर बहुत कठोर है और इससे मूर्ति बनाना संभव नहीं है। अंततः उसने हार मान ली और काम छोड़कर चला गया।

पंडित जी निराश नहीं हुए। अगले दिन उन्होंने दूसरा मूर्तिकार बुलाया। नया मूर्तिकार जब आया, तो उसने भी पत्थर को देखा, औजार उठाए और पहला वार किया। आश्चर्यजनक रूप से, उस एक वार के बाद पत्थर में हल्की सी दरार आ गई। उसने लगातार काम जारी रखा। कुछ ही समय में वह कठोर पत्थर टूटने लगा और अंततः उससे भगवान शिव की एक अत्यंत सुंदर मूर्ति तैयार हो गई।

यह देखकर पंडित जी सोच में पड़ गए। उन्हें समझ आया कि पहले मूर्तिकार के लगातार किए गए प्रयासों से पत्थर पहले ही अंदर से कमजोर हो चुका था, लेकिन उसने बीच में हार मान ली। अगर वह थोड़ा और धैर्य रखता और एक अंतिम प्रयास करता, तो सफलता उसी को मिल जाती और वही यह मूर्ति बना सकता था।

इस कथा का सार यह है कि जीवन में कई बार हम सफलता के बहुत करीब पहुंचकर रुक जाते हैं। हम थककर, निराश होकर या परिणाम न देखकर प्रयास छोड़ देते हैं, जबकि असल में सफलता बस एक और प्रयास की दूरी पर होती है। जीवन में बड़े लक्ष्य भी ऐसे ही होते हैं- निरंतर प्रयास से ही उन्हें पूरा किया जा सकता है।

कथा की सीख

निरंतरता ही सफलता की कुंजी है

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए लगातार प्रयास करना सबसे महत्वपूर्ण है। एक या दो असफलताओं से यह तय नहीं होता कि काम असंभव है। अक्सर सफलता उसी मोड़ पर होती है, जहां लोग हार मान लेते हैं।

असफलता को अंत नहीं, प्रक्रिया समझें

हर असफल प्रयास हमें कुछ न कुछ सिखाता है। पहला मूर्तिकार असफल नहीं था, उसने पत्थर को कमजोर किया था, लेकिन वह इसे समझ नहीं पाया। जीवन में भी हर असफलता हमें आगे बढ़ाने के लिए तैयारी कराती है, इसलिए सफल होने तक प्रयास करते रहना चाहिए।

धैर्य विकसित करें

जल्द परिणाम न मिलने पर घबराना स्वाभाविक है, लेकिन धैर्य रखने वाले लोग ही बड़े लक्ष्य प्राप्त करते हैं। धैर्य हमें भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है और सही समय तक टिके रहने की क्षमता देता है।

सही रणनीति अपनाना भी जरूरी है

सिर्फ मेहनत ही नहीं, सही तरीका भी सफलता दिलाता है। दूसरा मूर्तिकार शायद अधिक समझदारी से काम कर रहा था, उसने हर वार को सही दिशा में लगाया। इसलिए अपने तरीके को समय-समय पर सुधारते रहें।

बीच में हार मानना सबसे बड़ी गलती है

अधिकांश लोग अंतिम सफलता से ठीक पहले रुक जाते हैं। यह सबसे बड़ी गलती होती है। इसलिए जब लगे कि अब और नहीं हो सकता, तब समझें कि आप सफलता के सबसे करीब हैं, एक और प्रयास करें।

छोटे-छोटे प्रयासों का महत्व समझें

छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिणाम बनाते हैं। पत्थर अचानक नहीं टूटा, बल्कि पहले मूर्तिकार के लगातार प्रहारों से कमजोर हो गया था, जिसका फायदा दूसरे मूर्तिकार को मिला।

आत्मविश्वास बनाए रखें

जब तक आप खुद पर विश्वास रखते हैं, तब तक कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। आत्मविश्वास हमें कठिन समय में भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है। जीवन प्रबंधन का मूल सिद्धांत यही है- लगातार प्रयास, सही दृष्टिकोण और धैर्य। यदि हम इन्हें अपनाएं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

आचार्य श्री भिक्षु के 301वें जन्म दिवस पर विशेष

आचार्य भिक्षु शान्तिधारी थे तो क्रान्तिकारी भी

मुनि चैतन्य कुमार अमन

आचार्य भिक्षु और तेरापंथ या यों कहे तेरापंथ और आचार्य मिक्षु एक ही सिक्के के दो पहलू है। आचार्य भिक्षु और तेरापंथ को अलग रूपों में देखना-कदापि संभव नहीं है। जहां तेरापंथ धर्मसंघ का नाम होगा वहां भिक्षु का नाम अवश्य आएगा और मिक्षु के साथ तेरापंथ अवश्य ही आएगा। तेरापंथ के उद्भवकर्ता आचार्य भिक्षु का जन्म हुआ कंटालिया मारवाड़ में, दीक्षा बगड़ी में स्थानकवासी आचार्य रघुनाथजी से, विचारों में सामंजस्य न होने से अभिनिष्क्रमण हुआ बगड़ी में पुनः भाव दीक्षा ग्रहण की केलवा में और उसके साथ धर्मसंघ का नामकरण हुआ-तेरापंथ।

आचार्य भिक्षु बने तेरापंथ प्रथम आचार्य। तेरापंथ की स्थापना के साथ मर्यादा का निर्माण हुआ। आज्ञा अनुशासन मर्यादा और व्यवस्था इन चार मजबूत स्तम्भ पर खड़ा है तेरापंथ का प्रासाद। मर्यादापत्र यानि तेरापंथ का संविधान जिसके आधार पर चल रह है तेरापंथ-शासन। तेरापंथ के महान संत भिक्षु द्वारा खिंची वे लकीरें जिसके आधार पर तेरापंथ धर्मसंघ की गति-प्रगति हो रही है। तेरापंथ का लक्ष्य है अनुशासन, संगठन और एकता। अनुशासित, संगठित तथा एकत्व की डोर में बंधकर ही साधना और शासना को समुचित किया जा सकता है।

आचार्य भिक्षु एक संत थे। संत वह होता है जो शांत होता है। आचार्य मिक्षु के जीवन को पढ़ने पर ज्ञात होता है कि उन्होंने उस समय के विरोधों को कितने शान्तभाव से सहन किया। वे शांतिधारी थे तो क्रान्तिकारी भी थे। गलत को गलत कहते पर शान्ति के साथ। उत्तेजना के क्षणों में स्वयं उत्तेजित न होकर इतने शांतभाव से उत्तर देते कि सामने वाला प्रत्युत्तर देने में असमर्थ हो जाता। साधनों के अभाव में भी उनकी साधना खंडित नहीं हुई। उनकी साधना अखंड चलती रही। उनकी सहनशीलता, धैर्यता, गंभीरता ने धर्मसंघ को गतिमान बनाया जो तेरापंथ आज जैन धर्म का पर्याय बना हुआ है। उनका सौभाग्य मानना चाहिए उन्हें उस समय वैसे ही संत मिले, सतियां मिली, श्रावक और श्राविकाएं मिली जो उनके प्रति विनम्र समर्पित और आज्ञा अनुशासन को सर्वोपरि महत्त्व दिया। उतरवर्ती आचार्य समर्पित और आज्ञा अनुशासन को सर्वोपरि महत्त्व दिया। उतरवर्ती आचार्य परम्परा में भारमलजी जैसे समर्पित जयाचार्य जैसे दूरदष्टा डालगणी जैसे कठोर अनुशास्ता, तुलसी-महाप्रज्ञ जैसी अनुपम जोड़ी जिन्होंने धर्मसंघ को आकाशी ऊंचाईयां और सागर सी गहराई प्रदान की। और वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमण को देखते है, उनकी दिनचर्या को देखते है तो आश्चर्य होता है कि किस प्रकार मैनेज कर रहे है। सैकड़ों साधु-साध्वियों के साथ हजारों-हजारों श्रावक-श्राविकाओं को आत्मतोष प्रदान करते है। मानना चाहिए कि आचार्य की स्वयं की महान पुण्यवानी के साथ बाबा भिक्षु का प्रताप है कि धर्मसंघ में शासना के साधना का क्रम चल रहा है।

आचार्य भिक्षु की दूरदर्शिता का परिणाम है आज एक नेतृत्व में न केवल तेरापंथ बल्कि जैन समाज और मानव समाज भी लाभन्वित हो रहा है। आचार्य भिक्षु ने हमेशा ही महावीर की वीतराग वाणी को महत्त्व दिया। उनकी साधना में महावीर के सिद्धान्त प्रमुख थे। उनके द्वारा लिखित साहित्य में आचार-मीमांसा, सिद्धान्त-मीमांसा, तत्त्व-मीमांसा, पठनीय और मननीय है। आचार्य भिक्षु द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त धर्मसंघ के साथ समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगभूत बन रहे है। उनका जन्मदिवस अथवा महाप्रयाण दोनों ही शुक्ल पक्ष त्रयोदशी बार मंगलवार को हुआ। अतः उस मंगलमय भिक्षु की आराधना कर जीवन को मंगलमय बनाने का प्रयास करें। यही काम्य है।

जो व्यक्ति सही समय पर सच्ची बात मर्यादित ढंग से कहता है, उसे हर जगह सम्मान मिलता है

व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने में सत्यप्रियता, शालीनता और मधुर वाणी का बहुत महत्व होता है। जो व्यक्ति सच और सही समय पर बोलता है, अपनी बात संतुलित, मर्यादित ढंग से कहता है, वह सबका सम्मान प्राप्त करता है। उसकी भाषा में सरलता, स्वाभाविकता और निष्कपटता होती है। ऐसे व्यक्ति के शब्द दूसरों को प्रभावित करते हैं और उनके मन में विश्वास पैदा करते हैं। अच्छा व्यवहार और विनम्र बोलचाल व्यक्ति की पहचान बन जाते हैं। यही गुण व्यक्तित्व को महान, प्रभावशाली और आकर्षक बनाते हैं।

महाभारत : अर्जुन नहीं ये पांडव भाई करता था द्रौपदी से अटूट प्यार

खड़ा रहा हमेशा ढाल बनकर

स्वयंवर के बाद ऐसी स्थितियां बनीं कि द्रौपदी को पांचों पांडव भाइयों की पत्नी बनना पड़ा। उसने बखूबी ये भूमिका निभाई भी। अगर पूछा जाए कि द्रौपदी ने सबसे ज्यादा प्यार किसे किया, तो बेहिचक जवाब होगा – अर्जुन। लेकिन क्या महान धनुर्धर ने भी ऐसा ही किया यानि इस तेजस्वी स्त्री से उतना ही प्यार तो शायद जवाब कुछ और होगा। पांडवों में एक भाई ऐसा था, जिसने जीवनभर द्रौपदी के लिए सबकुछ किया। वह कभी उसकी आंखों में ना तो आंसू बर्दाश्त कर पाता था और ना ही उसका दुख। जिंदगीभर उसके दुखसुख में साथ खड़ा रहा।

द्रौपदी ने शर्त रखी थी कि जिस घर में वह पांचों पांडव भाइयों के साथ रहती है, इसमें कोई पांडव दूसरी स्त्री को लेकर नहीं आएगा। इस शर्त को सबसे पहले जिसने तोड़ा, वो अर्जुन ही थे, जो जब सुभद्रा को शादी करके उसी महल में लाए तो द्रौपदी बहुत नाराज हुई थी। शादी दूसरे पांडव भाइयों ने किया लेकिन उनकी पत्नियां अलग महलों में रहती थीं।

हम आपको बताते हैं कि किस पांडव ने उससे ऐसी मोहब्बत की कि कभी उसकी आंखों में आंसू नहीं देख पाया। बाकि पांडवों ने तो केवल पति की ही भूमिका ज्यादा निबाही।

महाभारत में द्रौपदी और पांडवों के संबंधों के बारे में बहुत विस्तार से बताया गया है। जब द्रौपदी स्वयंवर के बाद पांचों पांडवों के साथ घर आई तो उसे लगा था कि वह केवल अर्जुन की पत्नी बनेगी लेकिन कुंती ने ऐसी बात कह दी कि उसे पांचों भाइयों की पत्नी बनना पड़ा। इससे वह शुरू में बहुत दुखी हुई लेकिन फिर इस भूमिका के साथ खुद को ढाल लिया।

पांचों पांडव द्रौपदी को प्रेम और सम्मान देते थे, लेकिन एक पांडव ऐसा भी था, जो वास्तव में उससे इतना सच्चा प्यार करता था कि उसके लिए सबकुछ करने को तैयार रहता था। ये ऐसा पांडव था, जिसने हमेशा द्रौपदी की हर इच्छा पूरी की। क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये पांडव कौन था। वैसे हम ये बता देते हैं कि द्रौपदी ने हमेशा पांचों भाइयों में सबसे ज्यादा अगर किसी को चाहा तो वो अर्जुन थे लेकिन अर्जुन से बदले में वैसा प्यार नहीं मिला।

द्रौपदी के लिए हमेशा तैयार

तो वो कौन सा पांडव था, जो वाकई उसके लिए आसमान से तारे तोड़ लाने के लिए तैयार रहता था। समय आने पर उसने एक बार नहीं बल्कि कई बार द्रौपदी के लिए ऐसे ऐसे काम किए, जो किसी पांडव ने नहीं किए।

तब भी यही पांडव भाई साथ था

ये भीम थे, जिन्हें द्रौपदी से सबसे अधिक प्रेम करने वाला माना जाता है। जब भी द्रौपदी अपमानित या दुखी होती थीं, भीम हमेशा उनकी मदद के लिए खड़े रहते थे। जुए के बाद द्रौपदी के चीरहरण की घटना के दौरान भीम ने दुर्योधन और दुःशासन को खुलेआम उनकी मृत्यु की शपथ ली, तब युधिष्ठिर ने तो उसे दाव पर ही लगा दिया था तो दूसरे भाई चुपचाप उसका ये अपमान देखते रह गए।

हर इच्छा पूरी की

वनवास के दौरान जब कीचक ने द्रौपदी का अपमान किया, तो भीम ने बिना किसी हिचकिचाहट के उसे मार डाला। भीम ने द्रौपदी की हर इच्छा पूरी करने का प्रयास किया। वनवास के दौरान द्रौपदी के लिए भीम ने कुबेर के जंगल से सौगंधिका फूल लाने का कठिन काम किया। इन दुर्लभ फूलों को पाने के लिए भीम ने कुबेर के वन (गंधमादन पर्वत) तक का कठिन रास्ता तय किया। इस यात्रा में उन्होंने यक्षों और राक्षसों का वध किया और फूल लाकर द्रौपदी की इच्छा पूरी की।

प्रतिज्ञा ली और पूरा किया

द्रौपदी के चीरहरण का बदला लेने के बाद भीम ने महाभारत के युद्ध में दुःशासन को मारकर उसके रक्त से अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। वनवास के दौरान वह लगातार द्रौपदी को ये आश्वासन देते थे कि सभी कौरवों को उनके कृत्यों के लिए दंडित जरूर करेंगे। ऐसा उन्होंने किया भी। युद्ध के दौरान, भीम ने दुर्योधन सहित कई कौरवों को मारा। द्रौपदी के अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने दुर्योधन की जंघा तोड़ी, जैसा उन्होंने चीरहरण के समय प्रतिज्ञा की थी।

भीम ने द्रौपदी को वनवास में बार-बार सांत्वना दी। उसकी इच्छाओं को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किया। उनका प्रेम और समर्पण निःस्वार्थ और गहरा था, जो उन्हें द्रौपदी के सबसे करीबी और विश्वासपात्र पांडव के रूप में पेश करता है। भीम का प्रेम न केवल उनके कार्यों में बल्कि उनके शब्दों और भावनाओं में भी प्रकट होता है। द्रौपदी खुद भीम के साथ खुद को सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करती थी।

भीम ने द्रौपदी को सबसे अधिक समर्पित और निःस्वार्थ प्रेम किया। उनके प्रेम में द्रौपदी की हर खुशी और दुख का ख्याल रखना था।उनके काम भी साबित करते हैं कि उन्होंने द्रौपदी के सम्मान और सुख के लिए अपनी पूरी शक्ति झोंक दी।

अर्जुन ने कई शादियां की और कई प्यार

जहां अर्जुन के साथ द्रौपदी के रिश्ते की सवाल है तो निश्चित तौर पर द्रौपदी पांचों पांडवों में सबसे ज्यादा प्यार और लगाव अर्जुन से रखती थी। हालांकि अर्जुन वैसा कभी नहीं किया, जो कुछ करने के लिए भीम हमेशा तत्पर रहते थे। इसके उलट अर्जुन ने कई बार दूसरी स्त्रियों से प्यार किया और शादियां भी कीं। पांडवों में सबसे ज्यादा पत्नियां उन्हीं की थीं। अर्जुन के इस स्वाभाव से द्रौपदी ने कई बार अपना गुस्सा उनके प्रति जाहिर किया।

वनवास के दौरान जब अर्जुन ने दूसरी शादियां कीं (जैसे सुभद्रा से), तो द्रौपदी थोड़ी असुरक्षित महसूस करती थीं। अर्जुन का प्रेम द्रौपदी के प्रति अधिक संवेदनशील और नियंत्रित था। उन्होंने द्रौपदी के प्रति आदर तो बनाए रखा, लेकिन उनके जीवन में अन्य प्राथमिकताएं (जैसे युद्ध और धर्म) भी महत्वपूर्ण थीं।

युधिष्ठिर दूरी रखते थे

युधिष्ठिर का द्रौपदी के प्रति प्रेम कर्तव्य और धर्म पर आधारित था। वह उससे सीमित प्यार करते थे बल्कि उनके प्यार पर इसलिए अक्सर सवाल उठा दिया जाता है क्योंकि ये वही थे, जिन्होंने उसे जुए में दाव पर लगा दिया था। युधिष्ठिर ने द्रौपदी को हमेशा सम्मान दिया, लेकिन उनका प्रेम अधिक औपचारिक और नियंत्रित था। वह द्रौपदी के प्रति एक भावनात्मक दूरी रखते थे। युधिष्ठिर ने द्रौपदी को भावनात्मक सहारा देने में भीम या अर्जुन की तरह सक्रिय भूमिका नहीं निभाई।

नकुल और सहदेव ने द्रौपदी को सम्मान और स्नेह दिया, लेकिन उनका प्रेम अधिक भाईचारे या मित्रता जैसा प्रतीत होता है। वे द्रौपदी की इच्छाओं का पालन करते थे। सहायता के लिए तैयार रहते थे। लेकिन उनका प्रेम वैसा कतई नहीं था, जैसा भीम का था। वहीं द्रौपदी का उनके प्रति प्रेम स्नेह मातृभाव जैसा ज्यादा लगता है।

तब द्रौपदी टूट गई थी

द्रौपदी तब भी युधिष्ठिर और अर्जुन की ओर से टूट गई थी जब विराट प्रदेश में अज्ञातवास में रहते हुए कीचक ने उस पर गलत निगाह डालकर उसको परेशान करना शुरू किया। तब जब उसने युधिष्ठिर से शिकायत की तो उन्होंने इसे बर्दाश्त करने की सलाह दी थी, अन्यथा लोगों को पता चल सकता था कि पांडव अज्ञातवास में कहां रह रहे हैं।

अर्जुन ने भी तब युधिष्ठिर की बातों से सहमति जताई थी। तब भीम ही ऐसे पांडव थे, जो द्रौपदी के काम आए। उन्होंने रात में धोखे से कीचक को एकांत जगह बुलाकर उसकी हत्या कर दी। द्रौपदी को भी मालूम था अगर वह कभी दुखी होगी या उसको कभी कोई जरूरत पडेग़ी तो केवल भीम ही काम आएंगे।

आप ये देखिए कि आखिरी समय में द्रौपदी की चिंता अगर किसी पांडव भाई ने की तो वो भी भीम ही थे। जब युधिष्ठर के साथ पांचों भाइयों ने प्रयाण करने का फैसला करके हिमाचल आरोहण के जरिए स्वर्ग पहुंचना चाहा तो पर्वत पर चढ़ाई के दौरान सबसे पहले द्रौपदी गिरीं और उनके प्राण पखेरू उड़ गए। अर्जुन इसे देखते रह गए। कुछ नहीं बोला।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 27 जून - 2026

भूकंप का सबसे बडा संदेश

वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्राकृतिक आपदाएं केवल कुछ क्षणों की तबाही नहीं लातीं, बल्कि किसी देश की तैयारियों, शहरी नियोजन और आपदा प्रबंधन व्यवस्था की वास्तविक परीक्षा भी लेती हैं। 7.2 और उसके बाद 7.5 तीव्रता के लगातार दो शक्तिशाली झटकों ने इस आपदा को पिछले कई दशकों की सबसे गंभीर घटनाओं में शामिल कर दिया है। बड़ी संख्या में इमारतों के क्षतिग्रस्त होने, मलबे में लोगों के दबे होने और संचार-परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने से राहत कार्य भी चुनौतीपूर्ण बन गए हैं। अंतिम क्षति का आकलन होने में अभी समय लगेगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि जान-माल का नुकसान व्यापक है। यह त्रासदी केवल वेनेजुएला की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। जिन क्षेत्रों में भूकंप का खतरा अधिक रहता है, वहां विकास की हर योजना में भूकंप-रोधी निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ऊंची और कमजोर इमारतें, अव्यवस्थित शहरीकरण तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी प्राकृतिक आपदा को मानवीय त्रासदी में बदल देती है। इसलिए भवन निर्माण नियमों का सख्ती से पालन, नियमित निरीक्षण और आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वेनेजुएला पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे समय में यह भूकंप उसके सामने पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवाओं, बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और आम नागरिकों के जीवन को पटरी पर लाने की बड़ी चुनौती लेकर आया है। राहत कार्यों को तेज करने के लिए प्रशासनिक क्षमता, संसाधनों की उपलब्धता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विशेष रूप से अमेरिका सहित वैश्विक समुदाय को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर मानवीय सहायता में सक्रिय योगदान देना चाहिए। संकट की घड़ी में मानवता ही सबसे बड़ा धर्म होती है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी अपनी परंपरा के अनुरूप राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने में पीछे नहीं रहना चाहिए। संयुक्त प्रयास न केवल प्रभावित लोगों का जीवन बचाएंगे, बल्कि पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को भी गति देंगे। किसी भी वैश्विक आपदा के समय सहयोग और संवेदनशीलता ही विश्व समुदाय की सबसे बड़ी शक्ति होती है। इस घटना से भारत सहित उन सभी देशों को भी सीख लेने की आवश्यकता है जो भूकंप संभावित क्षेत्रों में स्थित हैं। हमारे यहां भी कई शहर तेजी से ऊंची इमारतों की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में निर्माण की गुणवत्ता, आपदा प्रबंधन की तैयारी, समय-समय पर मॉक ड्रिल, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना अनिवार्य है। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में मध्यम और तीव्र भूकंप आते हैं। इसलिए तैयारी को विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य नीति बनाना होगा। वेनेजुएला की यह त्रासदी हमें याद दिलाती है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन वैज्ञानिक सोच, मजबूत बुनियादी ढांचे, प्रभावी प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से उनके विनाशकारी प्रभाव को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। यही इस आपदा का सबसे बड़ा संदेश है।

कैसे खुली केतन हत्याकांड की परतें

महेन्द्र तिवारी

केतन अग्रवाल हत्याकांड उन मामलों में शामिल हो गया है जिन्होंने यह दिखाया कि आधुनिक अपराध जांच में डिजिटल साक्ष्य कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शुरुआत में जो घटना एक दुखद दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, वह कुछ ही दिनों में ऐसे मामले में बदल गई जिसमें कथित साजिश, रिश्तों के उलझे हुए समीकरण, मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन विश्लेषण जैसे कई पहलू सामने आए। पुलिस का दावा है कि यदि परिवार ने शुरुआती स्तर पर संदेह व्यक्त नहीं किया होता और तकनीकी साक्ष्यों की गहराई से जांच न की जाती, तो संभव है कि यह मामला एक सामान्य दुर्घटना मानकर बंद कर दिया जाता।

महाराष्ट्र के पुणे क्षेत्र में रहने वाले 26 वर्षीय केतन अग्रवाल की मौत 18 जून को लोहागढ़ किले के पास हुई थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार माना गया कि वह ऊंचाई से गिर गए थे और इसी कारण उनकी मृत्यु हुई। उस समय उपलब्ध परिस्थितियां भी दुर्घटना की संभावना की ओर इशारा कर रही थीं। परिवार शोक में डूबा हुआ था और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं हुई। कुछ दिनों बाद घटनाक्रम ने ऐसा मोड़ लिया जिसने पूरे मामले की दिशा बदल दी।

पुलिस के अनुसार इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी केतन की बहन साबित हुईं। अंतिम संस्कार के लगभग 4 दिन बाद सिया गोयल परिवार से मिलने पहुंचीं। परिवार के सदस्यों से बातचीत के दौरान केतन की बहन ने घटना से जुड़े कई सवाल पूछे। बताया जाता है कि कुछ सवालों के जवाबों में विरोधाभास दिखाई दिया। बहन को लगा कि घटना के बारे में पूरी सच्चाई सामने नहीं आ रही है। यह संदेह धीरे धीरे गहराता गया और परिवार ने अपनी शंकाएं पुलिस के सामने रखीं। यही वह क्षण था जिसने जांच को नई दिशा दे दी। बाद में पुलिस ने भी माना कि परिवार की ओर से व्यक्त किया गया यह शक जांच की पहली महत्वपूर्ण कड़ी बना। जब पुलिस ने मामले को केवल दुर्घटना मानकर देखने के बजाय अन्य संभावनाओं पर भी विचार करना शुरू किया, तब तकनीकी और डिजिटल जांच का दायरा बढ़ाया गया। मोबाइल फोन रिकॉर्ड, कॉल डिटेल्स, इंटरनेट उपयोग, लोकेशन डेटा और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों की जांच शुरू हुई। इसी दौरान सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच संपर्कों का विश्लेषण किया गया। पुलिस के अनुसार पिछले लगभग 6 महीनों के दौरान दोनों के बीच 2004 बार फोन पर बातचीत हुई थी। यह संख्या अपने आप में जांच अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पर्याप्त थी। जब बातचीत की कुल अवधि का आकलन किया गया तो वह लगभग 238 घंटे निकली। कुछ रिपोर्टों में यह अवधि 258 घंटे भी बताई गई है, लेकिन जांच से जुड़े प्रमुख दावों में 238 घंटे का आंकड़ा प्रमुख रूप से सामने आया।

जांच एजेंसियों के लिए केवल कॉल्स की संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं थी, बल्कि उन कॉल्स की आवृत्ति, समय और परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण थीं। पुलिस का मानना है कि इतने बड़े स्तर पर लगातार संपर्क ने दोनों व्यक्तियों के संबंधों और संभावित योजनाओं को लेकर सवाल खड़े किए। इसी आधार पर जांच को और गहरा किया गया। कॉल रिकॉर्ड का विश्लेषण करते समय यह देखा गया कि किन दिनों में बातचीत अधिक हुई, किन समयों पर संपर्क हुआ और घटना से पहले संपर्क की प्रकृति कैसी थी। इन जानकारियों ने जांच को आगे बढ़ाने में सहायता की।

मामले में एक और महत्वपूर्ण बिंदु इंटरनेट गतिविधियों से जुड़ा था। पुलिस का दावा है कि घटना वाले दिन सुबह लगभग 7 बजे से शाम 5 बजकर 40 मिनट तक चेतन चौधरी का इंटरनेट बंद रहा। जांचकर्ताओं ने इस तथ्य को अत्यंत महत्वपूर्ण माना क्योंकि सामान्य परिस्थितियों में लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने की स्थिति संदेह उत्पन्न करती है। पुलिस ने यह समझने का प्रयास किया कि क्या यह महज संयोग था या किसी योजना का हिस्सा। इसी प्रश्न ने जांच को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। जांच के दौरान यह भी आरोप सामने आया कि चेतन चौधरी ने अपना मोबाइल फोन अपनी दुकान पर छोड़ दिया था और किसी कर्मचारी का फोन साथ लेकर गया था। पुलिस का दावा है कि ऐसा वास्तविक लोकेशन छिपाने और मोबाइल ट्रैकिंग से बचने के उद्देश्य से किया गया हो सकता है।

श्रद्धालुओं का विश्वास कैसे कायम रखें

सौरभ वार्ष्णेय

अयोध्या में स्थित श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि देश विदेश में बैठे हर श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। ऐसे में मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और अनियमितताओं से जुड़े मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में बड़े खुलासों के संकेत सामने आना अत्यंत गंभीर विषय है। यह मामला केवल धन के दुरुपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि उस भरोसे से भी जुड़ा है जो श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के साथ मंदिर प्रबंधन पर व्यक्त करते हैं। हालांकि इस रिपोर्ट में क्या है यह बाहर नहीं आया है लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस रिपोर्ट में बहुत कुछ बड़ा है जिस पर चिंतन मनन चल रहा है।

यह सभी जानते हैं कि यह श्रीराम मंदिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जुगो जुगो तक ५०० वर्षों के बाद वह विजय गाथा है जो भारतीय जनता पार्टी के लिए संजीवनी बूटी का काम करेगी? चढ़ावा चोरी मामले की जांच को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठाकर देखा जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि श्रद्धालुओं का विश्वास कैसे कायम रखा जाए। क्योंकि मंदिर की भव्यता पत्थरों से नहीं, बल्कि भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास से निर्मित होती है। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार एसआईटी को चढ़ावे के संग्रह, गिनती और जमा करने की प्रक्रिया में कुछ संदिग्ध पहलुओं के प्रमाण मिले हैं। यदि जांच में यह साबित होता है कि चढ़ावे की राशि में हेराफेरी हुई है, तो यह न केवल कानूनी अपराध होगा बल्कि धार्मिक भावनाओं के साथ विश्वासघात भी माना जाएगा। राम मंदिर निर्माण और संचालन से जुड़ी संस्थाओं पर देश-विदेश के करोड़ों लोगों की निगाह रहती है, इसलिए पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा भी स्वाभाविक रूप से अधिक है।यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच पूरी होना आवश्यक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप और दोषसिद्धि के बीच स्पष्ट अंतर होता है। इसलिए केवल आशंकाओं या राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर निर्णय देना उचित नहीं होगा। एसआईटी को निष्पक्ष, स्वतंत्र और तथ्यों पर आधारित जांच करनी चाहिए ताकि सत्य सामने आ सके।

इस घटना ने एक बार फिर देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में वित्तीय प्रबंधन और लेखा-परीक्षण की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और चर्चों सहित सभी धार्मिक संस्थानों में प्राप्त दान और चढ़ावे का नियमित ऑडिट, डिजिटल रिकॉर्डिंग और सार्वजनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं कम होंगी। राजनीतिक दलों को भी इस मामले को केवल राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने से बचना चाहिए। आस्था से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा कर सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और यदि आरोप निराधार सिद्ध हों तो संबंधित संस्थाओं की प्रतिष्ठा भी बहाल की जाए।

अयोध्या राम मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आस्था का प्रतीक है। इसलिए चढ़ावे की चोरी से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई न केवल कानून का प्रश्न है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा का भी दायित्व है। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट से सच सामने आएगा, और यही अपेक्षा की जानी चाहिए कि सत्य तथा पारदर्शिता की जीत हो।

वहीं एसआईटी ने मंगलवार को अपनी 20 पन्नों की शुरुआती जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी, जिसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण है। रिपोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दुबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। साथ ही, किसी वरिष्ठ अधिकारी को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है। एसआईटी ने पिछले पांच साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने और भविष्य में अनियमितताओं को रोकने के लिए सुझाव दिए हैं, जिसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेजी है जो अब ट्रस्ट के सदस्यों के भविष्य पर अंतिम निर्णय लेगा।

अब यह विषय समय के गर्त में है क्योंकि आगमी दिनों में मानसून सत्र भी आने वाला है अगर ऐसे में मंदिर संबंधी चोरी पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो यह मुद्दा उछलेगा ? वहीं प्रधानमंत्री मोदी जी पुराने लटके बिलों को पास करवाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। आम आदमी पार्टी , टीएमसी , शिवसेना व अन्य से बिखरे हुए बागी सांसद भी सत्ता के साथ कदम से कदम मिलाकर देखे जा रहे हैं। इसलिए मोदी सरकार जल्द से जल्द से एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दोषियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेगी ताकि मानूसन सत्र में यह मुद्दा हावी न हो? अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में देखा जा रहा है कि जनमानस को भी गहरा धक्का लगा है क्योंकि चढ़ावे में जिस तरीके से गिरावट दर्ज की गई है वह किसी से छिपी नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावा चोरी प्रकरण ने केवल आर्थिक अनियमितताओं के सवाल ही नहीं खड़े किए हैं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास और मंदिर प्रशासन की पारदर्शिता पर भी बहस तेज कर दी है। जिस तरह हाल के समय में मंदिर में आने वाले चढ़ावे की राशि में गिरावट दर्ज की गई है, वह किसी से छिपी नहीं है। यद्यपि चढ़ावे में कमी के पीछे मौसम, तीर्थयात्रियों की संख्या, आर्थिक परिस्थितियां और अन्य कई कारण हो सकते हैं, लेकिन चोरी और अनियमितता के आरोपों ने इस गिरावट को लेकर नई आशंकाओं को जन्म दिया है। किसी भी धार्मिक स्थल की सबसे बड़ी पूंजी श्रद्धालुओं का विश्वास होता है। श्रद्धालु यह मानकर दान करते हैं कि उनकी अर्पित राशि धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों में उपयोग होगी। यदि चढ़ावे की सुरक्षा, लेखा-जोखा या प्रबंधन पर सवाल उठते हैं तो स्वाभाविक रूप से लोगों का भरोसा प्रभावित होता है। यही कारण है कि अयोध्या जैसे राष्ट्रीय आस्था केंद्र में सामने आए आरोपों की निष्पक्ष और गहन जांच आवश्यक है। यदि जांच में किसी कर्मचारी, अधिकारी या संबंधित व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि आरोप निराधार सिद्ध होते हैं तो प्रशासन को तथ्यों के साथ जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आधी-अधूरी जानकारी और अफवाहें आस्था तथा संस्थाओं दोनों को नुकसान पहुंचाती हैं।

ओमेगा ब्लॉक : यूरोप को अग्निभट्टी बन रहा सबसे बड़ा कारण

अनिकेत सिंह

यूरोप एक ऐसा क्षेत्र है, जहां वसंत ऋतु के दौरान सामान्यतः 18-20 डिग्री तापमान रहता था। यहां अब औसत तापमान 35 डिग्री तक पहुंच गया है। यह वास्तव में आश्चर्यजनक और चिंताजनक घटना है। जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) और वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग) के कारण यूरोप में हीटवेव की तीव्रता और अवधि दोनों बढ़ गई हैं।

यूरोप के वे देश जो अपनी ठंडक के लिए तथा विशेष रूप से मई और जून महीनों में घूमने के लिए अच्छे पर्यटन स्थलों के रूप में जाने जाते हैं, वहां पिछले कुछ समय से गर्मी पड़ रही है। इस बार तो हाहाकार मच गया है। फ्रांस में हीटवेव की स्थिति अत्यंत भयावह है। यहां गर्मी के कारण पानी में नहाने जाने के दौरान कुल 40 लोगों की मृत्यु होने की भी रिपोर्टें हैं। आश्चर्य की बात यह है कि यहां सामान्यतः जुलाई के अंत में थोड़ी गर्मी पड़ती है, लेकिन इस बार मई तथा उसके बाद जून महीने में भी लोगों की हालत खराब हो गई है। जून महीने के अंत में रिकार्ड तोड़ गर्मी पड़ी है। जानकारों के अनुसार यूरोप में ऐसी गर्मी पड़ना वास्तव में चिंताजनक और भयावह है। यूरोप के विभिन्न देशों में अस्पताल भरने लगे हैं, आपातकालीन सेवाओं में लगातार फोन बज रहे हैं। लोगों को डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, आंखों में जलन तथा सांस लेने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि यूरोप के एक बड़े हिस्से अर्थात अनेक देशों में भीषण हीटवेव की स्थिति है। यहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। गर्मी के कारण कई लोगों की मृत्यु भी हुई है। फ्रांस से लेकर इटली और इंग्लैंड तक लोग गर्मी से परेशान हैं। अधिकांश देशों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किए गए हैं। परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हो गई हैं। फ्रांस में जिन 40 लोगों की मृत्यु हुई, उनमें दो बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी कार में बंद रह जाने के कारण मृत्यु हो गई।

वैश्विक मौसम एजेंसियों का मानना है कि यूरोप अब दुनिया की तुलना में औसतन दोगुनी गति से गर्म हो रहा है। यूरोप के इतिहास में पहली बार यहां मई महीने में और जून के अंत तक भयंकर लू का सामना करना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार यूरोप के ऊपर एक हाई प्रेशर सिस्टम सक्रिय हुआ है, जिसे ओमेगा ब्लॉक कहा जाता है। इसके कारण भयंकर गर्मी पड़ रही है। ओमेगा ब्लॉक के कारण हीट डोम बना है और उत्तरी अफ्रीका से आने वाली गर्म हवाएं पश्चिमी तथा मध्य यूरोप के ऊपर पहुंचकर रुक गई हैं। इसके कारण यूरोप भीषण गर्मी में तप रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस बार यूरोप में इतनी भीषण गर्मी पड़ने के पीछे अनेक कारण जिम्मेदार हैं। इनमें वैज्ञानिक तथा भौगोलिक कारणों का बड़ा योगदान है। फिर भी इस बार सबसे बड़ा कारक हीट डोम बना है। इस हीट डोम के लिए ओमेगा ब्लॉक जिम्मेदार सिद्ध हो रहा है। इस बार यूरोप में पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भीषण गर्मी पड़ी है तथा हीटवेव का स्तर भी अधिक है। हीटवेव के अत्यधिक प्रचंड होने के पीछे सबसे बड़ा कारण हीट डोम है। यह पर्यावरण से जुड़ी एक गंभीर घटना है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जब किसी क्षेत्र के वातावरण में उच्च-दाब प्रणाली मजबूत हो जाती है, तो वह धरती की गर्म हवा को ऊपर उठने नहीं देती। इसके कारण गर्म हवा एक ही स्थान पर अटक जाती है। उत्तरी अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान से आने वाली गर्म हवा इस बार यूरोप में रुक गई है। यूरोप में मौजूद हाई प्रेशर सिस्टम के कारण गर्म हवा वहीं ठहर गई और हीटवेव का हमला शुरू हो गया। यह उच्च-दाब प्रणाली गर्म हवा को और नीचे की ओर दबाती है, जिससे हवा और अधिक गर्म होकर फैलती है। इसके कारण आकाश बिलकुल साफ रहता है तथा तीव्र सूर्यप्रकाश सीधे धरती तक पहुंचता है, जिससे तापमान में अत्यधिक वृद्धि होती है।

सामान्य रूप से देखा जाए तो ओमेगा ब्लॉक और हीट डोम में अंतर है। वर्तमान में यूरोप में जो स्थिति बनी है वह ओमेगा ब्लॉक है और उसका परिणाम हीट डोम है। यूरोप में हीट डोम का निर्माण सामान्यतः मई महीने में होता है। इस बार मई और जून दोनों महीनों में भयानक तथा असहनीय गर्मी पड़ी है। ओमेगा एक वायुमंडलीय घटना (फेनोमेना) है, जबकि हीट डोम उसका परिणाम है। उल्लेखनीय है कि हीट डोम के कारण ब्रिटेन की स्थिति भी खराब हो गई है। वहां तापमान 39 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। जून महीने में यह अब तक का सबसे अधिक तापमान दर्ज हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में अब तक 1957 और 1976 में 35.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। अब इसमें लगभग चार डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। ब्रिटेन के मौसम विभाग के अनुसार हीट डोम के कारण गर्मी असहनीय रूप से बढ़ गई है और इसी वजह से देशव्यापी हीट हेल्थ अलर्ट जारी किया गया है। यह अत्यधिक गर्मी सामान्य और स्वस्थ लोगों के लिए भी अत्यंत कठिन साबित हो सकती है। वर्तमान में इंग्लैंड के सात क्षेत्रों में अगले तीन दिनों तक रेड अलर्ट जारी किया गया है। ब्रिटेन के कुछ क्षेत्रों में भीषण गर्मी है, जबकि लंदन में वर्षा जैसा मौसम बना हुआ है। इसके कारण एक ही देश में मौसम में अत्यधिक विरोधाभासी परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि दूसरी ओर फ्रांस भी इस गर्मी से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। कुछ क्षेत्रों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। त्वचा झुलसा देने वाली गर्मी के कारण देश के अनेक बड़े क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। गर्मी से बचने के लिए लोग नदियों और झीलों की ओर जा रहे हैं। इसके कारण डूबने से भी कुछ लोगों की मृत्यु हुई है।

हाल ही में मौसम विभाग ने चेतावनी दी थी कि 2003 में फ्रांस में पड़ी ऐतिहासिक गर्मी जैसी स्थिति फिर से बन सकती है। उस समय फ्रांस में 15 हजार लोगों की मृत्यु हुई थी।इसके अलावा स्पेन और इटली में भी पहली बार इतनी भीषण गर्मी पड़ी है। स्पेन में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। वहां जंगलों में आग लगने की चेतावनी भी जारी की गई है। दूसरी ओर इटली में भी तापमान और बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है। वैज्ञानिक और विशेषज्ञ स्पष्ट रूप से मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही यूरोप में यह स्थिति उत्पन्न हुई है। यूरोप एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ वसंत ऋतु के दौरान सामान्यतः 18-20 डिग्री तापमान रहता था।

पासपोर्ट भी नहीं तो फिर क्या? नागरिकता के उलझे तारों में फंसा आम आदमी

अजय कुमार

भारत में नागरिकता को लेकर चल रही हालिया बहस ने एक ऐसी गहरी कानूनी और सामाजिक पहेली को जन्म दिया है, जिसे सुलझाना अब आम नागरिक के लिए अनिवार्य हो गया है। हाल ही में विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा दिवस पर जो स्पष्टीकरण दिया, उसने देश भर के मध्यम वर्ग में खलबली मचा दी है। मंत्रालय ने दो टूक शब्दों में कहा कि पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं। सुनने में यह तकनीकी लगता है, लेकिन इसकी गहराई में उतरने पर पता चलता है कि हमारी पहचान को लेकर जो सुरक्षा का बोध था, वह कितना कच्चा है। आज के दौर में जब हर गली-नुक्कड़ पर घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेजों से नागरिकता हासिल करने की खबरें सुर्खियां बन रही हैं, तब यह सवाल पूछना लाजमी है कि आखिर भारत की नागरिकता का असली आधार क्या है? क्या हम उस सुरक्षा चक्रव्यूह में फंसे हैं, जहाँ कागजों की बाजीगरी किसी को भी भारतीय बना सकती है और किसी को भी बेघर? इस पूरी प्रक्रिया के पीछे का 'नेक्सस' (गठजोड़) बेहद व्यवस्थित और खतरनाक है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के मामले में जो पैटर्न सामने आया है, वह बताता है कि कैसे स्थानीय मदद से पहले आधार कार्ड बनवाया जाता है, फिर उसके आधार पर वोटर आईडी और अंत में पासपोर्ट। हाल के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि केवल 2025 में ही भारत ने करीब 1.39 करोड़ पासपोर्ट जारी किए। इतनी बड़ी संख्या में पासपोर्ट जारी करने वाली मशीनरी के भीतर जब फर्जीवाड़े की गुंजाइश बचती है, तो वह राष्ट्रीय सुरक्षा को सीधे चुनौती देती है। घुसपैठिये अक्सर स्थानीय बिचौलियों की मदद से उन इलाकों में अपनी जड़ें जमाते हैं जहाँ दस्तावेज बनवाना आसान होता है। एक बार आधार बन गया, तो वह नाम और पते की पहचान बन जाता है। इसी पहचान के दम पर वे वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराते हैं और फिर 'भारत के नागरिक' के रूप में पासपोर्ट के लिए आवेदन कर देते हैं। इस पूरे खेल में पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी कभी-कभी सतही साबित होती है, जिसका फायदा उठाकर ये लोग भारतीय होने का कानूनी मुखौटा पहन लेते हैं।

कानूनी रूप से यह स्थिति और भी पेचीदा है। 1955 का नागरिकता कानून स्पष्ट करता है कि नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण या प्राकृतिक तरीके से मिलती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि देश की 99.99 फीसदी आबादी के पास कोई ऐसा 'सिंगल कार्ड' नहीं है जिसे वे 'नागरिकता का प्रमाण पत्र' कह सकें। आधार कार्ड नागरिकता नहीं देता, यह केवल निवास का प्रमाण है, जिसे सुप्रीम कोर्ट से लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट तक ने कई बार दोहराया है। वोटर आईडी भी केवल चुनावी सूची का हिस्सा होने का प्रमाण है। जब विदेश मंत्रालय यह कहता है कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो वह केवल कानून का पाठ पढ़ा रहा होता है, लेकिन एक आम नागरिक के लिए यह बयान उसकी पूरी अस्मिता पर प्रहार जैसा महसूस होता है। इस बहस की कड़ियों को अगर 2019 के सीएए-एनआरसी के दौर से जोड़कर देखें, तो डर स्वाभाविक है। उस समय सरकार ने कहा था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है, लेकिन कोई तय लिस्ट जारी नहीं की गई थी। अब अगर भविष्य में देशव्यापी एनआरसी लागू होता है, तो वह 'पासपोर्ट धारी' नागरिक भी सकते में है जिसे लगता था कि उसके पास सरकार का ही दिया दस्तावेज है। सच तो यह है कि पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत भी केंद्र सरकार कुछ मामलों में गैर-नागरिकों को भी यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है। यानी, आपके हाथ में मौजूद पासपोर्ट आपकी भारतीयता का दावा तो करता है, लेकिन किसी कानूनी विवाद या एनआरसी जैसी प्रक्रिया के दौरान वह आपको 'अंतिम नागरिक' घोषित करने की गारंटी नहीं देता।

यही वह जगह है जहाँ आम आदमी के लिए सबसे बड़ा संकट खड़ा होता है। जब तक आप पर कोई कानूनी आंच नहीं आती, तब तक पासपोर्ट, आधार और वोटर आईडी के साथ आप पूरे भारत में स्वतंत्र घूम सकते हैं। लेकिन, अगर कभी 'कागज दिखाने' की नौबत आई जैसा कि असम में हुआ तो वहां के 19 लाख से अधिक लोगों के आवेदन खारिज हो गए थे। असम एनआरसी की प्रक्रिया ने दिखाया कि कैसे दशकों से रह रहे लोग भी सरकारी फाइलों में 'विदेशी' हो सकते हैं यदि उनके पास 1971 से पहले की लीगेसी (विरासत) के ठोस दस्तावेज न हों। भारत के बाकी हिस्सों में स्थिति थोड़ी अलग है, लेकिन कानूनी ढांचा वही है। यदि पासपोर्ट को ही अंतिम प्रमाण नहीं माना जा रहा, तो वह साधारण गरीब व्यक्ति क्या करेगा जिसके पास स्कूल का सर्टिफिकेट नहीं है, जिसके पास पैतृक जमीन के पुराने रिकॉर्ड नहीं हैं, और जो केवल एक सामान्य पासपोर्ट या आधार के सहारे अपना जीवन बिता रहा है?

यह विवाद केवल कागजों का नहीं है, यह उस भरोसे का है जो एक नागरिक का अपनी सरकार के साथ होता है। विपक्षी दल इसे राजनीति से जोड़ रहे हैं, जबकि सरकार इसे कानूनी प्रक्रिया बता रही है। लेकिन इस बहस के बीच में जो 'सच्चाई' दबी हुई है, वह यह है कि भारत में नागरिकता 'अधिकार' से ज्यादा 'सिद्ध करने की जिम्मेदारी' बन गई है।

रेखाओं बनाम लकीरों का दर्शन

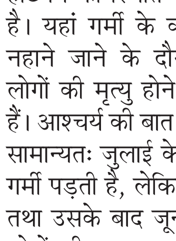
डॉ टी महादेव राव

लकीरों की एक तकनीक है। लकीरों के बड़े और छोटे होने की पीछे भी काफी बड़ा तर्क है, प्रमाण है। आप अपनी लकीर दो तरीकों से बड़ा साबित कर सकते हैं। पहली विधि है - खूब मेहनत कर, बड़े-बड़े काम कर, नए-नए परिणाम हासिल कर लोगों में अपनी साख अपनी प्रतिभा सिद्ध करते रहें तो लकीर बड़ी होगी। लेकिन हां! यह बेहद मेहनत-मशक्कत का काम है। बिना कुछ ऊल जलूल किए सदा परिश्रम से नाता रखते हुए, हमें दिन-रात सुपरिणामों के लिए जूझना और मेहनत करना होता है। इस तरह लकीर की लंबाई बढ़ाने वाले अब इतिहास में दफन हो गए, उदाहरण बनकर हमारे मस्तिष्क में समा गए हैं। है तो यह सही तरीका लकीर बढ़ाने का, पर आजकल के जनमानस के बीच लोकप्रिय नहीं है। दूसरा तरीका है जिस किसी से भी आपको अपनी लकीर बड़ी साबित करनी है उस की लकीर मिटाते रहें, उसके गुणों को अवगुण सिद्ध करते रहें, साबित करते रहें। लगातार कोई झूठी बात बोली जाए तो कुछ लोग उस पर सच की तरह विश्वास करने लगते हैं। इस तरह किसी किसी की लकीर मिटाते हुए अपनी छोटी लकीर को बड़ा बताना आजकल का अपनाया हुआ आसान तरीका है। हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा ही चोखा।

मेहनत नहीं करनी पड़ी, बस अपने बक्तव्य को आधार बनाकर हासिल किया जा रहा है। आपको बातें करनी है भले ही उसमें सच्चाई कुछ भी न हो। हां इतिहास को तोड़ मरोड़ कर पेश करना होता है।

उनकी अपनी लकीर के अलावा वे दो विभिन्न वर्गों के बीच भी लकीर खींच कर, उन्हें अलग कर सकते हैं। अपने इस विघटनकारी लकीर से ही उन्हें प्रसिद्धि मिली है, शोहरत मिली है-ऐसा उनका वहम है, गलतफहमी है। भाई भाई में, गुटबाजों में भी घुस कर अपनी शैली से लकीर खींच कर अपनी 'लकीर' बढ़ाने का अथक प्रयास करते रहते हैं। वे बोले – "लकीरों से बांटने की घटनाओं से तो हमारा इतिहास भरा पड़ा है। सन सैंतालीस में आजादी मिली ही इस शर्त पर कि भारत के दो टुकड़ों के बीच लकीर खींच कर इन्हें अलग किया जाए। भाई भाई में अलगाव तो उसी वक़्त से अमल में आया है। उसके बाद हमने राज्यों की सीमाओं को लकीरों से अलग कर लिया है। इसी तरह राजनीतिक दलों के बीच दीवारों सी लकीरें खिंची हुई हैं।

यह अलग बात है कि मेंढकों के कूद फांद की तरह इधर से उधर लोग फुदकते रहते हैं। खेत-खलिहान, घर-बार, दफ्तर, सरकारी भवन सारे लकीरों से ही अलग अस्तित्व रखते हैं। लकीरों की बात यही नहीं थम जाती है। जिसको जो भी मिलना होता है उसे उसके माथे पर लकीर खींच कर भगवान भेजते हैं। जो कुछ नहीं कर पाते बस पानी पर लकीर खींचते रहते हैं। जो कुछ भी हमने कहा - इस बात को पत्थर की लकीर मान लो।" इस लकीर के फकीर के एक और खासियत है। वे अपनी लकीर की दिशाएँ मन चाहे तरीके से इच्छित दिशा में बदल सकते हैं। जब उनके करतूतों की चीर फाड़ होने लगती हैं तो ऐसा करते हैं। उनके करतूतों की जब आलोचना होने लगती है तो अपनी लकीर मंदिर की तरफ मोड लेते हैं।

जब वहाँ भी खतरा महसूस होता है तो लकीरों को अस्पतालों की ओर प्रयोगशालाओं की ओर ले जाते हैं। कभी बीमारियों पर, कभी कीमतों पर, कभी पैसों पर उसकी लकीर पर्यटक की तरह घूमती रहती है। एक बार इस बदलती लकीर पर पूछा गया तो वे बोले- "जब दिन, महीने, साल बदलते हैं, जब मौसम बदलते हैं, जब कुदरत बदलती है-ऐसे में मेरे लकीर के बदलने से एतराज क्यों? समय अनुसार लकीर और संदर्भ अनुसार मुख की तस्वीर बदलना आज के समय की मांग है"-कहकर वे अपनी तर्जनी से हवा में लकीरें खींचने लगे।

इस नई टीम इंडिया में युवा जोश और अनुभव का बेहतरीन मेल है: रवि शास्त्री

भारत और आयरलैंड के बीच शुक्रवार से टी20 सीरीज की शुरुआत होगी, जिसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे पर 5 टी20 और 3 वनडे मुकाबले खेलेगी। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे से पहले नई भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का सही तालमेल है। पूर्व कोच को भरोसा है कि भारतीय टीम मुश्किल हालात में भी अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत रखती है। इंग्लैंड दौरे से पहले शास्त्री ने टी20 फॉर्मेट में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली युवा टीम का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि वे अपनी छाप छोड़ेंगे। शास्त्री ने कहा, इस नई टीम इंडिया में युवा जोश और अनुभव का बेहतरीन मेल है। श्रेयस अय्यर टी20 क्रिकेट के एक मजबूत खिलाड़ी हैं। उन्हें नई भारतीय टीम की कप्तानी का मौका मिलते देखना मेरे लिए उत्साहजनक है। मुझे अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा और टीम के बाकी सभी सदस्यों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

वहीं, दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि यह दौरा भारत की अगली पीढ़ी के लिए स्थापित खिलाड़ियों के साथ खुद को साबित करने का एक शानदार मौका है। गावस्कर ने कहा, साल 2026 के इंग्लैंड दौरे के लिए यह भारतीय टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का एक दिलचस्प मिश्रण है।

मैं खासतौर पर यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वे इंग्लैंड की धरती पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। श्रेयस अय्यर की कप्तानी और तिलक वर्मा की उप-कप्तानी टीम के लिए एक मजबूत आधार बनाती है। असली रोमांच अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा टैलेंट से आता है। ये दोनों किसी भी गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ मैच का रुख बदल सकते हैं। संजू सैमसन और ईशान किशन मिडिल ऑर्डर में अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, रवि बिश्नोई और उभरते हुए हर्षित राणा की गेंदबाजी लाइनअप मजबूत दिख रही है।

एक ओर श्रेयस अय्यर भारत की टी20 टीम का कमान संभालेंगे, तो दूसरी तरफ तिलक वर्मा उप-कप्तान होंगे। इस टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, रवि बिश्नोई, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, ईशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे और प्रिंस यादव जैसे होनहार युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

वनडे टीम में विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों की वापसी हुई है। इससे पहले कोहली हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान सीरीज से बाहर रहे थे।

बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिसमें अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार शामिल हैं। विकेटकीपिंग के लिए केएल राहुल और ईशान किशन को चुना गया है, जबकि स्पिन की जिम्मेदारी कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर संभालेंगे।

तीसरी एशियाई रिले चैम्पियनशिप-2027 का ध्वज चंडीगढ़ को

तीसरी एशियाई रिले चैम्पियनशिप-2027 का ध्वज आज पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को यूटी सचिवालय में भेंट किया गया। यह ध्वज चीन के शाओशिंग में आयोजित दूसरी एशियाई रिले चैम्पियनशिप-2026 के समापन समारोह के दौरान औपचारिक रूप से चंडीगढ़ को सौंपा गया था। इसे चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से चैम्पियनशिप में प्रतिनिधित्व करने वाले चंडीगढ़ प्रशासन के खेल निदेशक सौरभ कुमार अरोड़ा चंडीगढ़ लेकर आए। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद, पंजाब के राज्यपाल के अपर मुख्य सचि विवेक प्रताप सिंह, खेल सचिव प्रेरणा पुरी, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के सदस्य, चंडीगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रशासक ने इसे चंडीगढ़ के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि शहर को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैम्पियनशिप के अगले संस्करण की मेजबानी का अवसर मिलना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1989 में आयोजित एशियाई रोइंग चैम्पियनशिप के बाद यह चंडीगढ़ में आयोजित होने वाला सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा और इससे अंतरराष्ट्रीय खेलों के उभरते केंद्र के रूप में शहर की पहचान और मजबूत होगी।

प्रशासक ने बताया कि चैम्पियनशिप का आयोजन सेक्टर-7 स्थित खेल परिसर में किया जाएगा, जिसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन सभी हितधारकों के साथ निकट समन्वय में कार्य कर रहा है तथा विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना, सुरक्षा प्रबंध और सुचारु आयोजन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कटारिया ने कहा कि इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप की मेजबानी से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी, एथलेटिक्स में भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय खिलाड़ियों को एशिया की शीर्ष रिले टीमों का प्रदर्शन देखने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पर्यटन को भी प्रोत्साहित करेगा और अंतरराष्ट्रीय मंच पर चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा।

एशियाई रिले चैम्पियनशिप एशियाई एथलेटिक्स संघ द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता है, जिसमें पुरुष, महिला और मिश्रित वर्ग की रिले स्पर्धाओं, जिनमें 4×100 मीटर और 4×400 मीटर दौड़ शामिल हैं, में एशिया की अग्रणी रिले टीमें भाग लेती हैं।

पीटी उषा: 9 साल की उम्र में स्कूल चैंपियन को हराया एशियाई खेलों में जीते 11 पदक, 'उड़न परी' पड़ा नाम

पीटी उषा ने ट्रैक और फील्ड खेल की दुनिया में अपनी काबिलियत के बूते वो मुकाम हासिल किया, जिसकी कल्पना हर एथलीट करता है। महिलाओं के बीच इस खेल को लोकप्रिय बनाने में पीटी उषा का अहम योगदान रहा। 9 साल की उम्र में स्कूल चैंपियन को हराकर शुरु हुआ सफर कई बड़ी उपलब्धियों तक पहुंचा। पीटी उषा का जन्म 27 जून, 1964 को केरल के कोझिकोड जिले के पय्योली गांव में हुआ।

उषा का बचपन गरीबी में बिता और एक समय पर उनके पास जूते खरीदने तक के पैसे नहीं हुआ करते थे। पीटी उषा को दौड़ने का शौक स्कूली दिनों से ही था। 9 साल की उम्र में उषा की काबिलियत को पहली बार पहचान मिली। स्कूल में हुई प्रतियोगिता में उषा ने हर किसी को चौंकाते हुए अपने से तीन साल बड़े स्कूल चैंपियन को हरा दिया। उषा ने स्कूल में अपनी पढ़ाई के दौरान ही जिला स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। उषा जहां जाती वहां अपनी दौड़ने की क्षमता के कारण चर्चा का विषय बन जातीं। उषा की प्रतिभा को देखते हुए केरल सरकार ने उन्हें 250 रुपये की छात्रवृति से भी सम्मानित किया। उस दौर और गरीबी में बचपन बिताने वाली उषा के लिए वो 250 रुपये बेहद कीमती थे। इसके बाद ट्रेनिंग और पढ़ाई जारी रखने के लिए उषा ने विशेष स्कूल में अपना दाखिला करवाया।

1976 में नेशनल स्कूल गेम्स में दमदार प्रदर्शन कर उषा कोच ओएम नाम्बियार की निगाहों में आईं और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1980 में पीटी उषा के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हुई। कराची में आयोजित हुए पाकिस्तान ओपन नेशनल मीट में उषा ने शानदार प्रदर्शन किया और कुल 4 स्वर्ण पदक जीते।

पीटी उषा इसके बाद 1980, 1984 और 1988 के ओलंपिक में शामिल हुईं। हालांकि, वह देश के लिए पदक लाने से मामूली अंतर से चूक गईं। 1984 में लॉस एंजिल्स में हुए ओलंपिक में उषा ने फाइनल तक का सफर तय किया और वो यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। उषा का सबसे शानदार प्रदर्शन एशियाई खेलों में आया। उन्होंने एशियाई खेलों में देश के लिए कुल 11 पदक जीते, जिसमें 4 स्वर्ण शामिल रहे। इसके साथ ही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 23 पदक अपने नाम किए।

महज 20 साल की उम्र में पीटी उषा को सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, 1985 में उन्हें पद्म श्री से नवाजा गया। उषा को उनकी उपलब्धियों के लिए फैंस ने कई नाम दिए। उन्हें 'पायोली एक्सप्रेस', 'भारत की उड़न परी' और 'गोल्डन गर्ल', 'क्वीन ऑफ ट्रैक एंड फील्ड' के नाम से भी जाना जाता है। पीटी उषा को साल 2022 में भारतीय ओलंपिक संघ का अध्यक्ष चुना गया और वह अब तक इस पद पर बनी हुई हैं।

वैभव सूर्यवंशी को नहीं मिला डेब्यू का मौका तो कप्तान श्रेयस अय्यर ने क्या कहा

भारत और आयरलैंड के बीच 2 टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेला जा रहा है। बतौर भारतीय कप्तान अपना पहला मैच खेल रहे श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में बाएं हाथ के करिश्माई और विस्फोटक बल्लेबाज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका है। सूर्यवंशी को अंतिम-11 में जगह नहीं मिल सकी है। वैभव को भारतीय टीम में डेब्यू के लिए अब कम-से-कम अगले मैच तक का इंतजार करना होगा। वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं देने के सवाल पर कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, वैभव एक शानदार खिलाड़ी है, लेकिन बदकिस्मती से नहीं खेल रहा है। हमारी टीम में अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इंडिया के लिए पिछली कुछ सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। यही वजह है कि हम अपने उन ज्यादातर क्रिकेटरों का समर्थन कर रहे हैं, जो पूरे सीजन में बहुत शानदार रहे हैं।

पहले टी20 में मौका न मिलना वैभव सूर्यवंशी के लिए निराशाजनक हो सकता है। डेब्यू कैप मिलते ही वह भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाते। वैभव इस मैच में सचिन तेंदुलकर का लगभग 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ सकते थे। हालांकि, वैभव के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए आगे मौके निश्चित रूप से मिलेंगे।वैभव ने पिछले 1 साल में हर स्तर पर और जहां भी मौके मिले हैं, शानदार प्रदर्शन किया है। आईपीएल 2025 से चर्चा में आए वैभव ने पिछले एक साल में इंडिया ए और इंडिया-19 के लिए दमदार पारियां खेली हैं और देश को अहम खिताब दिलाए हैं। आईपीएल 2026 में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय टीम में जगह दिलायी है। आईपीएल 2026 में 15 साल के वैभव ने 16 मैचों की 16 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए 776 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप जीता था। इस दौरान वैभव ने 72 छक्के लगाए, जो एक सीजन का रिकॉर्ड है। इसी प्रदर्शन के बाद वैभव भारतीय टीम में जगह पाने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बने।

अब भारतीय टीम में डेब्यू के लिए वैभव को कम से कम 28 जून तक का इंतजार करना होगा।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप: श्री चरणी एक संस्करण में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाली भारतीय बनीं

भारतीय स्पिनर श्री चरणी ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 2 विकेट हासिल किए। इसी के साथ श्री चरणी टी20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाली भारतीय महिला बन गई हैं। श्री चरणी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के चार मुकाबलों में 12 विकेट हासिल कर चुकी हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने पाकिस्तान के खिलाफ 21 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे, जिसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 रन देकर 4 विकेट निकाले। साउथ अफ्रीका के विरुद्ध श्री चरणी ने 24 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए थे, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ श्री चरणी ने 21 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किए। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाली भारतीय खिलाड़ियों में पूनम यादव दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2020 में 10 विकेट निकाले थे। डायना डेविड टी20 वर्ल्ड कप 2010 में 9 विकेट हासिल कर चुकी हैं। पूनम यादव ने साल 2014 और 2018 में 8-8 विकेट अपने नाम किए थे। राधा यादव टी20 वर्ल्ड कप 2018 में 8 विकेट अपने नाम कर चुकी हैं।

वैश्विक स्तर पर न्यूजीलैंड की अमेलिया केर विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2024 में 15 शिकार किए थे। इंग्लैंड की आन्या श्रुबसोल (साल 2014) और ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट्ट (साल 2020) 13-13 विकेट अपने नाम कर चुकी हैं। साउथ अफ्रीका की नॉनकुलुलेको म्लाबा (साल 2024) और भारत की श्री चरणी (साल 2026) इस लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में, चरणी अपने करियर में पहली बार आईसीसी विमेंस टी20 बॉलिंग रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर पहुंचीं और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ऊंची रैंकिंग वाली गेंदबाज बन गईं।

चूंकि भारत के अभी भी एक लीग मैच शेष है, इसलिए चरणी अब न्यूजीलैंड की अमेलिया केर के 15 विकेट के ऑल-टाइम टूर्नामेंट रिकॉर्ड को तोड़ सकती हैं। उनकी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, इस युवा बाएं हाथ की गेंदबाज के पास न केवल अपने भारतीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाने का, बल्कि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप अभियान में अब तक के सर्वाधिक विकेट लेने के रिकॉर्ड को चुनौती देने का भी अच्छा मौका है।

मैनचेस्टर में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम 8 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। इसके जवाब में भारत ने 16.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत-साउथ अफ्रीका की जीत से रोमांचक हुई सेमीफाइनल की जंग

किस टीम की दावेदारी सबसे मजबूत

महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए में सेमीफाइनल की रेस रोमांचक हो गई है। गुरुवार को भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया, जबकि साउथ अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रनों से रौंदा। दोनों ही टीमें जीत के साथ अंतिम चार में पहुंचने की रेस में बनी हुई हैं। भारतीय टीम के अब 4 मुकाबलों के बाद 6 प्वाइंट हो गए हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। भारत को अब ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में रविवार को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है और 4 मुकाबलों में 8 प्वाइंट के साथ पहले नंबर पर मौजूद है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत की सेना अगर ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल रहती है, तो टीम को सीधा अंतिम चार का टिकट मिल जाएगा। भारतीय टीम नेट रन रेट के मामले में साउथ अफ्रीका से काफी आगे है। प्रोटियाज टीम अगर अपने आखिरी मुकाबले में बड़ी जीत दर्ज करने में भी सफल रहती है, तो भी वह भारत से आगे नहीं निकल पाएगी। नीदरलैंड्स को हराने के बाद साउथ अफ्रीका को ग्रुप स्टेज का अपना अंतिम मैच आयरलैंड से रविवार को खेलना है। साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए आयरलैंड को बड़े अंतर से हराना होगा। इसके साथ ही यह दुआ भी करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया भारत को हराने में सफल रहे।

बांग्लादेश भी अभी पूरी तरह से सेमीफाइनल की रेस से बाहर नहीं हुई है। हालांकि, बांग्लादेश को अंतिम चार में पहुंचने के लिए लगभग चमत्कार की दरकार होगी। बांग्लादेश को साउथ अफ्रीका को 100 से ज्यादा रनों के अंतर से हराना होगा। वहीं, यह भी दुआ करनी होगी कि भारत ऑस्ट्रेलिया से कम से कम 130 रनों के अंतर से हार जाए। बांग्लादेश के अभी 4 मुकाबलों में चार प्वाइंट हैं।

31 साल 202 दिन की उम्र में कप्तानी अय्यर के नाम पर जुड़ा नया रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी संभालने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अय्यर शुक्रवार को 31 साल और 202 दिन की उम्र में आयरलैंड के विरुद्ध टी20 सीरीज के पहले मैच में बतौर कप्तान उतरे। इस लिस्ट में शिखर धवन शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 35 साल 232 दिन की उम्र में पहली बार भारत की टी20 टीम का जिम्मा संभाला था। वहीं, सूर्यकुमार यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 33 साल 70 दिन की उम्र में ऐसा किया था। रोहित शर्मा (30 साल 234 दिन) और केएल राहुल (30 साल 143 दिन) इस फेहरिस्त में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर मौजूद हैं। इससे पहले, अय्यर 3 दिसंबर 2023 को भारतीय टी20 टीम में खेले थे। उस मैच में अय्यर ने 37 गेंदों में 7 बाउंड्री के साथ 53 रन बनाए थे, लेकिन इसके बाद उन्हें टी20 टीम से लगातार बाहर रखा गया। अब जब अय्यर टी20 में लौटे हैं, तो उनसे पास टीम की कमान है।

पिछले कुछ वर्षों में अय्यर की अहमियत काफी बढ़ी है, जिन्होंने साल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जिताया और फिर पंजाब किंग्स की किस्मत बदली। अब वे एक बार फिर गंभीर के साथ जुड़ रहे हैं, जो 2024 में केकेआर के मेंटॉर थे। साल 2018 में, जब अय्यर खराब फॉर्म से जूझ रहे गंभीर ने दिल्ली डेयरडेविल्स के कप्तान का पद छोड़ा था, तो उन्होंने इस भूमिका के लिए अय्यर का समर्थन किया था।

अय्यर ने भारत की तरफ से 51 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 30.66 की औसत के साथ 1,104 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले हैं। वहीं, 147 आईपीएल मुकाबलों में अय्यर 35.83 की औसत के साथ 4,229 रन जुटा चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 32 अर्धशतक निकले हैं।

फीफा विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका में जश्न का माहौल, टीम के नॉकआउट में पहुंचने को सरकार ने 'गर्व का पल' बताया

दक्षिण अफ्रीका सरकार ने फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट स्टेज में टीम के पहुंचने को देश के लिए गर्व का पल बताया है। दक्षिण अफ्रीका पहली बार ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ी है। दक्षिण अफ्रीका ने अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में दक्षिण कोरिया पर 1-0 से जीत के साथ राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। टीम ने अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट राउंड में जगह बनाई है। टीम को बधाई देते हुए, सरकार ने फुटबॉल के सबसे बड़े स्टेज में से एक पर खिलाड़ियों के पक्के इरादे और धैर्य की तारीफ की।

शिन्हुआ के हवाले से सरकार ने एक बयान में कहा, ₹यह शानदार नतीजा दक्षिण अफ्रीका के लिए गर्व का पल है। यह दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर टीम के पक्के इरादे, अनुशासन और लड़ने की भावना को दिखाता है। टीम का यह प्रदर्शन पूरे देश में उत्साह और एकता लेकर आया है। देश और विदेश में दक्षिण अफ्रीका के लोगों को इससे प्रेरणा मिली है। टूर्नामेंट जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, बाफाना बाफाना गर्व से देश का प्रतिनिधित्व करती रहेगी।

बता दें कि बाफना बाफना दक्षिण अफ्रीका की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का उपनाम है।यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल के लिए अहम क्षण है। 1998, 2002 और 2010 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाई थी।

हेड कोच ह्यूगो ब्रूज ने इस नतीजे का श्रेय अपनी टीम के रणनीतिक अनुशासन और गति के असरदार इस्तेमाल को दिया।

मैच के बाद ब्रूज ने कहा, ₹हमने रणनीतिक रूप से बहुत अच्छा खेल खेला। हमारे पास पिच पर बहुत तेज खिलाड़ी थे। हमने उनका बहुत अच्छा इस्तेमाल किया और सही मौकों पर जगह बनाई।₹

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एडवर्ड मोटाले ने भी इस सफलता का स्वागत किया और इसे देश में फुटबॉल के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ₹हम पहले कभी पहले राउंड से आगे नहीं गए हैं, इसलिए यह सही दिशा में एक कदम है।

यह कभी न खत्म होने वाली जिम्मेदारी है : अमृता राव

पिछली बार फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई अमृता राव शेयर किया है कि मदरहुड इंसान को टाइम मैनेज करना सिखाता है। उसने एक लाइफस्टाइल इवेंट के दौरान अपने विचार शेयर किए।

उसने मां के महत्व पर बात करते हुए मदर्स डे के बारे में भी अपनी यादें साझा कीं । उसने बताया, "मुझे याद है कि जब मैं बच्ची थी, हम मां के लिए एक नोट बनाते थे और कहते थे, 'हैप्पी मदर्स डे'। लेकिन मुझे लगता है कि जैसे-जैसे आप मैच्योर होते 'मदर्स डे' का मतलब बहुत बदल जाता है। खासकर जब आप मां बनती हैं, तो इसका मतलब और भी बदल जाता है। आपको एहसास होता है कि मदरहुड एक नॉन-स्टॉप, कभी न खत्म होने वाली और अनगिनत जिम्मेदारी है। एक बार यह जिम्मेदारी शुरू हो जाती है, तो यह आखिर तक चलती है ।

गौरतलब है कि अमृता ने आर. जे. अनमोल से शादी की है और 2020 में वे एक बेटे के माता-पिता बने जिसका नाम उन्होंने वीर रखा है। अमृता और अनमोल अपने बेटे के साथ बिताए गए कई लम्हों को वीडियो और फोटोज के माध्यम से फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। अमृता अपने मां बनने के सफर के बारे में बात करते हुए बताती है कि 'हर पल सीखने जैसा है। आप माता- पिता बनने के बाद हमेशा कुछ न कुछ सीखते रहते हैं। यह काफी थकाने वाला है, लेकिन बहुत ही संतोषजनक भी है।

अमृता ने बताया, मैंने यू-ट्यूब पर बहुत सारे वीडियो देखे कि दूसरी माएं क्या करती हैं लेकिन जब आप इस दुनिया में आते हैं तो यह एक नया गेम सीखने जैसा होता है । मेरा मतलब है कि कुछ टिप्स मददगार होते हैं, खासकर तब जब कोई केयरटेकर न हो । मेरे और अनमोल के लिए फर्स्ट हैंड एक्सपीरिएंस अपने अनुभव को लोगों से शेयर करना चाहती हूं। अमृता ब्रेस्टफीडिंग के सवाल पर कहती है, मुझे यह जानकर निराशा हुई कि ब्रेस्टफीडिंग सबके सामने अभी भी वर्जित है लेकिन भारत के भीतर कई इंडिया हैं। सौभाग्य से हमारे परिवार में सभी इसके बारे में बहुत नार्मल हैं।

'फैशन' ने बदल दी 'कंगना रनौत ' की 'किस्मत'

कंगना रनौत मायानगरी की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक है। इन दिनों फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में अपने रोल के लिए प्रशंसा बटोर रही कंगना ने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए जिन्हें दर्शक आज भी याद करते हैं। इन्हीं में से एक था फिल्म 'फैशन' में शोनाली गुजराल का किरदार। इस फिल्म में कंगना ने एक ऐसी सफल मॉडल की भूमिका निभाई थी, जिसकी जिंदगी नशे की लत की वजह से बर्बाद हो जाती है।

उसके इस अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा था। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर के 'द अनुपम खेर शो- कुछ भी हो सकता है' में कंगना ने अपने करियर के मुश्किल दौर को याद करते हुए कहा, ??गैंगस्टर' और 'वो लम्हे' जैसी फिल्मों के बाद भी मेरा करियर वैसी रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा था, जैसी मैंने उम्मीद की थी। मुझे लगने लगा था कि मेरा करियर धीरे-धीरे नीचे जा रहा है और मुझे खुद को साबित करने के लिए एक बड़े मौके की जरूरत है।

"मेरे लिए फिल्म 'फैशन' एक बड़ा मौका था, लेकिन मुझे डर था कि अगर इस फिल्म में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, तो मेरे लिए आगे का रास्ता और मुश्किल हो सकता है। मैंने अपने किरदार की तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी और पूरी मेहनत के साथ खुद को इस भूमिका में ढालने की कोशिश की ।

"मैं घर में भी ऊंची हील्स पहनकर चलने की प्रैक्टिस करती ताकि एक मॉडल की चाल-ढाल को अच्छी तरह समझ सकूं। मैंने सिगरेट पीने की एक्टिंग की प्रैक्टिस की, नशे से जुड़ी जानक जुटाई और उन लोगों से भी मुलाकात की जो कोकीन की लत का शिकार रह चुके थे। यह मेरे करियर का आखिरी बड़ा मौका हो सकता था। मैंने पूरी लगन और ईमानदारी के साथ इस किरदार को निभाया और उसका नतीजा भी मुझे शानदार मिला।

रिया चक्रवर्ती बोलीं अपने पार्टनर में कौन सी खूबी देखना चाहती हैं
कहा- भाई से पहले शादी नहीं कर सकती

रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के साथ बातचीत करते नजर आए। इस दौरान चारों ने रिश्तों, डेटिंग और शादी जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

अंगद बेदी ने इस बातचीत की शुरुआत शोविक के साथ शुरू हुई। उन्होंने पूछा कि वह अपनी पार्टनर में कौन-कौन सी खूबियां देखना पसंद करते हैं। इस पर शोविक ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट कर रहे हैं और उनके लिए सबसे जरूरी चीज वफादारी है।

शोविक ने कहा, 'मुझे ऐसी लड़की पसंद है जो जैसी सोशल मीडिया पर दिखती है, असल जिंदगी में भी वैसी ही हो। आजकल ऑनलाइन और ऑफलाइन व्यक्तित्व में काफी फर्क देखने को मिलता है। इसके अलावा वह ईमानदार हो, स्टाइलिश हो और अगर उसे डांस करना भी आता हो तो यह मेरे लिए बोनस है।'

रिया ने बताया कि फिलहाल वह सिंगल हैं

इसके बाद नेहा धूपिया ने रिया से पूछा कि वह अपने होने वाले पार्टनर में क्या तलाशती हैं। रिया ने बताया कि फिलहाल वह सिंगल हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि और इस समय उन्हें कोई खास उम्मीद नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जिंदगी के किसी मोड़ पर किसी का साथ होना अच्छा लगता है।

बताया- कैसा इंसान चाहती हैं

रिया ने कहा, 'अगर मुझे एक शब्द में बताना हैं कि मैं कैसा इंसान चाहती हूं, तो वह होगा मैच्योरिटी। मुझे ऐसा व्यक्ति पसंद है जो सोच और समझ में विकसित हो।' फिर बातचीत शादी पर पहुंची। जब नेहा ने पूछा कि दोनों भाई-बहनों में पहले शादी कौन करेगा तो रिया ने मुस्कुराते हुए कहा- मैं अपने छोटे भाई से पहले शादी नहीं कर सकती।'

'पहले आपकी शादी करवाऊंगा, फिर अपनी करूंगा'

इस पर शोविक ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'पहले आपकी शादी करवाऊंगा, फिर अपनी करूंगा।' इसी दौरान अंगद बेदी ने अपनी शादी का किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि फाइनैंशियस सिक्योरिटी कभी भी सही इंसान से शादी करने के रास्ते में नहीं आनी चाहिए।'

' तब मेरे बैंक अकाउंट में सिर्फ करीब दो लाख रुपये थे'

अंगद ने बताया, 'जब मेरी और नेहा की शादी हुई थी तब मेरे बैंक अकाउंट में सिर्फ करीब दो लाख रुपये थे, शायद उससे भी कम। लेकिन मैंने पैसों की परवाह किए बिना शादी की।'

क्या सामंथा ने साधा शोभिता पर निशाना? रिश्तों को लेकर कही ये बात

हैदराबाद में अपनी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के सक्सेस मीट के दौरान उन्होंने रिश्तों को लेकर कुछ ऐसी बातें कहीं, जिसके बाद फैंस कयास लगाने लगे कि क्या यह इशारा शोभिता धुलिपाला की तरफ था।

हालांकि सामंथा ने कहीं भी शोभिता का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने रिश्तों के बारे में बात करते हुए कहा कि किसी भी महिला को यह नहीं मानना चाहिए कि उसका पार्टनर उसे पूरा करता है। सामंथा ने कहा, 'करियर और रिश्ते आपके हाथ में होते हैं, लेकिन कई बार रिश्ते जटिल हो जाते हैं और सब कुछ आपके कंट्रोल में नहीं होता। एक रिश्ते को चलाने के लिए दो लोगों की जरूरत होती है। मैंने यह सीखा है कि एक महिला को खुद पर भरोसा होना चाहिए और खुद में ही पूरा होना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक समय पर आपको सही इंसान जरूर मिलेगा। लेकिन अगर आप किसी को यह सोचकर ढूंढते हैं कि वह आपको पूरा करेगा, तो यह सही नहीं है। इससे उम्मीदें बढ़ जाती हैं और रिश्ता बिगड़ सकता है।'

वीडियो हो रहा जमकर वायरल

जैसे ही सामंथा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों ने इसे शोभिता धुलिपाला से जोड़ना शुरू कर दिया। दरअसल, शोभिता ने अपने 2024 के वेडिंग वीडियो में कहा था कि इंसान अधूरा होता है और कोई दूसरा आकर उसे पूरा करता है।

सामंथा और शोभिता के बारे में

बता दें कि शोभिता धुलिपाला की शादी नागा चैतन्य से हुई है, जो पहले सामंथा के पति रह चुके हैं। सामंथा और नागा चैतन्य ने 2021 में अपनी शादी खत्म करने का ऐलान किया था। वहीं, सामंथा ने दिसंबर 2025 में फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की थी। दोनों ने कोयंबटूर के ईशा योगा सेंटर स्थित लिंग भैरवी मंदिर में एक निजी समारोह में सात फेरे लिए। अब खबर है कि यह कपल अपने पहले बच्चे का इंतजार कर रहा है।

'रोमांस मिस कर रही हूं', भरत तख्तानी से तलाक के बाद प्यार की कमी महसूस कर रहीं ईशा देओल

हाल ही में ईशा देओल ने खुलकर बताया है कि अलग होने के बाद उनकी जिंदगी में 'प्यार और रोमांस' की कमी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें रोमांटिक होना बहुत पसंद है।

रोमांस इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में ईशा ने कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार और रोमांस किसी भी इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी होता है, और अभी मैं इसे मिस कर रही हूं। मुझे रोमांटिक होना बहुत पसंद है। मैं पूरी तरह से रोम-कॉम टाइप इंसान हूं। मुझे लव सॉन्ग्स और लव स्टोरीज बहुत पसंद हैं।'

मेरे पहले भी बॉयफ्रेंड रहे हैं

जब उनसे पूछा गया कि क्या इस अलगाव के बाद उनके प्यार को देखने का नजरिया बदल गया है, तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ये चीजें नहीं बदलतीं। ब्रेकअप होते हैं। मेरे पहले भी बॉयफ्रेंड रहे हैं, जिनसे मेरा ब्रेकअप हुआ। ये सब जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन इससे मेरे प्यार को लेकर सोच नहीं बदलती। हम सबने हेमा जी और धर्मेंद्र जी के बीच का बिना शर्त वाला प्यार देखा है।'

ये बहुत पर्सनल बात, जो दो लोगों के बीच होती है

ईशा ने यह भी बताया कि अलग होने के फैसले में उनका परिवार उनके साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा, 'ये बहुत पर्सनल बात है, जो दो लोगों के बीच होती है। हमारे जैसे प्रोफेशन में ये बातें पब्लिक में आ जाती हैं। मैं, भरत या उनका परिवार ऐसे मामलों में ज्यादा खुलकर बात करने वाले लोग नहीं हैं। उस समय हालात ऐसे थे और इसमें बच्चे भी शामिल हैं, इसलिए ये बहुत संवेदनशील समय होता है, जिसे बहुत संभलकर समझना पड़ता है।'

क्यों अलग हुए ईशा और भरत?

ईशा देओल और भरत तख्तानी ने अपने अलग होने की वजह नहीं बताई, लेकिन एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि यह फैसला उन्होंने आपसी सहमति से लिया है। उन्होंने कहा था, 'हमने आपसी सहमति और समझदारी से अलग होने का फैसला किया है। इस बदलाव के दौरान हमारे दोनों बच्चों का भला हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। हम चाहते हैं कि हमारी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए।' ईशा और भरत अपनी दो बेटियों राध्या और मिराया के माता-पिता हैं।

'खाना बनाना और सफाई करना सिर्फ महिलाओं का काम नहीं'
प्रियंका चोपड़ा ने जेंडर भेदभाव पर कही बेबाकी से ये बात

कान लायंस में बोलते हुए प्रियंका चोपड़ा ने इस गहरी सोच को चुनौती दी कि खाना बनाना, सफाई करना और घर के दैनिक कार्यों को संभालना केवल महिलाओं का काम है। प्रियंका ने अपने रुख को स्पष्ट और बेबाक तरीके से रखते हुए किया। उन्होंने कहा, 'सफाई और खाना बनाना महिलाओं का काम नहीं है। ये तो एडल्ट होने के बुनियादी जिम्मेदारी हैं। जेंडर को आलस्य से न जोड़ें।'

इस कॉमेंट ने ऑनलाइन लोगों के दिलों को छू लिया और उन दर्शकों के साथ जुड़ाव महसूस कराया जो दुनिया भर के घरों में घरेलू श्रम के असमान वितरण पर लंबे समय से बहस कर रहे हैं। प्रियंका का दृष्टिकोण स्पष्ट था, 'ये जीवन कौशल हैं, न कि लैंगिक दायित्व।'

आपको लगता है कि आपके पास कोई आइडिया है तो उसे फिल्माएं'

प्रियंका ने एंटरटेनमेंट जगत में आए तेजी से बदलावों पर भी बातें कीं डाला। उन्होंने कहा, 'अगर आप फिल्ममेकिंग में आना चाहते थे, तो पहले आपको यह तय करना पड़ता था कि आप किस डिपार्टमेंट में काम करना चाहते हैं। इंडस्ट्री के अंदर घुसना वाकई बहुत मुश्किल था।' उन्होंने इंडिपेंडेंट क्रिएटर्स में आई तेजी को लेकर बातें करते हुए कहा कि यदि आपको लगता है कि आपके पास कोई आइडिया है तो उसे फिल्माएं, उसे YouTube पर डालें और यह 'ऑब्सेशन' जैसी फिल्म बन सकती है, जो अभी हाल ही में रिलीज हुई है।'

एंजेलीना जोली के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम करने वाली

एक इंटरव्यू में प्रियंका ने ये भी कन्फर्म किया कि वह एंजेलीना जोली के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं। हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की और न ही ये बताया कि यह कोई फिल्म है, कोई ऐड कैंपेन है या कोई सोशल वर्क। इस जोड़ी की चर्चा से ही ग्लोबल लेवल पर काफी हलचल मच गई है।

एंजेलीना जोली के अलावा ऑरलैंडो ब्लूम के साथ एक नया प्रोजेक्ट

प्रियंका चोपड़ा, एंजेलीना जोली के अलावा ऑरलैंडो ब्लूम के साथ एक नया प्रोजेक्ट भी शुरू करने जा रही हैं। इसके अलावा, वह निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में भी नजर आएंगी, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिका में हैं।

'तारक मेहता' की बबीता जी नहीं करेंगी शादी!
मुनमुन दत्ता बोलीं- लोग कहते हैं अकेली रह जाओगी, मुझे यही पसंद

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम मुनमुन दत्ता अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी निजी जिंदगी की झलकियां शेयर करती हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक दिल छू लेने वाला ट्रैवल वीडियो शेयर किया। वीडियो के साथ उन्होंने एक कैप्शन भी लिखा, जो जीवन और रिश्तों के प्रति उनके नजरिए को दर्शाता है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा बबीता जी

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी की खूबसूरत झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी जर्नी का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया।

इस वीडियो के साथ मुनमुन ने एक ऐसा कैप्शन लिखा, जिसने उनकी सोच साफ जाहिर कर दी। उन्होंने लिखा, 'लोग कहते हैं कि तुम हमेशा अकेली रह जाओगी और मेरा जवाब है- बहुत बढ़िया, मुझे यही पसंद है।' उन्होंने कहा- मैंने अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने का फैसला किया है और मैं इसे किसी और तरीके से नहीं जीना चाहती।

हर पल का आनंद लेते हुए नजर आ रही मुनमुन

वीडियो में मुनमुन अलग-अलग जगहों पर घूमते हुए, नई चीजें सीखते हुए और हर पल का आनंद लेते हुए नजर आ रही हैं। उन्हें घूमने-फिरने का काफी शौक है और वह अक्सर विदेश यात्राओं की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।

खूबसूरत नजारे और एडवेंचर से जुड़ी कई यादगार झलकियां

इस ट्रैवल वीडियो में समुद्र किनारे बिताए पल, बोट राइड, रेगिस्तान की सैर, खूबसूरत नजारे और एडवेंचर से जुड़ी कई यादगार झलकियां देखने को मिलती हैं। इसके अलावा मुनमुन ट्रेकिंग करती, नए लोगों से मिलती, सड़क पर डांस करती और अलग-अलग संस्कृतियों को करीब से जानती भी नजर आईं।

दिशा पाटनी ने किया कॉमेंट

पोस्ट शेयर होते ही फैंस ने खूब प्यार बरसाया। दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी ने भी कमेंट करते हुए लिखा, 'सबसे प्यारी और सबसे खुश।'

उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह इतना बड़ा हिट साबित होगा

इससे पहले रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में मुनमुन ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से जुड़ी कई बातें शेयर की थीं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें यह शो मिला था, तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह इतना बड़ा हिट साबित होगा। उस समय उनके लिए सबसे बड़ी खुशी सिर्फ काम मिलना था और वह पूरी मेहनत से अपना किरदार निभाना चाहती थीं।

मुनमुन ने यह भी खुलासा किया कि शो में बबीता जी के रोल के लिए उनके नाम की सिफारिश एक्टर दिलीप जोशी ने की थी। उन्होंने बताया कि दिलीप जोशी और शो के निर्माता पहले साथ काम कर चुके थे, इसलिए कास्टिंग के दौरान उनकी राय को अहमियत दी गई थी।

मुनमुन के मुताबिक, दिलीप जोशी ने सिर्फ उनका ही नहीं, बल्कि शो के कुछ और कलाकारों के नाम भी सुझाए थे। इनमें अमित भट्ट और दिशा वकानी का नाम भी शामिल था।

वर्क फ्रंट की बात करें तो मुनमुन दत्ता पिछले कई सालों से 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभा रही हैं। शो में जेठालाल यानी दिलीप जोशी और महिला मंडल के बाकी कलाकारों के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आती है।

केतन के गिरने के बाद सिया शांत थी: रोई तक नहीं

पुलिस पूछताछ में बताया- केतन को शादी के लिए मना किया लेकिन वह नहीं माना

पुणे, 26 जून (एजेंसियां)। पुणे में केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। लोहागढ़ किले में केतन की बॉडी निकालने में मदद करने वाले सुनील गायकवाड़ ने दावा किया कि घटना के बाद लोग घबराए हुए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत थी। वह न रोईं और न ही कोई पछतावा दिखाया।

वहीं पुलिस पूछताछ में सिया ने बताया कि उसने केतन से कहा था कि वह उससे शादी करना नहीं चाहती, लेकिन वह सगाई तोड़ने को तैयार नहीं था। केतन का कहना था कि अब बहुत देर हो चुकी है।

सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। सिया पर अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या करने का आरोप है। दोनों फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और मामले की जांच जारी है।

पिता विशाल अग्रवाल ने केतन के हेयर विग लगाने को हत्या के पीछे की वजह बताने पर कहा- सिया के परिवार को पता था कि केतन सिर पर विग का एक पैच इस्तेमाल करता था। क्या यह किसी को मारने की वजह है?

इससे पहले शुक्रवार को किले के गार्ड धीरज जाधव ने बताया कि उन्होंने चेतन और सिया की चीख सुनी थी। मौके पर पहुंचने पर सिया ने उन्हें बताया कि कोई खाई में गिर गया है। इसके बाद गार्ड ने पुलिस को सूचना दी।

मां पूजा गोयल बोलीं- सिया शादी को लेकर खुश थी

इस मामले में कोई भी दोषी है तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था।

परिवार को सिया और केतन की शादी से बहुत उम्मीदें थीं। केतन का परिवार भी सिया को बहुत प्यार और स्नेह देता था। सारे कार्यक्रम अच्छे से चल रहे थे।

अगर हमें लगता कि सिया को कोई परेशानी हो रही है या वह केतन से बात नहीं कर पा रही है, तो वे हमसे बात करते। सिया की इस शादी में रजामंदी थी।

हमें चेतन के बारे में कुछ भी पता नहीं था। सगाई के बाद से वह सिर्फ केतन से ही बात करती थी। मुझे नहीं लगता कि वह (अपराध करने के लिए) राजी हुई होगी। अगर जांच में मेरी बेटी भी दोषी पाई जाती है तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था। पिता प्रवीण गोयल ने कहा- केतन ही सिया को लोहगढ़ ले गया था।

सिया ने मुझे खुद ही कहा था कि इस लड़के से मेरा रिश्ता करवा दीजिए। केतन ने ही सिया को फोन कर लोहगढ़ किला जाने के लिए कहा था। वही कार लेकर आया था।

केतन सिया एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। एक बार तो केतन सुबह 4 बजे ही सिया से मिलने घर आ गया था।

केतन की हत्या के एक दिन पहले 17 जून को आरोपी सिया और प्रेमी चेतन चौधरी एक कैफे में मिले थे। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि यहीं लोहगढ़ किले पर केतन को खाई में धक्का देने का प्लान बनाया था।

दोनों ने वह पॉइंट भी ढूंढ लिया, जहां से केतन को धक्का देना था। यदि केतन इससे भी बच जाता तो 20 जून के बाद सड़क हादसे में मारने का बैकअप प्लान तैयार था।

दरअसल, 31 मई को सिया और मंगेतर केतन लोहगढ़ किले गए थे। वहां केतन एक खतरनाक जगह बैठा था। तभी सिया को उसे मारने का आइडिया आया।

14 जून को भी केतन को धक्का देने की कोशिश की गई थी। उस समय सिया ने सांप दिखने का बहाना बनाकर घटना को हादसा बताने की कोशिश की थी, लेकिन केतन बच गया था।

केतन मर्डर केस में उसकी मंगेतर सिया और सिया के लवर चेतन को 7 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, सिया और चेतन चौधरी एक-दूसरे को इस मर्डर का मास्टरमाइंड बता रहे।

पुलिस ने बुधवार को दोनों से आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की। इस दौरान दोनों का रवैया बदला हुआ था। चेतन ने पुलिस से कहा कि वह सिया के साथ भागना चाहता था, लेकिन वह तैयार नहीं थी। पूरा प्लान सिया ने ही बनाया था।

सिया ने कहा कि हत्या का आइडिया चेतन का था। 14 जून को पहली बार केतन को मारने की कोशिश नाकाम होने पर चेतन उसके सामने रोया था। हालांकि जांच अधिकारियों ने कहा कि ये आरोपियों की डिफेंस स्ट्रेटेजी हो सकती है।

31 मई: सिया को केतन की हत्या का प्लान सूझा: 11 फरवरी को सगाई के बाद केतन, सिया को घर लेकर आता था, साथ घूमने ले जाता था। उसे ट्रैकिंग यानी पहाड़ी चढ़ने का शौक था। उसने सिया से ट्रैकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब दोनों किले की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचे, तो यहीं सिया को पहली बार केतन से पीछा छुड़ाने के लिए उसे पहाड़ी से धक्का देकर मार डालने का प्लान सूझा।

कोलकाता-जयपुर में तेज बारिश, सड़कें डूबीं

अस्पताल-दुकानों में पानी भरा, एमपी में इंदौर के 15 टूरिस्ट प्लेस बंद, यूपी-बिहार में हीटवेव

नई दिल्ली/भोपाल, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून के इंतजार के बीच गुरुवार को जयपुर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में हुई 50मीमी बारिश से सड़कें डूब गईं। कई वाहन पानी की वजह से बंद हो गए। कई दुकानों-मकानों में भी पानी भर गया।

कोलकाता में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। दोपहर में करीब एक घंटे की बारिश से शहर की मुख्य सड़कों पर एक फीट तक पानी भर गया। कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल के अंदर तक पानी घुस गया। इससे मरीज और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई।

बारिश से हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 पर्यटन स्थलों में 22 अगस्त तक एंट्री बंद कर दी गई है। राज्य के शाजापुर में गुरुवार को बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 2 से 4 दिनों में मानसून पूरे राज्य को कवर कर सकता है।

इधर, यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका है। राज्य के 8 जिलों में गुरुवार को हीटवेव के हालात रहे। बिहार के 13 जिलों में तेज धूप के साथ गर्म हवा चली।

27 जून: असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होगी।

सिक्किम, गोवा, तेलंगाना और कर्नाटक में समुद्र के करीबी इलाकों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। आंध्र प्रदेश, झारखंड, ओडिशा में भी तेज बारिश की चेतावनी है।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र (नागपुर-अमरावती रीजन) में लगातार चौथे दिन हीटवेव का अलर्ट है।

28 जून: छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओडिशा, केरल, गोवा, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश की संभावना है।

बिहार में 50-60किमी की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में तेज हवा चलेगी।

राजस्थान में 30-40किमी की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी।

जंगली हाथी सड़क पर आया

पेड़ तोड़े, रोड पर खड़े वाहनों को धकेला जान जोखिम में डाल रील बनाते रहे युवक

जमशेदपुर, 26 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर के पूर्वी सिंहभूम स्थित चाकुलिया क्षेत्र में गुरुवार शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब 'रामलाल' नामक एक जंगली हाथी चांडिल बांध की बायीं नहर की सर्विस सड़क पर आ गया।

यहां के स्थानीय लोगों ने इस बड़े हाथी का नाम रामलाल रखा है। भोजन और पानी की तलाश में भटक रहे हाथी ने सड़क किनारे लगे खजूर के कई पेड़ों को तोड़ दिया। हाथी करीब एक घंटे तक सड़क पर ही डटा रहा, जिससे इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई।

बीच सड़क पर हाथी को देखकर राहगीरों के पहिए जहां के तहां थम गए। वहीं, दूसरी ओर सोशल मीडिया के दीवाने युवाओं की भारी भीड़ मौके पर उमड़ पड़ी। दर्जनों युवक हाथी के बेहद करीब जाकर खड़े हो गए और अपने मोबाइल से रामलाल की फोटो और वीडियो बनाने लगे।

इधर, हाथी ने बांस से लदे एक ट्रैक्टर और एक हाइवा को भी धक्का मार दिया। हाथी को सामने देख ट्रैक्टर चालक अपनी जान बचाकर वाहन छोड़कर भाग निकला, जबकि हाइवा चालक वाहन के अंदर सुरक्षित बैठा रहा।

घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर मौके पर जमा हो गए, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम (QRT) घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील करते हुए हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने का अभियान शुरू किया।

काफी प्रयासों के बाद हाथी को आबादी वाले क्षेत्र से हटाया जा सका। वन विभाग के अनुसार, 'रामलाल' पिछले कई दिनों से भोजन और पानी की तलाश में चाकुलिया और आसपास के इलाकों में घूम रहा है।

खजूर के पेड़ों के तनों का गुदा उसका पसंदीदा भोजन है, जिसके कारण वह बार-बार आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आ रहा है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि हाथी दिखने पर उसके पास न जाएं और तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

ठनका गिरने से चतरा में 3 और लोहरदगा में 2 महिलाओं की मौत, 11 लोग झुलसे

लोहरदगा, 26 जून (एजेंसियां)। लोहरदगा झारखंड में इन दिनों मानसून सक्रिय है। तेज आंधी के साथ कई इलाकों में बारिश हो रही है। मूसलाधार बारिश के बीच ठनका गिरने से लोहरदगा और चतरा जिले में पांच लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग झुलस गए।

चतरा जिले में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लावालौंग, मयूरहंड और सेवाल गांव में हुई घटनाओं में कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

उधर, लोहरदगा जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शुक्रवार को हुई वज्रपात की घटनाओं ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान कुडू थाना क्षेत्र के सलगी कोलपारा निवासी 48 वर्षीय घूरती उरांव और बगड़ू थाना क्षेत्र के चरहू गांव निवासी 40 वर्षीय असीदा खातून के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि घूरती उरांव खेत में काम कर रही थीं। इसी दौरान अचानक से हुए वज्रपात की चपेट में आ गई जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं असीदा खातून बकरियों को चराने गई थीं। इस दौरान अचानक मौसम बदलने के बीच आकाशीय बिजली गिरने से वह इसकी चपेट में आ गईं और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

वज्रपात में घायल होने वालों में कर्मा उरांव, सुनील उरांव, अनिल उरांव, सोमनाथ उरांव, सोनमती देवी, नीतू कुमारी, महेंद्र मुंडा और सरस्वती देवी शामिल हैं।

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का महापाप, कठोर दंड मिले

अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में की मांग

अयोध्या, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का अयोध्या में आम आदमी पार्टी प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंदा चोरी मामले पर जबरदस्त हमला बोला। अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या राम मंदिर पहुंचकर रामलाल के दर्शन किए। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में चंदा चोरी मामले पर भाजपा और सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या राम मंदिर के नाम पर पिछले तीन दशकों से एक पार्टी राजनीति कर रही है और अब चंदा चोरी में लग गई है। केजरीवाल ने इस मामले में बड़े-बड़े लोगों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कहा कि इस चोरी के खेल में सब मिले हुए हैं। उन्होंने चंदा चोरी के आरोपियों को सरेआम फांसी दिए जाने की मांग की। साथ ही, इस मामले से जुड़े लोगों और दलों के सामाजिक बहिष्कार की भी अपील कर डाली।

अरविंद केजरीवाल ने चंदा चोरी मामले में हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि भगवान राम के घर में डकैती हो गई है। भगवान राम के आभूषण, उनका हार, उनकी पादुका, उन पर चढ़ाए गए चांदी-सोना, हीरे-जवाहरात, करोड़ों-अरबों रुपये कैश चोरी कर लिए गए।

अरविंद केजरीवाल

इस चोरी में बहुत बड़े-बड़े राक्षस शामिल हैं। करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। लोग आहत हैं। मैं स्वयं बहुत आहत हुआ हूं। इसीलिए, आज मैं भगवान राम के दर्शन करने के लिए राम मंदिर गया।

केजरीवाल ने कहा कि राम मंदिर में जिन लोगों ने चोरी की है, जो इस बड़ी डकैती में शामिल है, उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि बदकिस्मती से जिनको कार्रवाई भी करनी है, जाहिर तौर पर वह अपने खिलाफ तो कार्रवाई करेंगे नहीं। वह अपने को पूरी पूरी तरह से अपने को बचाने में लगे हुए हैं।

राम मंदिर चंदा चोरी की जांच के लिए गठित एसआईटी और उसकी रिपोर्ट के आधार पर दर्ज एफआईआर को अरविंद केजरीवाल ने फर्जी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह जो फर्जी एसआईटी बनी और कल फर्जी एफआईआर हुई, उसमें आठ छोटे-छोटे प्यादों को आरोपी बनाया गया है। एक तरफ इतनी बड़ी महाडकैती हुई और दूसरी तरफ इसमें जितने बड़े-बड़े राक्षस शामिल हैं, उनको बचाने की कोशिश की जा रही है। यह एक तरह से सभी हिंदुओं के जले पर नमक छिड़कने वाली बात है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोगों का कहना है, उन्हें तब तक शांति नहीं मिलेगी, जब तक इन चोरी करने वाले लोगों को बड़े-बड़े लोगों को सरेआम फांसी की सजा नहीं दी जाएगी।

उन्होंने सिंधी एसोसिएशन के 26 जनवरी 2021 को 200 किलो चांदी दान में दिए जाने का मामला उठाया। साथ ही, अन्य दान के मामलों में रसीद न दिए जाने के मुद्दों पर सीधा वार किया।

गोरखपुर में एके-47 और रेड गैंग पर पुलिस का बड़ा एक्शन

सोशल मीडिया पर दहशत फैलाने वाले 13 युवक गिरफ्तार

गोरखपुर, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में जिले के कैंपियरगंज क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए दहशत फैलाने वाले एके-47 और रेड गैंग के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि ये युवक व्हाट्सएप पर अलग-अलग ग्रुप बनाकर एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक भाषा, धमकी भरे संदेश और हथियारों के साथ फोटो पोस्ट कर इलाके में भय का माहौल बना रहे थे।

पुलिस के अनुसार बीते कुछ दिनों से एके-47 और रेड गैंग नाम से संचालित व्हाट्सएप ग्रुपों में लगातार आपत्तिजनक और उकसाने वाले पोस्ट डाले जा रहे थे। इसकी लगातार शिकायतें मिलने के बाद कैंपियरगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर सर्विलांस की मदद से महज दो दिनों के भीतर 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने एके-47, महाकाल, रेड समेत कई नामों से सोशल मीडिया ग्रुप बना रखे थे। इन ग्रुपों में दबंगई दिखाने, विरोधियों को धमकाने और शक्ति प्रदर्शन से जुड़े पोस्ट साझा किए जाते थे। एसएसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने इनकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपियों में हरनाथपुर के प्रभाकर यादव, भरवलिया के ऋषिकेश साहनी, बसंतपुर टोला मनसा पुरवा के ऋषिकेश साहनी, गुलरिया टोला के विकास उर्फ छोटू, धर्मपुर टोला सिकंदरपुर के अनूप गुप्ता, भरवलिया के गुलशन साहनी, रामनगर केवटलिया के शेरू खान, रिंकू यादव, रितिक गुप्ता, गुलरिहा टोला लालपुर के शिवम शर्मा, महावनखोर के दीपांशु पासवान, हरनाथपुर के प्रतीक यादव और शवलहिया के नीरज पाल शामिल हैं।

एसपी नॉर्थ के मुताबिक इससे पहले भी इस गिरोह से जुड़े 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि एके-47 गैंग के सदस्य अपने शरीर पर एके-47 का टैटू बनवाकर पहचान बनाते थे, जबकि रेड गैंग के सदस्य अपने बाल लाल रंग में रंगते थे। पुलिस के अनुसार इस गिरोह की शुरुआत महराजगंज निवासी महावीर ने की थी।

मथुरा में गोल्ड खरीदने वालों की बल्ले-बल्ले!

जून में 15560 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, निवेशकों के लिए खुशखबरी

मथुरा, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। लगातार बढ़ती कीमतों के बीच यह गिरावट आभूषण खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों और निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है। खास बात यह है कि जून महीने की शुरुआत की तुलना में 24 कैरेट सोना अब तक 15,560 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो चुका है, जबकि चांदी के दाम में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

26 जून को मथुरा में 24 कैरेट सोने का भाव 1,41,470 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। एक दिन पहले यानी 25 जून को इसकी कीमत 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। इस तरह महज एक दिन में सोना 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया।

वहीं, चांदी की कीमत भी घटकर 2,55,900 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। 25 जून को इसका भाव 2,65,900 रुपये प्रति किलोग्राम था।

यानी चांदी में एक ही दिन में 10,000 रुपये प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई। पूरे जून महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो सोने की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिली है। 1 जून 2026 को 24 कैरेट सोने का भाव 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 26 जून तक घटकर 1,41,470 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। यानी महीनेभर में सोना 15,560 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो चुका है।

चांदी की कीमतों में भी पूरे महीने उतार-चढ़ाव बना रहा। जून के दौरान 999 शुद्धता वाली चांदी का अधिकतम भाव 3,01,000 रुपये प्रति किलो और न्यूनतम भाव 2,21,000 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया। महीने की शुरुआत में चांदी 3,00,900 रुपये प्रति किलो थी, जो अब घटकर 2,55,900 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। सर्राफा कारोबारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, डॉलर की चाल, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां और घरेलू मांग में बदलाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ रहा है। इन्हीं कारणों से पिछले कुछ दिनों में दोनों कीमती धातुओं के दाम में नरमी देखने को मिली है।

बीते कुछ महीनों से लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आम लोगों के लिए सोने-चांदी की खरीद मुश्किल होती जा रही थी। हालांकि, मौजूदा गिरावट से शादी-ब्याह के लिए आभूषण खरीदने वालों और निवेश करने की योजना बना रहे लोगों को राहत मिली है।

छत्तीसगढ़ में भी मुंबई-बेंगलुरु की तरह मिलेगी क्राफ्ट बीयर

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीयर पसंद करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब राज्य में अलग-अलग फ्लेवर वाली फ्रेश (क्राफ्ट) बीयर का स्वाद मिल सकेगा।

राज्य सरकार ने माइक्रो ब्रुअरी खोलने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद आबकारी विभाग लाइसेंस जारी करेगा।

सरकार का कहना है कि इससे लोगों को नया विकल्प मिलेगा और होटल-रेस्टोरेंट कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही सरकार की आय भी बढ़ेगी। माइक्रो ब्रुअरी में सीमित मात्रा में ताजा बीयर तैयार की जाती है और उसे उसी परिसर में मौजूद रेस्तरां या ग्राहकों को परोसा जाता है।

कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब और गोवा जैसे राज्यों में माइक्रो ब्रुअरी पहले से चल रही हैं। खासकर बेंगलुरु को देश की 'क्राफ्ट बीयर कैपिटल' माना जाता है।

अब छत्तीसगढ़ भी इस सूची में शामिल होने जा रहा है। लाइसेंस के लिए 10 लाख फीस होगी। 4 हजार वर्गफीट परिसर जरूरी होगा।

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- प्रधानों को प्रशासक कैसे बनाया

आपने अवमानना की है, पंचायत चुनाव टालना गलत, हलफनामा दीजिए

प्रयागराज, 26 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में पंचायत चुनाव टालने पर शुक्रवार को कड़ी नाराजगी जताई है। ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की बेंच ने सुनवाई की। उन्होंने सरकार से पूछा- आपने प्रधानों को प्रशासक कैसे बनाया? यह डिविजन बेंच के आदेश का उल्लंघन है, जो अदालत की अवमानना की कैटेगरी में आता है।

हाईकोर्ट ने कहा-प्रधानों को प्रशासक रूप में बने रहने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। 25 और 26 मई 2026 के जिन आदेशों के आधार पर ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का प्रयास किया गया, उन्हें पहले ही असंवैधानिक घोषित किया जा चुका है।

अदालत ने पंचायत चुनाव टालने को असंवैधानिक बताया है। कोर्ट ने सरकार से हलफनामे के साथ ओबीसी रिपोर्ट और पंचायत चुनाव कराने की टाइमलाइन मांगी है। हालांकि कोर्ट ने अभी किसी तरह की कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई है।

सहारनपुर के अरविंद राठौर ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि यदि अगली सुनवाई तक सरकार संतोषजनक जवाब नहीं देती तो संबंधित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

हाईकोर्ट के फैसले पर अखिलेश ने कविता के जरिए सरकार पर तंज कसा। उन्होंने लिखा- भाजपा बनने चली थी सयानी, निपट गई उसकी ही कहानी। भाजपा किसी घाट की नहीं रही। यूपी में पंचायतों का कार्यकाल 26 मई, 2026 को समाप्त हो चुका है। लेकिन, 25 मई को सरकार ने आदेश जारी कर ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया था। साथ ही पंचायत चुनाव के लिए ओबीसी आरक्षण तय करने को पिछड़ा वर्ग आयोग भी बनाया गया। उसे छह महीने का समय दिया गया, ताकि वो हर जिले में पिछड़ों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का आकलन कर सके।

फायर-सेफ्टी पर सरकार को फटकार एचसी बोला-टेंडर नहीं, काम दिखे

बिलासपुर, 26 जून (एजेंसियां)। लखनऊ अग्निकांड के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने फायर सेफ्टी सिस्टम की लचर व्यवस्था पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि केवल टेंडर दिखाने से काम नहीं चलेगा। जमीन पर काम होना चाहिए।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने उन सभी टेंडरों की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है, जो फायर ब्रिगेड के आधुनिक वाहनों और उपकरणों की खरीद के लिए जारी किए गए हैं। वहीं, जिला प्रशासन ने कोचिंग संस्थानों, मॉल, होटल और बहुमंजिला इमारतों की जांच के लिए कमेटियां गठित की हैं। शहर स्तर पर बनी कमेटी की अध्यक्षता एसडीएम करेंगे, जबकि हर अनुविभाग में एसडीएम की अगुवाई में अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। इन कमेटियों को 10 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, 2020 में फायर स्टेशन निर्माण की मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन ढाई साल बाद भी जिला प्रशासन उपयुक्त जमीन की पहचान नहीं कर सका।

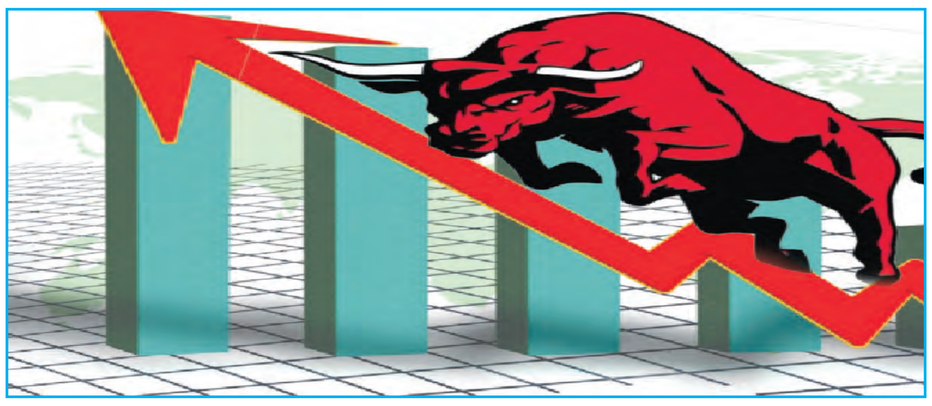

चीन के खिलाफ भारत उठाएगा बड़ा कदम?

चाइनीज माल की एंटी-डंपिंग जांच शुरू, व्यापार को लेकर फिर नया पंगा!

नई दिल्ली,26 जून (एजेंसियां)। भारत ने घरेलू विनिर्माताओं की अलग-अलग कई शिकायतों के आधार पर बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने चीन से इंपोर्ट किए जाने वाले 3 उत्पादों के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि अगर ये शिकायतें सही पाई जाती हैं तो इसके खिलाफ कड़ा एक्शन भी लिया जाएगा। इस जांच में चीन के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, अमेरिका और थाइलैंड जैसे देश भी शामिल हैं।

चीन के इन प्रोडक्ट्स के खिलाफ जांच

जेपीएफएल फिल्म्स ने चीन और थाइलैंड से आने वाली पैकेजिंग सेक्टर में उपयोग की जाने वाली बायएक्सियली ओरिएंटेड पॉलिएमाइड फिल्म के इंपोर्ट के जांच की मांग उठाई है। इसके अलावा भारतीय कंपनी विनती ऑर्गेनिक्स लिमिटेड ने चीन, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर से इंपोर्टेड कुछ एंटीऑक्सीडेंट के इंपोर्ट डंपिंग की जांच की मांग की है, जिनका उपयोग पॉलिमर उद्योग में होता है।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ थर्मल पेपर मैन्युफैक्चरर्स एंड अलाइड इंडस्ट्रीज ने थर्मल पेपर या थर्मल सेंसिटिव पेपर पर एंटी डंपिंग की मांग उठाई गई है। आईटीसी लिमिटेड ने चीन से इंपोर्ट किए जाने वाले डेकोर पेपर पर लागू एंटी डंपिंग शुल्क के 'सनसेट रिव्यू' की मांग की है।

भारतीय कंपनियों ने क्यों की शिकायत?

व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की नॉटीफिकेशन के अनुसार, सभी शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि इन देशों से डंप किए गए उत्पादों के इंपोर्ट किए जाने से भारत के घरेलू उद्योगों को बहुत अधिक नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों को बचाने के लिए एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की मांग उठाई है।

भारत क्या कदम उठाएगा?

भारतीय कंपनियों के घरेलू उद्योगों को नुकसान होने की शिकायत के बाद भारत के जवाबी कार्रवाई पर नजरें हैं। नॉटीफिकेशन के मुताबिक यदि ये पाया जाता है कि डंपिंग से घरेलू उद्योग को वास्तव में नुकसान पहुंचा है, तो डीजीटीआर इन उत्पादों के आयात पर शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। बता दें कि इंपोर्ट ड्यूटी को लागू करने का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेता है। भारत पहले भी चीन सहित कई अन्य देशों से सस्ते इंपोर्ट पर लगाम लगाने के लिए कई उत्पादों पर एंटी डंपिंग शुल्क लगा चुका है।

1 जुलाई से क्या-क्या बदल जाएगा?

लागू होने वाले नए नियमों का आपकी जेब पर कितना पड़ेगा असर?

नई दिल्ली,26 जून (एजेंसियां)। हर महीने की पहली तारीख अपने साथ कुछ नए नियम साथ लाती है. जून का महीना अब बस खत्म होने को है और जुलाई का महीना शुरू होने की कगार पर है. भारत में 1 जुलाई 2026 से कई महत्वपूर्ण वित्तीय नियम बदल रहे हैं, जिनका ग्राहकों और करदाताओं पर सीधा असर होगा. इन नए नियमों में यूपीआई से पीएफ की निकासी से लेकर डीए में बढ़ोतरी, एलपीजी की कीमतों में बदलाव जैसी कई चीजों के होने की उम्मीद है. आइए जानते हैं 1 जुलाई 2026 से क्या-क्या बदलाव होने जा रहे हैं.

आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन

नौकरीपेशा और बिना ऑडिट वाले टैक्सपेयर्स के लिए सैलरीड इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है. यानी कि सैलरी पाने वाले कर्मचारी और वे लोग जिनकी इनकम कैपिटल गेन्स, हाउस प्रॉपर्टी या ऐसी दूसरी नॉन-बिजनेस इनकम से होती है जिसके लिए ऑडिट की जरूरत नहीं है, उन्हें आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फॉर्म भरने होंगे.

एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड के बदलेंगे नियम

1 जुलाई से नए वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही शुरू हो रही है. इस मौके पर एचडीएफसी बैंक ने अपना रेगलिया गोल्ड और डाइनर्स क्लब प्रिविलेज क्रेडिट कार्ड के नियमों में कुछ बदलाव करने जा रहा है. पहले लागू हो चुके कुछ बदलावों के अलावा 1 जुलाई 2026 से एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस से जुड़े नए नियम लागू होंगे कुछ बदलाव पहले ही लागू हो चुके हैं, जबकि 1 जुलाई 2026 से एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस से जुड़े नए नियम लागू होंगे.नए नियम के अनुसार, 1 जुलाई से एचडीएफसी बैंक रेगलिया गोल्ड क्रेडिट कार्ड यूजर्स को घरेलू एयरपोर्ट लाउंज का एक्सेस पाने के लिए हर तिमाही में खर्च की एक नई सीमा पूरी करनी होगी. इस पॉलिसी के तहत, ग्राहकों को अगली तिमाही में मुफ्त घरेलू एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस पाने के लिए पिछली तिमाही में कम से कम 60000 रुपये खर्च करने होंगे.

एलपीजी, सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में संभावित बदलाव

हर महीने की पहली तारीख़ की तरह 1 जुलाई को भी तेल विपणन कंपनियां एलपीजी सिलेंडर, सीएनजी और पीएनजी की कीमतों की समीक्षा करेगी. इस दौरान घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में बदलाव देखने को मिल सकता है. साथ ही एयर टर्बाइन फ्यूल के लिए भी नए रेट जारी किए जाएंगे, जिसका हवाई जहाजों की टिकट की कीमतों पर बड़ा असर पड़ेगा.

यूपीआई निकाला जा सकेगा पीएफ

1 जुलाई से यूपीआई से पीएफ निकालना एटीएम से कैश निकालने जितना आसान हो जाएगा. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के जुलाई में अपने नए डिजिटल प्लेटफॉर्म ईपीएफओ 3.0 को लॉन्च करने की उम्मीद है. इस सुविधा के शुरू होने के साथ ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स यूपीआई के जरिए अपने पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे. नई व्यवस्था लागू होने के बाद पीएफ का पैसा निकालने में कुछ दिन नहीं, बल्कि चंद मिनट लगेंगे. विदेश मंत्रालय ने एक दशक से भी अधिक समय के बाद पासपोर्ट फीस में भारी बढ़ोतरी की है. 1 जुलाई से लागू नए नियमों के तहत, 36- पेज के नए या री-इश्यू पासपोर्ट की फीस 1500 रुपये से बढ़कर 2500 रुपये हो जाएगी. यानी कि सीधे 1000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है. वहीं, तत्काल सर्विस के लिए अब पहले के 3500 की जगह 5000 रुपये देने होंगे. 60- पेज के जंबो पासपोर्ट की फीस भी बढ़ाकर 6000 रुपये तक कर दी जाएगी.1 जुलाई से बिना टिकट यात्रा करने पर डबल जुर्माना देना होगा. नए नियमों के तहत, जुर्माने की राशि को 250 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये किया जा रहा है।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होते ही भारत को मिली गुड न्यूज, बदलने लगे दुनिया के अनुमान

नई दिल्ली,26 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में शांति वार्ता के कारण कच्चे तेल की कीमत में कमी आई है और सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियां कम हुई हैं। इसके साथ ही भारत के लिए भी गुड न्यूज है।

ग्लोबल इनवेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने 2026 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। पहले उसने इसके 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। निवेश बैंक ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की भी जीडीपी विकास दर अनुमान को 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। गोल्डमैन सैश ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम कम होने के बाद उसने अपने अनुमानों में बदलाव किया है।इसमें मुख्य महंगाई दर के अनुमान को भी 0.2 प्रतिशत अंक घटाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया है और चालू खाता घाटे के अनुमान को भी 0.2 प्रतिशत अंक घटाकर जीडीपी का 1.1 प्रतिशत कर दिया है। निवेश बैंक को अब उम्मीद है कि इस साल बैलेंस ऑफ पेमेंट्स (बीओपी) जीडीपी का 0.7 प्रतिशत अधिशेष पर रहेगा।निवेश बैंक ने कहा कि 2026 की पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर आर्थिक गतिविधि और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण उसने अपने ग्रोथ आउटलुक को ऊपर की ओर संशोधित किया है। मजबूत निवेश और सर्विस सेक्टर की अच्छी गतिविधि के कारण पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत रही। हालांकि गोल्डमैन सैश को उम्मीद है कि ईंधन की कीमतों में पहले हुई बढ़ोतरी के कारण दूसरी और तीसरी तिमाही में खपत की वृद्धि दर धीमी हो जाएगी, लेकिन तेल की कीमतों में गिरावट ने खुदरा ईंधन की कीमतों में और बढ़ोतरी की जरूरत को काफी कम कर दिया है। इससे तीसरी तिमाही के बाद घरेलू खर्च पर अतिरिक्त दबाव सीमित हो जाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में नरमी से उर्वरकों और पेट्रोलियम उत्पादों पर सरकार के सब्सिडी बिल में कमी आने की उम्मीद है।

सूरत, पानीपत और लुधियाना से आगे की सोच रही सरकार, कपड़ा उद्योग को लेकर बड़ा प्लान

नई दिल्ली,26 जून (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत शहर की पहचान साड़ियों और कपड़ों से है, ठीक इसी तरह तमिलनाडु का तिरुपुर भी टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए जाना जाता है। कपड़ा उद्योग में सूरत का नाम सालों से रोशन है। लेकिन, अब भारत सरकार तिरुपुर और सूरत जैसे स्थापित केंद्रों से आगे बढ़कर अपने टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग का दायरा बढ़ाना चाहती है। इसके लिए टेक्सटाइल मिनिस्ट्री उन राज्यों में अपनी पहुंच बढ़ा रही है जहां इस इंडस्ट्री की मौजूदगी अभी कम है।

एक अधिकारी ने कहा, छत्तीसगढ़, केरल और झारखंड में टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए इन राज्यों के साथ बातचीत चल रही है।

क्या है सरकार की प्लानिंग?

अधिकारी ने बताया कि सरकार टेक्सटाइल के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत ज़्यादा इन्वेस्टमेंट लाने और इसे आसानी से लागू करने की कोशिश कर रही है। यह सेक्टर देश में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाले सेक्टर में से एक है, जो सीधे तौर पर 4.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों को रोज़गार देता है।

अभी टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग मुख्य रूप से तिरुपुर, सूरत, पानीपत और लुधियाना में केंद्रित है। पीएलआई के तीसरे दौर की शुरुआत के साथ, मंत्रालय ने एक खास यूनिट बनाई है जो

सीधे कंपनियों और राज्यों के साथ काम करेगी। अधिकारी ने कहा, मकसद है कि हम जुड़े रहें और ज़मीनी स्तर पर आने वाली किसी भी समस्या का समाधान करें।

हमने उन राज्यों से संपर्क किया है जहां कंपनियां प्रोडक्शन यूनिट लगा रही हैं, ताकि यह पक्का किया जा सके कि काम आसानी से हो।

बांग्लादेश से भारत आ रहा निवेश

भारत और बांग्लादेश के बीच टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स मैन्युफैक्चरिंग में शुरू से कड़ी टक्कर रही है, और बांग्लादेश बढ़त बनाकर चला।

लेकिन, हाल के वर्षों में बांग्लादेश में अस्थिरता के कारण कई बड़े ग्लोबल ब्रांड्स की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। इस वजह के चलते खरीदार ₹बांग्लादेश प्लस वन₹ की स्ट्रैटे अपना रहे हैं और अपने ऑर्डर भारत (विशेषकर तिरुपुर और नोएडा) की ओर शिफ्ट कर रहे हैं।

शराब की कमाई से मालामाल दिल्ली सरकार

सिर्फ तीन महीने में 1038 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शराब पर टैक्स से मोटी कमाई की है.जानकारी के मुताबिक, आबकारी विभाग ने कारोबारी साल 2026-27 में अप्रैल से जून के दौरान लगभग 1,038 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 17% ज्यादा है. अधिकारियों का कहना है कि रेवेन्यू में आए इस उछाल का एक बड़ा कारण सरकारी दुकानों में इस साल शराब के विभिन्न ब्रांडों की अधिक उपलब्धता है.

पिछले साल कमाई का आंकड़ा 885 करोड़ रुपये था. इस बारे में एक अधिकारी ने कहा, इस साल की चालू तिमाही में एक्साइज़ रेवेन्यू में लगभग 17% की बढ़ोतरी हुई है और यह 1,038 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 885 करोड़ रुपये था. अधिकारियों का कहना है कि 2025-26 में लगभग 7,148 करोड़ रुपये के कुल रेवेन्यू कलेक्शन के मुकाबले 2026-27 के लिए कुल एक्साइज रेवेन्यू का लक्ष्य 7,200 करोड़ रुपये तय किया गया है. उन्हें उम्मीद है कि रजिस्टर्ड ब्रांड्स की संख्या बढ़ने से ग्राहकों को दुकानों पर ज्यादा विकल्प मिलेंगे और इससे दिल्ली को सालों से खोया हुआ मार्केट शेयर वापस पाने में मदद मिलेगी.

बता दें कि दिल्ली के सरकारी ठेकों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स की हिस्सेदारी बढ़कर 54% तक पहुंच गई है, जो पिछले साल महज 24% थी. पहले दिल्ली में चुनिंदा ब्रांड्स न मिलने की वजह से ग्राहक नोएडा, गुरुग्राम का रुख करते थे. वहां शराब के ज्यादा विकल्प और बेहतर कीमत के चलते खरीदार राजधानी छोड़कर वहीं जा रहे थे. पिछले साल पॉलिसी लागू करने को लेकर अनिश्चितता के कारण रजिस्ट्रेशन की रफ्तार धीमी हो गई थी, लेकिन अब सरकार द्वारा आबकारी नीति को एक और साल बढ़ाने के फैसले से बाजार में अनिश्चितता खत्म हो गई है और कंपनियों ने अपने ब्रांड्स के रजिस्ट्रेशन की रफ्तार भी तेज कर दी है.

78 साल पुरानी ट्रेन बोगी बनाने वाली कंपनी को मिला 44.40 करोड का नया ऑर्डर, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ी धाक

नई दिल्ली,26 जून (एजेंसियां)। बीईएमएल लिमिटेड (पूर्व में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) ने अपने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर बुक में एक खास बढ़त के साथ निर्यात में अपनी गति को बरकरार रखा है। भारी इंजीनियरिंग क्षेत्र की इस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने लगभग 5.35 मिलियन डॉलर (लगभग 44.40 करोड़) का एक अतिरिक्त ऑर्डर हासिल किया है, जिससे खनन और निर्माण उपकरण क्षेत्र में इसकी वैश्विक उपस्थिति और मजबूत हुई है। यह विकास अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय इंजीनियरिंग समाधानों की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है और बीईएमएल के डॉलर-आधारित राजस्व को मजबूत करता है।बीईएमएल लिमिटेड माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के लिए भारी अर्थमूविंग इक्विपमेंट, डिफेंस फोर्सेस के लिए गाड़ियां और मेट्रो व इंडियन रेलवे के लिए कोच जैसे कई तरह के प्रोडक्ट बनाती है। इसमें डिफेंस

और एयरोस्पेस, कोयला, माइनिंग, स्टील, सीमेंट, बिजली, सिंचाई, कंस्ट्रक्शन, इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे और मेट्रो ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम शामिल हैं। इस सेगमेंट के अंतर्गत, कंपनी ने शुरुआत में भारतीय रेलवे और फिर मेट्रो के लिए कोचों का निर्माण किया, जिसकी स्थापना सरकार द्वारा 1948 में की गई थी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर बीईएमएल लिमिटेड का अंतिम कारोबार मूल्य 1,748.70 है , जो इसके पिछले बंद भाव से 0.23% (4.10 की गिरावट) दर्शाता है। बीईएमएल ने 2,366.30 का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर और 1,355.00 का 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर छुआ है ।

महाराष्ट्र और तेलंगाना में 85 फीसदी तक घटी बुवाई

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। मानसून की सुस्ती ने इस साल देश के बड़े कृषि उत्पादक राज्यों को चिंता में डाल दिया है। इन राज्यों में खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल के मुकाबले 85 फीसदी तक कम हुई है। महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार तक महाराष्ट्र में सिर्फ 5,16,250 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुवाई हो सकी है, जो पिछले साल के 33.8 लाख हेक्टेयर से करीब 85 फीसदी कम है। राज्य के सामान्य खरीफ क्षेत्र (157.5 लाख हेक्टेयर) का अभी तक सिर्फ 3 फीसदी हिस्सा ही कवर हो पाया है। महाराष्ट्र में बारिश तो शुरू हो गई है, लेकिन कमी अभी तक पूरी नहीं हुई है। राज्य में एक से 24 जून के दौरान सामान्य से 63 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। जलाशयों में पानी का स्तर घटकर 23 फीसदी रह गया है, जो पिछले साल 40 फीसदी था। राज्य में धान का रकबा 58,583 हेक्टेयर से घटकर 29,525 हेक्टेयर, मक्का 3.66 लाख हेक्टेयर से गिरकर 30,428 हेक्टेयर और बाजरा 1.08 लाख हेक्टेयर से घटकर 2,743 हेक्टेयर रह गया है। सोयाबीन का रकबा 11.5 लाख हेक्टेयर से घटकर सिर्फ 60,441 हेक्टेयर पर आ गया है। कपास की बुवाई भी 11.5 लाख हेक्टेयर से घटकर 3,40,817 हेक्टेयर रह गई है। वहीं, तेलंगाना में 14.8 लाख एकड़ में बुवाई हुई है, जो पिछले साल के 28.4 लाख एकड़ से 48 फीसदी कम है। यह सामान्य सीजन क्षेत्र 132.4 लाख एकड़ का 11 फीसदी ही है। प्रदेश में जून में अब तक 84.6 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 17 फीसदी कम है। हालांकि, जलाशयों में पानी का स्तर पिछले साल से बेहतर है। ट्रैक्टर और एंट्री-लेवल दोपहिया बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में बिक्री मजबूत रही थी, लेकिन खेती की इस सुस्ती के कारण साल का अंत मामूली बढ़त या गिरावट के साथ हो सकता है। ग्रामीण मांग कमजोर होने के कारण प्रीमियम पर्सनल केयर, पैकेज्ड स्नैक्स, गर्म पेय पदार्थ और होम इंप्रूवमेंट से जुड़े सामानों की बिक्री पर बड़ी मार पड़ सकती है। हालांकि, खाद्य और जरूरी वस्तुओं की बिक्री पर इसका बड़ा असर नहीं पड़ने का अनुमान है।राजस्थान में सोमवार तक 32.78 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है, जो पिछले साल के 32.84 लाख हेक्टेयर के लगभग बराबर है। राज्य के सामान्य क्षेत्र 164.1 लाख हेक्टेयर का 20 फीसद हिस्सा कवर हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय बाजा में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट की तरफ बढ़ रहा सोना

नई दिल्ली,26 जून (एजेंसियां)। मुहर्रम के मौके पर आज एमसीएक्स पर सुबह के सत्र में ट्रेडिंग बंद है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना लगातार चौथे हफ्ते गिरावट की तरफ बढ़ रहा है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदों के कारण डॉलर मजबूत हुई है। साथ ही निवेशक अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का भी आकलन कर रहे हैं।

'आशंका जताई जा रही है कि यह समझौता कभी भी टूट सकता है। इसका असर सोने की कीमत पर देखने को मिल रहा है। स्पॉट गोल्ड 0.1% गिरकर $4,022.95 प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। इस हफ्ते इसमें 3.4% गिरावट आई है। अगस्त डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड फ़्यूचर्स 0.2% गिरकर $4,038.10 पर आ गया। ईरान ने गुरुवार को होर्मुज की खाड़ी में एक जहाज पर हमला किया। इससे यूएन की संस्था इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देने का अपना ऑपरेशन रोक दिया। इससे अमेरिका-ईरान डील को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गईं हैं।इस बीच अमेरिका में गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मई में देश में महंगाई और इजाफा हुआ। एनर्जी की कीमतें बढ़ने से महंगाई दर तीन साल में पहली बार 4.0% के स्तर को पार कर गई। ट्रेडर्स को इस साल फेड द्वारा ब्याज दरों में तीन बार बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस बीच मई में हांग कांग के जरिए चीन का नेट गोल्ड इंपोर्ट अप्रैल के मुकाबले करीब 38% गिर गया।

सर्राफा बाजार में कीमत

हालांकि सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 270 रुपये की तेजी के साथ 141600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना 250 रुपये की गिरावट के साथ 129800 रुपये पर पहुंच गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना भी 200 रुपये ऊपर 106200 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी 5,000 रुपये की तेजी के साथ 2,40,000 रुपये प्रति किलो पर है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	05-00 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	कर्क	07-12 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	09-24 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या	11-30 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	13-36 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक	15-46 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	18-00 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	20-05 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	21-56 बजे
			मीन	23-34 बजे
			मेष	01-10 बजे
			वृष	02-56 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-47**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -49**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ शनिवार **27 June 2026**
तिथि - शुक्ल पक्ष त्रयोदशी **00-43** तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - अनुराधा **22-11** रात्रि तक उप ज्येष्ठा
योग. - साध्य **12-32** तक उप शुभ
करण - कौलव **11-32** तक उप तैतिल

विशेष: शनि प्रदोष व्रत
वट सावित्री व्रत प्रा

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
09-02 से
10-41 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर **Ph 9247132654**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05-47 - 07-24	अशुभ	लाभ	18-47 - 20-15	शुभ
शुभ	07-24 - 09-02	शुभ	उत्पात	20-15 - 21-36	अशुभ
रोग।।	09-02 - 10-41	अशुभ	शुभ	21-36 - 22-58	शुभ
उत्पात	10-41 - 12-19	अशुभ	अमृत	22-58 - 00-19	शुभ
चंचल	12-19 - 13-58	शुभ	चंचल	00-19 - 01-41	शुभ
लाभ	13-58 - 15-36	शुभ	रोग	01-41 - 03-03	अशुभ
अमृत	15-36 - 17-15	शुभ	काल	03-03 - 04-24	अशुभ
काल	17-15 - 18-49	अशुभ	लाभ	04-24 - 05-49	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे । आप अपनी कार्य क्षमताओं से हर किसी को प्रभावित करेंगे।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज के दिन आपको अपने सहकर्मियों के साथ सतर्कता बरतनी जरुरी है । कुछ तर्क वितर्क और विवाद के कारण आपके दफ्तर का माहौल ख़राब हो सकता है इसलिए बेफाल्तू के वाद विवाद से अपने को बचाकर रखे । आज के दिन कुछ क्षेत्रों में उच्च अधिकारीयों से आपके विचार अलग हो सकते है हालाँकि धातु या कृषि उत्पाद में निवेश आप के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है । जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप स्वभाव से गंभीर हैं और अपने कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता का फल अब मिलने का समय है । दिन के अंत में प्रमुख वित्तीय लाभ की भी संभावना है जो आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित की है। लेकिन आपको केवल जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए बल्कि कार्यों को करने में हास्य की भावना विकसित करे ताकि आप को कार्य करते हुए आनंद की प्राप्ति हो ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

साधु की हत्या कर काट दिए थे दोनों पैर

सात साल बाद आरोपी को उम्रकैद पहचान मिटाने की थी साजिश

बालोतरा, 26 जून (एजेंसियां)। बालोतरा जिले के समदड़ी क्षेत्र में सात वर्ष पहले हुए चर्चित साधु हत्याकांड में आखिरकार अदालत ने अपना फैसला सुना दिया। बालोतरा सेशन न्यायालय ने आरोपी ओमगिरी उर्फ ओमप्रकाश को हत्या और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार देते हुए आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने माना कि पुलिस ने वैज्ञानिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या की गुत्थी सुलझाकर आरोपी के खिलाफ मजबूत मामला पेश किया।

खेत में मिला था क्षत-विक्षत शव

मामला 16 फरवरी 2019 का है। समदड़ी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि सुरपुरा गांव स्थित धजाजाल बालाजी मंदिर से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान देवेन्द्रगिरी उर्फ जोगसिंह के रूप में की। शव कई दिन पुराना था। मृतक के दोनों पैर जांघों से कटे हुए थे और सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले थे। घटनास्थल पर वाहन के टायर और शव को घसीटकर ले जाने के निशान मिलने के बाद पुलिस ने इसे हत्या का मामला मानकर जांच शुरू की।

शराब के दौरान हुआ विवाद, बैसाखी से किया हमला

जांच में सामने आया कि आरोपी ओमगिरी धजाजाल हनुमान मंदिर में पुजारी के रूप में रहता था और मृतक का भी वहां नियमित आना-जाना था। घटना वाले दिन दोनों ने साथ बैठकर शराब पी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बैसाखी से मृतक के सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी दोनों पैरों से दिव्यांग था और बैसाखियों के सहारे चलता था। शव को वाहन में रखने में दिक्कत होने पर उसने कुल्हाड़ी से मृतक के दोनों पैर काट दिए और शव को सुनसान इलाके में फेंककर पहचान छिपाने तथा साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया।

बिना प्रत्यक्षदर्शी के पुलिस ने तैयार की मजबूत साक्ष्य श्रृंखला

इस मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं था। इसके बावजूद पुलिस ने घटनास्थल से जुटाए गए भौतिक साक्ष्यों, मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच, परिस्थितिजन्य तथ्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर मजबूत साक्ष्य श्रृंखला तैयार की। तत्कालीन थानाधिकारी एवं अनुसंधान अधिकारी भूटाराम ने वैज्ञानिक तरीके से जांच पूरी की और घटना के महज दो महीने बाद 18 अप्रैल 2019 को न्यायालय में आरोप-पत्र पेश कर दिया।

केस ऑफिसर स्कीम में हुई निगरानी

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे केस ऑफिसर स्कीम में शामिल किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने समय-समय पर जांच और न्यायालयीन कार्रवाई की समीक्षा की।

अभियोजन पक्ष ने अदालत में 23 गवाह और 74 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए। लोक अभियोजक नेमाराम चौधरी ने प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी के खिलाफ साक्ष्यों को मजबूती से रखा।

बॉर्डर पर धार्मिक ढांचों को हटाने के नोटिस पर हाईकोर्ट पहुंचा मामला

29 जून को होगी सुनवाई

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में धार्मिक स्थलों को जारी किए गए ध्वस्तीकरण नोटिसों के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं।

केंद्र सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास कथित अतिक्रमण हटाने के फैसले के बाद यह मामला न्यायालय पहुंचा है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) को याचिकाओं की प्रतियां उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए सभी मामलों की सुनवाई 29 जून को तय की है।

याचिकाओं में जैसलमेर जिले के रामगढ़ स्थित पीर मोहम्मद जिलानी दरगाह समिति भी शामिल है। समिति का कहना है कि यह दरगाह 200 वर्ष से अधिक पुरानी है और यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

राजस्थान में खाकी शर्मसार

थाने में फरियादी के सामने टेबल पर पैर रखकर बैठी थी कांस्टेबल; एसपी ने किया सस्पेंड

बांसवाड़ा, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थाना परिसर से सामने आई एक तस्वीर ने पुलिस विभाग की कार्यशैली और अनुशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीर में एक महिला कांस्टेबल शिकायत लेकर पहुंचे बुजुर्ग फरियादी के सामने गैर-पेशेवर अंदाज में कुर्सी पर बैठी नजर आई। तस्वीर वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने मामले का संज्ञान लेते हुए महिला कांस्टेबल को तत्काल निलंबित कर दिया।

सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होने के बाद बढ़ा विवाद

तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने महिला कांस्टेबल के व्यवहार पर नाराजगी जताई। कई लोगों ने इसे पुलिस विभाग की गरिमा और आम नागरिकों के सम्मान के विपरीत बताया। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि थाने में न्याय और सहायता की उम्मीद लेकर आने वाले लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। ऐसे मामलों से पुलिस की सार्वजनिक छवि प्रभावित होती है। मामले के तूल पकड़ने के बाद डूंगरपुर पुलिस अधीक्षक ने तस्वीर की प्रारंभिक जांच कराई। जांच में मामला प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर बिछीवाड़ा थाने में तैनात महिला कांस्टेबल रीना गर्ग को निलंबित कर दिया गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी के दौरान अनुशासनहीनता और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभागीय नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विभागीय जांच की मांग

घटना के बाद स्थानीय स्तर पर भी इस मामले की चर्चा तेज हो गई है। कई लोगों ने पुलिसकर्मियों से आमजन के प्रति संवेदनशील और मर्यादित व्यवहार की अपेक्षा जताई है। साथ ही मामले की विस्तृत विभागीय जांच कर दोषी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विभाग की साख और जनता का विश्वास बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे मामलों में भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

निर्जला एकादशी पर श्रीनाथजी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

कलियों के श्रृंगार में दिए दिव्य दर्शन

राजसमंद, 26 जून (एजेंसियां)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर राजसमंद जिले के नाथद्वारा स्थित पुष्टिमार्गीय प्रधानपीठ श्रीनाथजी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह मंगला दर्शन से लेकर राजभोग और संध्या दर्शन तक भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने गिरिराजजी और मंदिर की परिक्रमा कर दान-पुण्य किया तथा प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। निर्जला एकादशी पर प्रभु श्रीनाथजी का विशेष श्रृंगार किया गया। प्रभु को श्वेत मलमल का पिछोड़ा धारण कराया गया। साथ ही वनमाला के चरणारविंद तक ऊष्णकालीन हल्के मोतियों का श्रृंगार, मोतियों का किरीट, पान, कुंडल, कली की माला और पुष्पमालाएं अर्पित की गईं। संध्या आरती के समय प्रभु को आकर्षक कलियों का श्रृंगार धारण कराया गया, जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंगला दर्शन से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। राजभोग के दर्शनों के दौरान भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। निर्जला एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं

मृत्युभोज में 'घी के मालपुए' नहीं मिलने पर 43 परिवारों का हुक्का-पानी बंद, पंचों का फैसला

सिरोही, 26 जून (एजेंसियां)। 21वीं सदी के डिजिटल इंडिया में जब हम चांद और मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, ठीक उसी वक्त राजस्थान के सिरोही जिले का मंडवारिया गांव दकियानूसी सोच के अंधेरे में डूब गया है। यहां एक बेबस परिवार में मौत का मातम पसरा था, लेकिन खुद को समाज का भाग्यविधाता समझने वाले पंचों की नजरें मृतक की आत्मा की शांति पर नहीं, बल्कि मृत्युभोज की थाली में तैरने वाले 'घी के मालपुए' पर टिकी थीं। आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक गरीब परिवार ने जब कर्ज लेकर समाज को घी के मालपुए खिलाने से मना कर दिया, तो पंचों का 'ईगो' इस कदर तिलमिला उठा कि उन्होंने पूरे गांव को बंधक बना डाला।

घी के मालपुए पर एक इंकार और 43 परिवारों को सजा

मंडवारिया गांव के इस पीड़ित परिवार की माली हालत इतनी खराब थी कि वे सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार का खर्च भी बमुश्किल जुटा पाए थे। उन्होंने हाथ जोड़कर समाज के सामने सादा भोजन परोसने की मिन्नतें कीं। लेकिन, पंचों की सनक को यह सादगी नागवार गुजरी। उन्हें लगा कि बिना घी के मालपुए के मृत्युभोज होना उनके रुतबे का अपमान है। गुस्साए पंचों ने तुरंत पंचायत बुलाई और तुगलकी फरमान सुना दिया। सजा सिर्फ उस एक परिवार को नहीं मिली, बल्कि उनके हक में खड़े होने वाले और इस अन्याय का विरोध करने वाले गांव के 43 अन्य परिवारों का भी हुक्का-पानी एक झटके में बंद कर दिया गया।

न बात करने की इजाजत, न खेतों में मजदूरी

यह बहिष्कार सिर्फ हुक्का-पानी बंद होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इन परिवारों के खिलाफ एक सोची-समझी आर्थिक नाकेबंदी है। पंचों के खौफ के कारण गांव का कोई भी व्यक्ति इन 43 परिवारों से बात तक नहीं कर रहा है।

हद तो तब हो गई जब इन गरीब परिवारों को खेतों और स्थानीय स्तर पर मजदूरी देने से भी साफ मना कर दिया गया ताकि वे दाने-दाने को मोहताज हो जाएं। इस अमानवीय प्रताड़ना का सबसे बुरा असर घर की महिलाओं और मासूम बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें गांव की गलियों में किसी मुजरिम की तरह अछूत जैसा बर्ताव सहना पड़ रहा है।

मनीष शर्मा से बना 'मोइन खान'

हिंदू महिलाओं को फंसाने का आरोप, अब पीएम तक पहुंचा 'धर्मांतरण' की साजिश का मामला

कोटा, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा शहर के विज्ञान नगर थाना क्षेत्र में धार्मिक भावनाएं भड़काने और सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं के शोषण के आरोपों से जुड़ा एक मामला सामने आया है। बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपी के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच कर रही है।

युवतियों और महिलाओं को जाल में फंसाने का आरोप

बजरंग दल के पदाधिकारी योगेश रेनवाल ने आरोप लगाया कि विज्ञान नगर निवासी मनीष शर्मा उर्फ मोइन खान पिछले कई सालों से सोशल मीडिया के माध्यम से धर्म विशेष की युवतियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी महिलाओं पर धार्मिक प्रतीकों के साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाने का दबाव डालता था। साथ ही इन फोटो और वीडियो को विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप्स में साझा करने के भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच कर रहे उद्योग नगर थाने के जांच अधिकारी मांगीलाल ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन से बड़ी संख्या में आपत्तिजनक फोटो और वीडियो मिले हैं। मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए एफएसएल भेजा गया है।

फर्जी सुप्रीम कोर्ट बनाकर ऐंठे करोड़ों रुपये

सीबीआई के 'ऑपरेशन चक्र' से कांपा साइबर सिंडिकेट

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। अगर आपके मोबाइल पर कोई अनजान वीडियो कॉल आए और सामने पुलिस या कोर्ट की वर्दी में बैठा शख्स कहे कि 'आप डिजिटल अरेस्ट हैं,' तो डरिए मत, बल्कि सावधान हो जाइए। देश में पैर पसार चुके इसी खौफनाक 'डिजिटल अरेस्ट' सिंडिकेट को नेस्तनाबूद करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रव्यापी एक्शन लिया है।

सीबीआई ने 'ऑपरेशन चक्र VI' के तहत राजस्थान सहित देश के 16 राज्यों में एक साथ 80 से अधिक ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की है। इस महा-कार्रवाई में जांच एजेंसी ने साइबर अपराधियों के उस पूरे इंफ्रास्ट्रक्चर को ध्वस्त कर दिया है, जो देश भर में 200 से अधिक बड़े साइबर फ्रॉड को अंजाम दे चुका था।

सुप्रीम कोर्ट की फर्जी वेबसाइट और 'जज' बनकर वसूली

इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश तब हुआ जब खुद सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने सीबीआई में एक शिकायत दर्ज कराई। ठगों ने चालाकी की सारी हदें पार करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत की हूबहू दिखने वाली एक फर्जी वेबसाइट बना डाली थी। ये शातिर ठग इसी फर्जी डोमेन का इस्तेमाल कर मासूम लोगों को सुप्रीम कोर्ट के जाली ऑर्डर्स और कानूनी दस्तावेज भेजते थे। पीड़ितों को डराया जाता था कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग या ड्रग्स तस्करी की जांच चल रही है और उन्हें कैमरे के सामने 'डिजिटल अरेस्ट' रहने का हुक्म दिया जाता था। इस खौफ के बदले उनसे करोड़ों रुपये ऐंठ लिए जाते थे।

राजस्थान समेत 16 राज्यों में 60 स्पेशल टीमें

सीबीआई ने इस गिरोह को दबोचने के लिए 60 विशेष टीमों का गठन किया। इन टीमों ने राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत 16 राज्यों में एक साथ जाल बिछाया। इस दौरान चेन्नई और कोलकाता से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी फर्जी शेल कंपनियां बनाने और 'म्यूल बैंक अकाउंट्स' (दूसरों के नाम पर खुले खाते) को ऑपरेट करने में शामिल थे। इन खातों के जरिए 'डिजिटल अरेस्ट' से कमाए गए करीब 2 करोड़ रुपये की हेराफेरी की जा चुकी है।

भारत ही नहीं, विदेशी नागरिक भी थे निशाने पर

सीबीआई की छापेमारी में भारी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, जाली अदालती दस्तावेज और बैंक ट्रांजैक्शन के रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। शुरुआती जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस गैंग के तार विदेशों से भी जुड़े हैं। ये ठग न सिर्फ भारतीय नागरिकों बल्कि दूसरे देशों के लोगों को भी अपना शिकार बना रहे थे। अब सीबीआई विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर इस अंतरराष्ट्रीय साइबर नेटवर्क के तकनीकी और वित्तीय ढांचे को पूरी तरह उखाड़ फेंकने में जुट गई है।

खेल कोटा फर्जी प्रमाण-पत्र मामले में एसओजी की बड़ी कार्रवाई

> टोगोबार खेल संघ का पूर्व सचिव गिरफ्तार

SOG के हत्थे चढ़ा पूर्व खेल सचिव बुद्धाराम टांक, 2-2 लाख में बनवाए थे जाली खेल प्रमाण-पत्र !

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। तृतीय श्रेणी अध्यापक (लेवल-1) भर्ती परीक्षा-2022 के खेल कोटा फर्जी प्रमाण-पत्र प्रकरण में राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए टोगोबार खेल संघ के पूर्व सचिव बुद्धाराम टांक को गिरफ्तार किया है। एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि भर्ती में खेल कोटे के तहत चयनित अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय स्तर के ताइक्वांडो खेल प्रमाण-पत्रों की जांच के दौरान बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि दोगुनी चयन सूची में शामिल 38 अभ्यर्थियों ने राष्ट्रीय स्तर के ताइक्वांडो प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए थे। सत्यापन के दौरान पता चला कि ये प्रमाण-पत्र विभिन्न दलालों के माध्यम से तैयार कराए गए थे। इतना ही नहीं, ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के नाम से मिलती-जुलती फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर शिक्षा विभाग को कूटरचित सत्यापन रिपोर्ट भी भेजी गई थी। एसओजी ने बताया कि इस मामले में पहले फर्जी ई-मेल के जरिए सत्यापन रिपोर्ट भेजने वाले बिमलेन्दू कुमार झा और उसके सहयोगी कमल सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद मार्च 2026 में 20 अभ्यर्थियों, तीन सहयोगियों और एक दलाल को भी गिरफ्तार किया गया था।

दौसा पुलिस की कार्रवाई : एशियन पेंट्स के ऐप में सेंध

लगाकर 1.72 करोड़ की ठगी करने वाले 2 शातिर गिरफ्तार

चोरी की हैरियर कार खरीदने वाला भी दबोचा गया

दौसा, 26 जून (एजेंसियां)। दौसा जिला पुलिस ने साइबर अपराध और वाहन चोरी के खिलाफ अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। साइबर थाना पुलिस ने नामी कंपनी एशियन पेंट्स के ऑफिशियल ऐप को हैक कर करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है।

वहीं दूसरी ओर, सदर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग से चोरी की लग्जरी हैरियर कार खरीदने वाले एक आरोपी को भी दबोचने में कामयाबी हासिल की है। 'ट्रायल एंड एरर' पद्धति से 1.72 करोड़ की साइबर ठगी, दो और आरोपी गिरफ्तार दौसा साइबर क्राइम डीएसपी बृजेश कुमार मीना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एशियन पेंट्स लिमिटेड कंपनी के साथ हुई 1 करोड़ 72 लाख 86 हजार 297 रुपये की भारी-भरकम साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। मामले में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। ऐप की तकनीकी हेरफेर से पकड़ाः एशियन पेंट्स के एसोसिएट जनरल मैनेजर स्नेहम्बर सिंह ने 11 अगस्त 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कंपनी के 'Masterstrokes' रिवॉर्ड प्रोग्राम ऐप में तकनीकी सेंधमारी की गई है। इस प्रोग्राम के तहत पेंटर्स को असल उत्पाद खरीदने पर टोकन के जरिए रिवॉर्ड पॉइंट मिलते हैं।

मठ, ट्रस्ट और 345 बीघा जमीन विवाद

देवानंद महाराज की 26 बार चाकू मारकर की गई थी हत्या

कोटा, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में चंद्रसाल मठ के मुख्य पुजारी देवानंद महाराज की हत्या इस वक्त चर्चा में है। देवानंद महाराज की हत्या इस महीने की शुरुआत में उनके आवास के बाहर कर दी गई थी। उनके ऊपर 26 बार चाकू से हमला किया गया था। माना जा रहा है कि इस हत्या के पीछे 10वीं सदी के चंद्रसाल मठ, उसके ट्रस्ट और 345 बीघा जमीन पर नियंत्रण को लेकर चल रहा विवाद हो सकता है।

इस पूरे विवाद में जाति, धर्म, सत्ता और पैसे का जटिल खेल भी शामिल बताया जा रहा है। 5 जून को 35 वर्षीय देवानंद की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में एक अन्य मठ पुजारी नंदन बन और कोटा के वकील संतोष कुमार राय शामिल हैं। मामले की जांच कर रहे बोरखेड़ा पुलिस स्टेशन के थाना अधिकारी अनिल टेलर के अनुसार, हत्या को अंजाम देने के लिए एक नाबालिग सहित चार लोगों भाड़े पर लिया गया था। जांचकर्ताओं और ट्रस्ट के सदस्यों का कहना है कि देवानंद और राय के बीच विवाद बढ़ता जा रहा था। जिन्होंने मंदिर और उसकी संपत्तियों को नियंत्रित करने वाले मठ निकाय में नामांकन को लेकर एक नागरिक विवाद में ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व किया था। देवानंद के परिवार का कहना है कि उनकी हत्या से पांच महीने पहले उन्हें जान से मारने की धमकियां मिली थीं। उनके कहा गया था कि वह मठ को छोड़ दें। उनके भाई बुधराज गुर्जर ने कहा कि यह रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंप दी गई हैं।

देवानंद ने 2018 में त्याग दिया था घर

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के राजवाना गांव में जन्मे देव शंकर पोसवाल का विवाह 2006 में 15 वर्ष की आयु में हुआ था। देवानंद ने 2018 में घर छोड़ दिया और संसार का त्याग कर दिया। वे पहले चंद्रसाल मठ के नाम से जाने जाने वाले दशनाम संन्यासी संप्रदाय के अंतर्गत आने वाले जूना अखाड़ा से जुड़े थे। अंतर यह है कि जहां जूना अखाड़ा विद्वान-तपस्वी परंपरा बन पंथ का अनुसरण करता है, वहीं जूना अखाड़ा योद्धा-तपस्वी परंपरा गिरि पंथ का अनुसरण करता है। दोनों संप्रदायों के बीच स्थानांतरण परंपरागत रूप से वर्जित होने के कारण मतभेद उत्पन्न हुए। चंद्रसाल महादेव मंदिर ट्रस्ट के सदस्य 70 वर्षीय बृजमोहन स्वीकार करते हैं कि जब उन्होंने पदभार ग्रहण किया, तो बहुत से लोगों को आपत्ति थी।

सांप्रदायिक मतभेदों के साथ-साथ जातिगत तनाव भी व्याप्त था। जिसमें न्यासियों के एक वर्ग ने देवानंद पर अपने गुर्जर समुदाय के सदस्यों का पक्षपात करने का आरोप लगाया। न्यास के एक सदस्य का कहना है कि गुर्जर चाहते थे कि देवानंद मठ का कार्यभार संभालें ताकि भूमि पर उनका अधिकार सुरक्षित रहे। साल 2004 में जब देवानंद ने अपना प्रभुत्व मजबूत करना शुरू किया, तब जाकर इस विवाद ने अपना वर्तमान रूप लिया। इसके केंद्र में विवादित मंदिर की 345 बीघा या 215 एकड़ भूमि थी।

विवाद के केंद्र में मंदिर की भूमि

जांचकर्ताओं और ट्रस्ट के सदस्यों का कहना है कि यह विवाद लगभग आधी सदी पुराना है, जब तत्कालीन महंत शरवन बन ने मंदिर की 500 बीघा जमीन बेचने का फैसला किया था, जिसका अधिकांश हिस्सा निजी हाथों में चला गया। 1998 में दान की गई जमीन के हस्तांतरण का पता चलने पर आसपास के गांवों के निवासियों ने 500 बीघा जमीन में से 345 बीघा जमीन, जिसका वे पता लगाने में कामयाब रहे थे। उसको वापस पाने के लिए एक दीवानी मुकदमा दायर किया।

साल 2003 में जब अदालत में मामला चल रहा था, तब स्थानीय निवासियों ने राज्य सरकार से एक ट्रस्ट पंजीकृत करने की मांग की। इस कदम से मठ की संपत्तियों पर महंत का नियंत्रण खत्म हो गया और उनकी भूमिका केवल देखरेख करने वाले और प्रबंधक तक सीमित रह गई। उस समय शरवन बन के परिवार का कहना था कि यह जमीन उनकी निजी संपत्ति है।

नशा मुक्त समाज के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया आह्वान

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने लोगों से नशे के खिलाफ एकजुट होकर काम करने की अपील की। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने अपने संदेश में कहा कि नशीले पदार्थों का दुरूपयोग व्यक्तियों, परिवारों और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशा मुक्त तेलंगाना- नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देने की अपील की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि नशीले पदार्थ न केवल परिवारों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि कानून-व्यवस्था की समस्याएं भी बढ़ाते हैं। उन्होंने नागरिकों से सतर्क रहने और युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित करने में सहयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने विकाराबाद जिला मुख्यालय में 2 किलोमीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरूआत की।

तिरुपति के श्री वकुलमाता मंदिर में 3 जुलाई से 'अक्षर गोविंदम' और अन्नप्राशन सेवा शुरू

तिरुपति, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से 3 जुलाई से श्री वकुलमाता मंदिर में बच्चों के लिए विशेष धार्मिक सेवाओं 'अक्षर गोविंदम' और अन्नप्राशन संस्कार की शुरूआत की जा रही है। इसका उद्देश्य बच्चों की शिक्षा की शुभ शुरूआत और प्रथम अन्न ग्रहण संस्कार को वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न कराना है। इस कार्यक्रम में 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे अक्षराभ्यास संस्कार में भाग ले सकेंगे, जो वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगा। प्रतिभागियों को भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी एवं श्री वकुलमाता के आशीर्वाद के साथ प्रसाद और एक विशेष अक्षर गोविंदम किट भी प्रदान किया जाएगा, जिसमें शैक्षिक एवं धार्मिक सामग्री शामिल होगी। इसी अवसर पर शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी मंदिर के पुजारियों द्वारा पारंपरिक वैदिक विधि से सम्पन्न कराया जाएगा। टीटीडी के अनुसार, यह सेवाएं 4 जुलाई से प्रतिदिन (मंगलवार को छोड़कर) दो बैचों में आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रत्येक बैच में 25-25 बच्चों सहित कुल 50 बच्चों को प्रतिदिन अवसर मिलेगा। इसके लिए मंदिर में कार्यक्रम से एक घंटे पहले अग्रिम पंजीकरण अनिवार्य होगा।

हैदराबाद में निकला ऐतिहासिक 'बीबी का आलम' जुलूस

आशूरखाना से शुरू होकर चारमीनार सहित पारंपरिक मार्गों से गुजरते हुए चादरघाट स्थित मस्जिद-ए-इलाही में समाप्त हुआ

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुहर्रम के अवसर पर निकाला जाने वाला ऐतिहासिक और पारंपरिक 'बीबी का आलम' जुलूस शुक्रवार को हैदराबाद में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। जुलूस दबीरपुरा स्थित बीबी-का-अलावा आशूरखाना से शुरू होकर चारमीनार सहित पारंपरिक मार्गों से गुजरते हुए चादरघाट स्थित मस्जिद-ए-इलाही में समाप्त हुआ। परंपरा के अनुसार, पवित्र आलम को कर्नाटक से विशेष रूप से लाए गए हाथी 'श्रीदेवी' पर स्थापित कर निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने चारमीनार क्षेत्र में स्वयं मौजूद रहकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की निगरानी की। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बीबी का आलम पर पारंपरिक धत्ती और पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि जुलूस के शांतिपूर्ण संचालन के लिए 2,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इस दौरान ड्रोन कैमरों से निगरानी, घुड़सवार पुलिस की तैनाती और आंतरिक व बाहरी सुरक्षा घेरा बनाया गया था। उन्होंने कहा कि हाथी के लिए पहले से कराए गए ट्रायल वॉक और जीएचएमसी, जल बोर्ड तथा बिजली विभाग के बेहतर समन्वय के कारण पूरा आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पुलिस आयुक्त ने शिया समुदाय, धर्मगुरुओं और हैदराबाद के नागरिकों का सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान में निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एक राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देना तथा राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूक करना था।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय की सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. अर्चना पाण्डेय ने सहभागिता की। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता तथा राजभाषा संबंधी नवीन पहलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक प्रश्न भी पूछे गए, जिनका डॉ. पाण्डेय ने समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एस.के. आनंद, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा किया गया।

मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड अंबरपेट के चेयरमैन ठाकुर कुंदन सिंह ने बताया कि राजपूत समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिन्होंने एस.एस.सी. (10वीं), इंटरमीडिएट, डिग्री एवं स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) की परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन के पात्र हैं। आवेदन कार्यालय समय ट्रस्ट बोर्ड कार्यालय में प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक आवेदन जमा कर कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेजों सहित पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र 31 जुलाई तक ही स्वीकार किए जाएंगे।

आयरलैंड ने पहली बार वर्ल्ड चैंपियन भारत को हराया

पहला टी-20 मुकाबला 34 रन से जीता, अभिषेक की फिफ्टी काम नहीं आई

बेलफास्ट, 26 जून (एजेंसियां)। मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैंपियन भारत को दुनिया में 12वें नंबर की टीम आयरलैंड ने हरा दिया है। बेलफास्ट में शुक्रवार को हुए दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत पर 34 रन से जीत हासिल की।

मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम इस फॉर्मेट में अपना पहला मैच खेल रही थी। यह आयरलैंड के खिलाफ भारत की अब तक की पहली हार भी है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। लॉरकन टकर ने 50 रन की पारी खेली। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन ही बना सकी। ओपनर अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा 20 बॉल पर 50 रन बनाए। भारत के 7 बल्लेबाज दहाई अंक में भी नहीं पहुंच सके। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला।

पुलिस ने जागरूकता रैली में नशामुक्त समाज का दिया संदेश

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस (विश्व ड्रग्स दिवस) के अवसर पर मंगलहाट पुलिस स्टेशन की ओर से शुक्रवार को एक विशाल ड्रग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और मादक पदार्थों के खिलाफ सामूहिक जनचेतना को मजबूत करना था। रैली का शुभारंभ पुरानापुल से हुआ और इसका समापन जियागुड़ा स्थित रंगनाथ स्वामी मंदिर में हुआ। कार्यक्रम का आयोजन गोलकोंडा जोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कृष्णा गौड़ तथा कुलसुमपुरा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त वी. तिरुपति के मार्गदर्शन और निगरानी में किया गया। रैली में पुलिस अधिकारियों, अतिरिक्त निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों, पुलिस कर्मियों, स्थानीय विद्यार्थियों, युवाओं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने बैनर और जागरूकता संबंधी नारे लेकर मार्च किया तथा मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि समुदाय आधारित पुलिसिंग, जनजागरूकता और नागरिकों के सहयोग से ही सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए लोगों से सहयोग की अपील की। मंगलहाट पुलिस ने विशेष रूप से अभिभावकों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे युवाओं की गतिविधियों पर नजर रखें तथा नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त या सेवन से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रखा जा सके।

1.46 करोड़ की साइबर ठगी का भंडाफोड़

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की साइबर अपराध पुलिस ने वैवाहिक वेबसाइट के माध्यम से की गई निवेश धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में करीब 1.46 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी फर्जी वैवाहिक प्रोफाइल बनाकर पीड़ितों का भरोसा जीतते थे और बाद में उन्हें अधिक मुनाफे का लालच देकर एक फर्जी ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म में पैसे लगाने के लिए प्रेरित करते थे।

गिरफ्तार आरोपियों में सिद्दिपेट का च. संपत, हेचू नरेश, एंडला सुरेश और वी. महेश शामिल हैं, जो सभी सिकंदराबाद के रहने वाले बताए गए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल कर ठगी की गई रकम निकालते थे और उसे हवाला नेटवर्क के जरिए सिंगापुर स्थित साइबर अपराधियों तक पहुंचाते थे। पीड़ित ने फरवरी में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि उसे शादी के वादे के बहाने भरोसे में लेकर निवेश के लिए राजी किया गया और बाद में 46.65 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए गए।

कुलसुमपुरा पुलिस ने चलाया नशा जागरूकता अभियान

युवाओं से ड्रग्स से दूर रहने की अपील

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा पुलिस डिवीजन के तत्वावधान में शुक्रवार को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक व्यापक ड्रग अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) श्री कृष्णैया गौड़ तथा कुलसुमपुरा डिवीजन के एसीपी ने किया।

इस अवसर पर कुलसुमपुरा डिवीजन के सभी निरीक्षक, उपनिरीक्षक (एसआई) और पुलिस कर्मी सक्रिय रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ड्रग्स के सेवन और तस्करी से जुड़े गंभीर कानूनी परिणामों तथा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस विभाग के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त या सेवन में शामिल पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जन-जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी ही इस समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने का सबसे बड़ा माध्यम है। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध ड्रग गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखा जा सके और समाज को नशे के खतरे से बचाया जा सके।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्नम
हमें x@SCoRailway पर फोलो करें। वेबसाइट: www.scor.indianrailways.gov.in

जुलाई & अगस्त-2026 माह हेतु ई-नीलामी कार्यक्रम

जुलाई ई-नीलामी 2026

तिथि	डिवीजन/डिपो
01.07.26	तिरुपति
03.07.26	विजयवाडा
06.07.26	विशाखापट्नम
07.07.26	गुन्टूर
08.07.26	गुंटकल
09.07.26	रायनपाडू
13.07.26	विशाखापट्नम
14.07.26	तिरुपति
16.07.26	विजयवाडा
17.07.26	विशाखापट्नम
20.07.26	गुंटूर
21.07.26	गुंटकल
22.07.26	रायनपाडू
23.07.26	विजयवाडा
24.07.26	तिरुपति
27.07.26	विशाखापट्नम
29.07.26	गुंटूर
30.07.26	गुन्टकल
31.07.26	रायनपाडू

अगस्त ई-नीलामी 2026

तिथि	डिवीजन/डिपो
03.08.26	तिरुपति
04.08.26	विशाखापट्नम
05.08.26	विजयवाडा
06.08.26	गुंटूर
07.08.26	गुंटकल
10.08.26	रायनपाडू
11.08.26	तिरुपति
12.08.26	विशाखापट्नम
14.08.26	विशाखापट्नम
18.08.26	गुंटूर
19.08.26	विशाखापट्नम
20.08.26	गुंटकल
21.08.26	रायनपाडू
24.08.26	तिरुपति
25.08.26	विजयवाडा
26.08.26	विशाखापट्नम
27.08.26	गुंटूर
28.08.26	गुंटकल
31.08.26	रायनपाडू

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/विशाखापट्नम

SCoR-A051

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scor.indianrailways.gov.in पर जाएं।

सीरवी समाज का 30वां ध्वजा रोहण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में श्री आईमाताजी एवं श्री सोनाणा खेतलाजी का 30वां प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव व ध्वजा रोहण कार्यक्रम शुक्रवार 26 जून प्रात: 9.15 बजे आगलेचा परिवार व समाज बन्धुओं द्वारा भव्यरूप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि हर वर्ष की भांति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव व ध्वजा रोहण कार्यक्रम भव्यरूप से आयोजित किया गया। प्रात: वेला में मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर, पूजा-अर्चनाकर 9.01 बजे गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभा यात्रा व साँची ज्योत नाचते-गाते हुए आईमाता मंदिर पहुंची। 9.15 बजे श्री आईमाताजी मंदिर व सोनाणा खेतलाजी मंदिर पर आगलेचा परिवार के मोतीराम, पुखराज, मांगीलाल, दिनेश आगलेचा द्वारा ध्वजा रोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वागत समारोह कार्यक्रम में आगलेचा परिवार एवं वेट लिफ्टर स्वर्ण पदक विजेता सुरेश भायल, मरुधरा लाम्बिया से पधारे मोहनलाल भायल का राजस्थानी परमपरा से विशेष सम्मान किया गया। श्री आईमाँ की आरती के पश्चात भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

सचिव नारायणलाल काग ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं व ध्वजा रोहण के लाभार्थी आगलेचा परिवार को शुभकामनांए दी व समाज में हो रहे विकास शील कार्यो से समाज बन्धुओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सचिव नारायणलाल काग, सलाहकार जसवंत देवड़ा, मनोनित सदस्य सी.ए. जस्साराम वरपा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, सचिव चेलाराम भायल, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिलाध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्ष इन्द्रा आगलेचा, सचिव निर्मला देवड़ा, जीमनीबाई पँवार, पूर्व अध्यक्ष भुराराम सोयल, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। सचिव नारायणलाल काग के मंच संचालन व अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

राम मंदिर चढ़ावा ...

एसआईटी की जांच में करोड़ों रुपये की नकदी और जेवरातों का हेरफेर करने की पुष्टि हुई थी, जिसमें इन आरोपियों का नाम सामने आया। यही नहीं, ट्रस्ट ने भी घटना उजागर करने के बाद इन सभी को पकड़ा था। इनकी निशानदेही पर करीब तीन करोड़ रुपये बरामद किए थे। अब जब विवेचना होगी तो स्पष्ट हो सकेगा कि कितने करोड़ का खेल हुआ और कितना सोना-चांदी व कीमती धातु के जेवरात गायब किए गए।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में चोरी करते दिखे सभी लोगों को आरोपी बनाया गया है। पूछताछ व अन्य साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि इस पूरी साजिश में टिन्न यादव और सुभाष श्रीवास्तव की बड़ी भूमिका थी। सुभाष ने ही चोरी के खेल में अन्य लोगों को जोड़ा था। गणना में ड्यूटी लगाने को जांच पड़ताल का जिम्मा सुभाष के पास था लिहाजा इन दोनों को आरोपी बनाया गया। एसआईटी ने फुटेज को साक्ष्य के तौर पर जांच में शामिल किया था। अब पुलिस अपनी विवेचना में इन साक्ष्यों को शामिल करेगी।

पहली बार सार्वजनिक ...

इसके बाद 10 मई को पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशक (डीजीएमओ) ने भारतीय सेना के समकक्ष को फोन कर सीजफायर की रिक्वेस्ट की। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान में बहावलपुर के मरकज सुभान अल्लाह, तेहराकलां के सरजल, कोटली के मरकज अब्बास, मुजफ्फराबाद के सैयदना बिलाल कैंप पर बर्बाद हुआ था। साथ ही मुरीदके में लश्कर ए तैयबा के मरकज तैयबा कैंप, बरनाला में मरकज अहले हदीस, मुजफ्फराबाद में शावई नाला कैंप भी ध्वस्त किया गया था। इसके अलावा, कोटली में हिजबुल मुजाहिदीन का मस्कर राहील शाहिद कैंप और सियालकोट में महमूना जोया कैंप भी बर्बाद किया गया था।

इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी हमले पर जवाबी कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान के कई एयरबेस को भी बर्बाद किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। एनआईए की चार्जशीट से पता चला है कि पहलगाम आतंकी हमले की साजिश 15 अप्रैल 2025 को ही शुरू कर दी गई थी। यह जानकारी मारे गए आतंकियों के मोबाइल फोन से मिले डिजिटल सबूतों के आधार पर सामने आई है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय घोड़ा चालक की मौत हो गई थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

फुटबॉल वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड बना

> अब तक 177 गोल > कतर 2022 का रिकॉर्ड टूटा > इक्वाडोर ने जर्मनी को हराया

ईस्ट रदरफोर्ड, 26 जून (एजेंसियां)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में शुक्रवार को गोलों का नया रिकॉर्ड बन गया है।

टूर्नामेंट में अब तक कुल 177 गोल हो चुके हैं, जो किसी भी फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे हैं। इससे पहले सबसे ज्यादा 172 गोल का रिकॉर्ड कतर में खेले गए 2022 वर्ल्ड कप में बना था। मौजूदा संस्करण में यह रिकॉर्ड ग्रुप चरण के दौरान ही टूट गया। इस बार पहली बार 48 टीमें वर्ल्ड कप खेल रही हैं। टूर्नामेंट में शुक्रवार 26 जून को 6 मैच खेले गए।

इक्वाडोर ने 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को हराया

24वीं रैंक की टीम इक्वाडोर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में शुक्रवार को 4 बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को 2-1 से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। इक्वाडोर 2006 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची है। ग्रुप-ई में तीसरे स्थान पर रहते हुए चार अंक हासिल करने वाला इक्वाडोर अब अगले राउंड में मैक्सिको से भिड़ सकता है। वहीं, पहले ही नॉकआउट में पहुंच चुकी जर्मनी की लगातार 11 मैचों की जीत का सिलसिला भी इस हार के साथ टूट गया है।

मेटलाइफ स्टेडियम में इस मैच के दौरान 80,663 फैंस मौजूद रहे। फीफा के अनुसार इस वर्ल्ड कप के 56वें मैच तक कुल दर्शकों की संख्या 35,87,539 पहुंच गई, जो 1994 वर्ल्ड कप के पूरे टूर्नामेंट के रिकॉर्ड से अधिक है।

शुरुआती बढ़त के बावजूद हारा जर्मनी

जर्मनी ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने के गोल से बढ़त बना ली। फ्लोरियन विट्ज़ के पास पर साने ने गोल दागा। हालांकि, इक्वाडोर ने 9वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली। मिडफील्ड में गेंद छीनने के बाद पेड्रो वीटे ने निल्सन अंगुलो को पास दिया, जिन्होंने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह टूर्नामेंट में इक्वाडोर का पहला गोल भी था।

प्लाटा ने निर्णायक गोल दागा

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए। 77वें मिनट में पेड्रो वीटे के कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हेडर लगाया, जिसे गोलकीपर मैनुएल नोयर पकड़ने ही वाले थे कि गोंजालो प्लाटा ने पैर बढ़ाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इस गोल ने इक्वाडोर को 2-1 की बढ़त दिलाई, जिसे उसने अंत तक कायम रखा।

पेपे के डबल गोल से जीता आइवरी कोस्ट, पहली बार नॉकआउट में

निकोलस पेपे के डबल गोल से आइवरी कोस्ट ने ग्रुप-ई मैच में कुरासाओ को 2-0 से हराकर पहली बार नॉकआउट में जगह बना ली। अब आइवरी कोस्ट 30 जून को राउंड ऑफ-32 में ग्रुप आई की उपविजेता टीम (फ्रांस या नॉर्वे) से भिड़ेगा।

फिलाडेल्फिया स्टेडियम में आइवरी कोस्ट ने 7वें मिनट में बढ़त बना ली। 19 साल यान डियोमांडे ने कुरासाओ के डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए गेंद निकोलस पेपे को पास की, जिन्होंने आसान गोल के साथ टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। फिर 64वें मिनट में पेपे ने बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का दूसरा गोल दागा। इसके बाद टीम ने कुरासाओ को वापसी का मौका नहीं दिया।

तिलक-श्रेयस के लिए कैफ ने जारी की चेतावनी

अक्षर पटेल का दिया उदाहरण; कहा- प्लेइंग 11 में जगह पक्की मत समझें

उप-कप्तान तिलक वर्मा

कप्तान श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज से पहले कप्तान श्रेयस अय्यर और उप-कप्तान तिलक वर्मा को चेतावनी दी। कैफ का मानना है कि उप-कप्तान बनने से प्लेइंग इलेवन में जगह पक्की नहीं होती और उन्होंने कहा कि तिलक को अपनी जगह बनाए रखन के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि मौजूदा भारतीय टीम मैनेजमेंट फॉर्म को ज्यादा अहमियत देता है। उन्होंने तिलक वर्मा को याद दिलाया कि अगर प्रदर्शन में गिरावट आती है तो उप-कप्तान होने से प्लेइंग इलेवन में जगह पक्की नहीं होती। कैफ ने कहा कि तिलक वर्मा उप-कप्तान हैं, लेकिन पहले भी उप-कप्तान को टीम से बाहर किया गया है। उप-कप्तान होने का मतलब यह नहीं है कि टीम में तिलक वर्मा की जगह पक्की है। अगर तिलक यह सोचने लगें कि मैं उप-कप्तान हूं, मेरी जगह सुरक्षित है तो भारतीय टीम में ऐसा नहीं होता है।

कैफ ने श्रेयस-तिलक को लेकर जारी की चेतावनी

कैफ ने आगे कहा कि अगर वह खेलना जारी रखना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी फॉर्म बनाए रखनी होगी। फॉर्म में थोड़ी सी भी गिरावट उन्हें टीम से बाहर करवा सकती है। अक्षर पटेल पहले उप-कप्तान थे यह आपको याद होगा और अब वह उप-कप्तान नहीं हैं। टीम ने अब तिलक को यह जिम्मेदारी सौंप दी है। उन्होंने आगे कहा कि तो इस भारतीय टीम में किसी की भी जगह पक्की नहीं है यहां तक कि कप्तान (श्रेयस अय्यर) की भी नहीं। कोई पक्का उप-कप्तान भी नहीं है। हर किसी को अपनी जगह बनानी पड़ती है। हर खिलाड़ी को हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होता है। कैफ के मुताबिक भारतीय क्रिकेट में यह एक ऐसा दौर है जो हमने पहले कभी नहीं देखा। कोच और चयनकर्ताओं की सोच अब यही है। हर मैच में टीम में आपकी जगह दांव पर होती है। इसीलिए तिलक वर्मा भले ही इस टीम के साथ शुरुआत करें, लेकिन आगे

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स

पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

विंबलडन, 26 जून (एजेंसियां)। सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

2022 से नहीं खेला एकल मुकाबला

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।

सिनर पुरुषों में शीर्ष वरीय

पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं। ऑल इंग्लैंड क्लब में सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को सातवीं वरीयता दी गई है।

मणिका बत्रा ने एशियाड टीम चयन पर सवाल उठाए

बैडमिंटन प्लेयर रौनक चौहान ने वर्ल्ड नंबर-6 को हराया;

स्पोर्ट्स डेस्क, 26 जून (एजेंसियां)। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मणिका बत्रा ने आगामी एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम के चयन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। मणिका ने एक सोशल पोस्ट में कहा कि वे इस विवाद से मेंटली थक चुकी हैं और फिलहाल इस लड़ाई को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। 31 वर्षीय मणिका को एशियन गेम्स (19 सितंबर से 4 अक्टूबर, आइची-नागोया) के लिए घोषित 10 सदस्यीय भारतीय दल में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है।

फीफा वर्ल्ड कप : तुर्किये का दमदार प्रदर्शन

रोमांचक मुकाबले में अमेरिका को 3-2 से हराया

लॉस एंजिल्स, 26 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में तुर्किये ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान अमेरिका को 3-2 से हराया। हालांकि, तुर्किये पहले ही नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो चुका था, लेकिन टीम ने जीत के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया। अमेरिका पहले ही ग्रुप डी में पहले स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना चुका है।

ग्रुप में पहला स्थान पक्का होने के कारण अमेरिकी कोच मौरिसियो पोचेटिनो ने अपनी टीम में कई बदलाव किए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने वाली टीम की तुलना में उन्होंने 9 खिलाड़ियों को आराम दिया। वहीं, तुर्किये के खिलाड़ी सम्मान के लिए मैदान पर उतरे और पूरे मैच में शानदार जज्बा दिखाया। मैच की शुरुआत अमेरिका के लिए बेहतरीन रही। 2 मिनट और 13 सेकंड में ऑस्टन ट्रस्टी ने सेबेस्टियन बरहाल्टर के कॉर्नर पर शानदार गोल कर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह अमेरिका की ओर से वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज गोल था। इससे पहले 2014 में क्लिंट डेम्पसी ने घाना के खिलाफ सिर्फ 30 सेकंड में गोल किया था।

0-1 से पिछड़ने के बाद तुर्किये ने शानदार वापसी की। सात मिनट बाद युवा स्टार अर्दा गुलर ने बारिस यिलमाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के साथ गुलर तुर्किये के लिए वर्ल्ड कप में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। पहले हाफ में 30 मिनट के खेल के बाद तुर्किये ने दूसरा गोल कर मैच में फिर से बढ़त बना ली। एरेन एल्माली के शानदार पास को बारिस यिलमाज ने गोल में तब्दील करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अमेरिका ने एक बार फिर मुकाबले में वापसी की। 48वें मिनट में सेबेस्टियन बरहाल्टर ने बॉक्स के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाया, जो गोलकीपर को छकाते हुए सीधा गोल पोस्ट में पहुंचा। इस गोल के साथ स्कोर 2-2 हो गया। बरहाल्टर ने इस मैच में एक गोल और एक असिस्ट किया। इसके साथ ही वह 1966 के बाद वर्ल्ड कप के एक ही मैच में गोल और असिस्ट करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। उनका गोल इस टूर्नामेंट में अमेरिका का आठवां गोल भी था, जो किसी एक वर्ल्ड कप में टीम का नया रिकॉर्ड भी है।

इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए लगातार हमले किए। अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने भी कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन तुर्किये के डिफेंस ने दमदार प्रदर्शन किया। मुकाबला जब ड्रॉ की तरफ बढ़ता हुआ दिख रहा था, तभी स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में कान अयहान ने निर्णायक गोल करते हुए तुर्किये की यादगार जीत पर मुहर लगा दी।

तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहती थी भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत ने बताया कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, 26 जून (एजेंसियां)। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही। हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है। इसी वजह से टीम चयन में लचीलापन रखा गया है।

एफआईएच प्रो लीग : शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को 4-1 से हराया

लंदन, 26 जून (एजेंसियां)। एफआईएच प्रो लीग 2025-26 में भारतीय मेंस हॉकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में चार क्वार्टर के बाद स्कोर 2-2 से बराबर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लिश टीम बाजी मारने में सफल रही।

भारत के लिए दिलप्रीत सिंह (10वें और 58वें मिनट) ने शानदार दो गोल किए, जबकि इंग्लैंड के लिए डेविड गुडफील्ड (29वें मिनट) और निकोलस बंदुरक (56वें मिनट) ने गोल दागे। मेजबान टीम के लिए शूटआउट में थॉमस सोर्सबी, जेम्स एल्बेरी और कप्तान जैकरी वालेस ने गोल दागे, इसके अलावा एक कोशिश से पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिस पर भी वालेस ने गोल किया। पहला हाफ थोड़ा मुश्किल भरा रहा, लेकिन इसके बावजूद दोनों टीमों ने गोल किए और कुछ मौके बनाए। भारत ने पहले क्वार्टर की शानदार शुरुआत की। टीम को शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत सिंह की ड्रैगफ्लिक को इंग्लिश गोलकीपर जेम्स मजारेलो ने बचा लिया। इंग्लैंड को भी पांचवें मिनट में दूसरी तरफ पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन बंदुरक की कोशिश को भारतीय डिफेंस ने रोक दिया। पहला गोल 10वें मिनट में हुआ जब मंदीप सिंह ने बेसलाइन पर ड्रिबल किया और दिलप्रीत सिंह को एकदम सही पास दिया, जिन्होंने डाइविंग फिनिश के साथ गेंद को गोल पोस्ट में डालकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत अपनी बढ़त बढ़ाने के करीब आ गया था, जब पेनल्टी कॉर्नर से अमनदीप लाकड़ा के ड्रैगफ्लिक को गोल लाइन पर सोर्सबी ने बहादुरी से बचा लिया। 29वें मिनट में इंग्लैंड ने गुडफील्ड के फील्ड गोल की मदद से स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। गेंद डिफ्लेक्शन के बाद सर्कल के बीच में एक अनमार्क्ड गुडफील्ड के पास उछली, और उन्होंने एक जोरदार वॉली मारकर मेजबान टीम के लिए बराबरी का गोल किया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के डिफेंस ने दमदार खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हो सका। पेनल्टी कॉर्नर और फील्ड-गोल के कई मौके बने, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लग सकी। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में बंदुरक को दूर पोस्ट पर बिल्कुल खाली जगह मिल गई थी, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया।

कबड्डी कोच पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

नाबालिग खिलाड़ी ने लगाया यौन शोषण का आरोप; आरोपी फरार

चेन्नई, 26 जून (एजेंसियां)। चेन्नई के कन्नागी नगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां कबड्डी कोच राजू के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कबड्डी कोच राजू पर यह मामला प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पोक्सो) एक्ट यानी पोक्सो कानून के तहत दर्ज किया गया है।

ट्रेनिंग के दौरान डरा-धमकाकर करता था प्रताड़ित दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कोच राजू ने एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को डराया-धमकाया और फिर उसके साथ कथित यौन उत्पीड़न की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने अपने बयान में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अभ्यास सत्र के दौरान भी उसे बार-बार यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता था। पीड़िता ने अपनी शिकायत में साफ तौर पर कहा है कि कोच राजू उसे लगातार धमकी देता था कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी या सहयोग नहीं किया, तो वह उसे न तो ट्रेनिंग करने देगा और न ही खेल की दुनिया में आगे बढ़ने देगा। नाबालिग खिलाड़ी द्वारा दर्ज कराई गई इस गंभीर शिकायत के आधार पर महिला पुलिस थाना ने मामला दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी कोच राजू फिलहाल फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

आयरलैंड में खराब सुविधाएं, टीम इंडिया ने की शिकायत

> वैभव सूर्यवंशी की प्रैक्टिस से पहले बवाल हो गया

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले भारतीय टीम की तैयारियों का आगाज कुछ अड़चनों के साथ हुई क्योंकि टीम को अभ्यास के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाएं अपेक्षित स्तर की नहीं मिलीं। टीम मैनेजमेंट अभ्यास के लिए तैयार की गई पिचों में से एक पर गेंदबाज के पीछे साइटस्क्रीन नहीं होने से नाराज दिखा। इसके कारण बल्लेबाजों को गेंद को देखने में कठिनाई हो रही थी।

सुविधाओं को लेकर परेशानी

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'अभ्यास सुविधाओं को लेकर कुछ समस्याएं थीं, जिन्हें भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ ने तुरंत आयरलैंड क्रिकेट के अधिकारियों के संज्ञान में लाया।' भारतीय टीम के संचालन प्रबंधक ने मेजबान अधिकारियों से चर्चा की जिसके बाद व्यवस्था में सुधार किया गया और अभ्यास सत्र सुचारु रूप से आगे बढ़ सका।

वैभव सूर्यवंशी पर निगाहें थीं

इन शुरुआती परेशानियों के बाद पूरा ध्यान युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर केंद्रित हो गया। सीनियर भारतीय टीम के साथ अपने पहले नेट सत्र में उतरे इस खिलाड़ी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने नेट सत्र में पूरे आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से चर्चा में आए इस युवा खिलाड़ी ने लंबे अभ्यास सत्र के दौरान आकर्षक ड्राइव और अपने आक्रामक शॉट्स का प्रदर्शन किया। आमतौर पर क्रिकेट को लेकर ज्यादा हलचल न देखने वाले बेलफास्ट में सूर्यवंशी की मौजूदगी ने खास उत्साह पैदा कर दिया है। भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उन्हें देखने के लिए पहुंच रहे हैं और जहां भी भारतीय टीम जा रही है, वहां यह युवा खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रवासी भारतीयों में विशेष उत्साह देखने को मिला और कई फैंस सूर्यवंशी के साथ तस्वीरें खिंचवाने तथा ऑटोग्राफ लेने के लिए उत्सुक नजर आए।

रोमी भिंडर भी थे मौजूद

वैभव सूर्यवंशी को लेकर यह उत्साह केवल खिलाड़ी तक सीमित नहीं रहा। कई फैंस रोमी भिंडर के साथ भी सेल्फी लेते दिखे, जिन्हें राजस्थान रॉयल्स ने सूर्यवंशी का गार्जियन नियुक्त किया है। भिंडर को सूर्यवंशी के माता-पिता के साथ भारतीय टीम के होटल में प्रवेश करते देखा गया। आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने सूर्यवंशी के तेजी से उभरते करियर के दौरान उन्हें मार्गदर्शक की भूमिका सौंपी थी और वह तब से युवा बल्लेबाज के साथ जुड़े हुए हैं।

औद्योगिक विकास का संबंध आजीविका से है, न कि केवल आंकड़ों से : भट्टी

औद्योगिक नवाचार और प्रौद्योगिकी एक्सपो 2026 का उद्घाटन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एचआईटीईएक्स में औद्योगिक नवाचार और प्रौद्योगिकी एक्सपो 2026 के उद्घाटन के दौरान, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर जोर दिया कि प्रजा सरकार के लिए, औद्योगिक विकास केवल निवेश के आंकड़ों के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों के लिए आजीविका सृजित करने के बारे में भी है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) सरकार और उद्योग के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता है। भट्टी विक्रमार्क ने औद्योगिक प्रदर्शनी को महज मशीनों और उत्पादों की प्रदर्शनी से कहीं अधिक बताया। उन्होंने कहा कि यह विचारों के आदान-प्रदान का एक उत्कृष्ट मंच है।

यह आयोजन छोटे व्यवसायों को नए ग्राहक खोजने, निर्माताओं को अत्याधुनिक तकनीकों तक पहुंच प्राप्त करने और स्टार्टअप्स को अपने पहले खरीदारों से जुड़ने के अवसर प्रदान करता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने राज्य के गठन के बाद से निवेशकों का विश्वास जीता है और औद्योगिक क्षेत्र में मजबूत विकास दर्ज किया है। हैदराबाद ने सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और जीवन विज्ञान क्षेत्रों में वैश्विक पहचान हासिल की है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य का विकास केवल सेवा क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के योगदान को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, यह देखते हुए कि विनिर्माण रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि औद्योगिक विकास का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं बल्कि लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यापार करने में आसानी से न केवल बड़ी कंपनियों को बल्कि छोटे उद्योगों, महिला उद्यमियों और ग्रामीण उद्यमियों को भी लाभ मिले। इसे हासिल करने के लिए, उन्होंने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि वे प्रत्येक शुक्रवार को लघु एवं मध्यम उद्यम संगठनों और औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा करेंगे। भट्टी विक्रमार्क ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्मार्ट विनिर्माण जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर एक्सपो के फोकस की सराहना की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत को कंप्यूटर युग में लाने में उनकी अग्रणी भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने सभी श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सड़क कर और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट प्रदान की है, और इस बात पर जोर दिया कि राज्य का उद्देश्य केवल ईवी को अपनाने को बढ़ावा देना ही नहीं है, बल्कि तेलंगाना के भीतर संपूर्ण ईवी आपूर्ति श्रृंखला और संबंधित प्रौद्योगिकियों को विकसित करना भी है। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले ढाई वर्षों में राज्य की बिजली की अधिकतम मांग 15,000 मेगावाट से बढ़कर 18,500 मेगावाट हो जाने के बावजूद, तेलंगाना ने बिना किसी बिजली कटौती के निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। भट्टी विक्रमार्क ने 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के सरकार के लक्ष्य को दोहराया। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार सार्वजनिक वित्तपोषण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल दोनों के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। उन्होंने उद्योगपतियों को इन अवसरों का लाभ उठाने और तेलंगाना में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

आसिफाबाद में वन भूमि को लेकर तनाव

किसानों और वन विभाग में विवाद

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर मंडल के पोलासा गांव में शुक्रवार को वन विभाग द्वारा कृषि भूमि के आसपास खाइयां खोदने की कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों और अधिकारियों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों (जिनमें अधिकांश आदिवासी किसान शामिल थे) ने आरोप लगाया कि वे लंबे समय से इन जमीनों पर खेती कर रहे हैं, लेकिन अब अचानक वन विभाग द्वारा जमीनों के चारों ओर खाइयां खोदी जा रही हैं, जिससे उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि यदि उन्हें खेती से रोका गया तो उनके परिवारों का भरण-पोषण मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने मौके पर धरना देकर खुदाई का काम रुकवा दिया और अधिकारियों के साथ बहस भी की।

बाद में पुलिस के हस्तक्षेप और समझाइश के बाद ग्रामीणों ने अपना विरोध समाप्त किया। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई वन्यजीव संरक्षण के तहत की जा रही है, क्योंकि क्षेत्र में बाघों की आवाजाही देखी जा रही है और मानव गतिविधियों से वन्यजीवों को परेशानी हो रही है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि ये भूमि मूल रूप से वन विभाग की है, जिसका उपयोग लोग खेती के लिए कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार कर रही है राजनीतिक प्रतिशोध : श्रीनिवास गौड़

पूर्व आईपीएस अधिकारी और बीआरएस नेता की सुरक्षा हटाना गलत

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन में आयोजित मीडिया सम्मेलन में पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व आईपीएस अधिकारी और बीआरएस नेता आरएस प्रवीन कुमार की सुरक्षा हटाना अनुचित और नियमों के विरुद्ध है। श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार विरोधियों के खिलाफ कक्ष साधन (प्रतिशोधात्मक) कार्रवाई कर रही है। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न सर्वेक्षणों में बीआरएस की सत्ता में वापसी की संभावना जताई जा रही है, जिससे सरकार असहज होकर इस प्रकार के फैसले ले रही है।

उन्होंने कहा कि आरएस प्रवीन कुमार एक उत्कृष्ट आईपीएस अधिकारी रहे हैं और उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। के. चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने गुरुकुल संस्थानों के सचिव के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य किया था। उनकी कार्यकुशलता के कारण ही उन्हें सुरक्षा खतरा (थ्रेट) होने की बात खुफिया रिपोर्टों में दर्ज की गई थी। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि संविधान के अनुच्छेद-14 और अनुच्छेद-21 की भावना के विपरीत आरएस प्रवीन कुमार की सुरक्षा वापस ली गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुरस्कार और सुरक्षा संबंधी सम्मान प्राप्त करने वाले अधिकारी की सुरक्षा हटाना गंभीर विषय है।

श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि आरएस प्रवीन कुमार का निर्वाचन क्षेत्र सिरपुर-कागजनगर माओवादी प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है। ऐसे में उनकी सुरक्षा हटाए जाने से संदेह पैदा होता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय प्रवीन कुमार की सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए थी, न कि कम की जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना किसी स्पष्ट रिपोर्ट के कई लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराई है, जबकि खतरे का सामना कर रहे पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों को भी सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि खतरे वाले व्यक्तियों की सुरक्षा मनमाने ढंग से हटाई जाती है तो अदालतें भी इसे स्वीकार नहीं करेंगी। बीआरएस नेता ने कहा कि यदि आरएस प्रवीन कुमार को कोई नुकसान होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। उन्होंने आईपीएस अधिकारियों के संघ से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया देने की मांग की।

श्रीनिवास गौड़ ने सरकार से तत्काल आरएस प्रवीन कुमार को नया सुरक्षा वाहन उपलब्ध कराने और अतिरिक्त सुरक्षा देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दुर्भावना के चलते ही उनकी सुरक्षा वापस ली गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीआरएस पुनः सत्ता में आएगी और के. चंद्रशेखर राव एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे।

एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी के लिए टीपीसीसी ने बनाई विशेष समिति

निर्वाचन आयोग से समन्वय की जिम्मेदारी राजेश कुमार को सौंपी

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की निगरानी और समन्वय के लिए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने एक विशेष एसआईआर समिति का गठन किया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निर्वाचन आयोग से समन्वय की जिम्मेदारी पुलिपाटी राजेश कुमार को सौंपी गई है, जिन्हें टीपीसीसी निर्वाचन आयोग समन्वय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं कांग्रेस पार्टी की प्रशासनिक प्रक्रियाओं के समन्वय के लिए गंपा वेणुगोपाल को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी के लिए संसदीय क्षेत्रवार कंट्रोल रूम समन्वयकों की भी नियुक्ति की गई है।

इनमें आदिलाबाद के लिए कोलकुंडा संतोष, पेद्दापल्ली के लिए शशि भूषण काचे, करीमनगर के लिए डॉ. मद्देला संतोष कुमार, निजामाबाद के लिए बोम्मा शीराम चक्रवर्ती, जहीराबाद के लिए डॉ. जुलुरु धनलक्ष्मी, मेदक के लिए जी.वी. वेन्नेला, मल्काजगिरि के लिए सुब्रह्मण्य पोनाडा, सिकंदराबाद के लिए एम. राघवेंद्र रेड्डी, हैदराबाद के लिए अच्युत यादव, चेवेल्ला के लिए एस. जगदीश्वर राव, महबूबनगर के लिए टी. रेवती गौड़, नागरकर्नूल के लिए ओबेदुल्लाह कोटवाल, नलगोंडा के लिए कस्बा शीनिवास राव, भोंगीर के लिए डॉ. बिकिनी लिंगम यादव, वारंगल के लिए पीर इरशाद अहमद नासिर, महबूबाबाद के लिए नुथी शीकांत गौड़ तथा खम्मम के लिए गोपीशेट्टी राघवेंद्र को नियुक्त किया गया है। समिति के सदस्य बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) से लेकर विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं तक लगातार संपर्क में रहेंगे। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आने वाली समस्याओं और शिकायतों को निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। टीपीसीसी निर्वाचन आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष पुलिपाटी राजेश कुमार ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए यह समिति जमीनी स्तर पर कार्य करेगी तथा मतदाताओं से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए निर्वाचन आयोग के साथ समन्वय बनाए रखेगी।

कांग्रेस का बीएलए ऐप मतदाता सूची में गड़बड़ियों की पहचान में मददगार : सैफुल्लाह

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्लाह ने कहा कि कांग्रेस द्वारा विकसित बीएलए ऐप विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान करने, गलत तरीके से मैप किए गए मतदाताओं का पता लगाने और अनमैप्ड मतदाताओं की जानकारी जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित बीएलए प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सैफुल्लाह ने ऐप की विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह ऐप डेटा-आधारित निगरानी के माध्यम से मतदाता सूची के बूथ स्तर पर सत्यापन को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पंजीकृत बीएलए को ओटीपी आधारित सुरक्षित लॉगिन सुविधा दी जाती है। लॉगिन के बाद बीएलए अपने बूथ की मतदाता सूची, मतदाता मैपिंग की स्थिति तथा संभावित डुप्लीकेट मतदाता अनुभाग तक पहुंच सकते हैं। ऐप ऐसे मामलों को चिन्हित करता है जहां मतदाता का नाम, पिता का नाम, मकान नंबर या अन्य विवरण समान दिखाई देते हैं, जिससे आगे सत्यापन में सहायता मिलती है। सैफुल्लाह ने स्पष्ट किया कि ऐप का उद्देश्य केवल संभावित त्रुटियों और विसंगतियों की पहचान करना तथा आवश्यक प्रपत्र निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने में सहायता करना है। किसी भी मतदाता का नाम हटाने या संशोधन करने की प्रक्रिया केवल निर्वाचन आयोग के आधिकारिक नियमों के तहत ही होगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद जिले में मतदाता आंकड़ों का व्यापक विश्लेषण किया है। निर्वाचन अधिकारियों से प्राप्त पीडीएफ डेटा को एक्सेल प्रारूप में परिवर्तित कर बूथवार डेटाबेस तैयार किया गया है, जिसे ऐप में एकीकृत किया गया है। डीसीसी अध्यक्ष के अनुसार, ऐप के माध्यम से बीएलए अपने बूथ में मैप्ड, अनमैप्ड और मैपिंग विसंगति वाले मतदाताओं की संख्या देख सकते हैं। इससे वे गलत तरीके से मैप किए गए मतदाताओं से संपर्क कर त्रुटियों को सुधारने में मदद कर सकेंगे, वहीं अनमैप्ड मतदाताओं को भी एसआईआर प्रक्रिया के तहत आवश्यक कार्यवाही पूरी कराने में सहयोग मिलेगा।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का तीन दिवसीय दौरा

10 नए भाजपा जिला कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे

राव ने तुंगभद्रा जल विवाद पर कांग्रेस सरकार से जवाब मांगा

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चादरघाट पुलिस ने सोने की चेन भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी को बूथ स्तर से मजबूत कर आगामी दिनों में सत्ता तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 28 जून से तीन दिनों तक तेलंगाना के व्यापक दौरे पर रहेंगे। राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में रामचंदर राव ने कहा कि किसी राष्ट्रीय अध्यक्ष का तीन दिन का पूरा समय तेलंगाना को देना राज्य के प्रति पार्टी नेतृत्व की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह के पूर्व दौरों की तरह नितिन नवीन का दौरा भी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरेगा और पार्टी की सत्ता में आने की उम्मीद को मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि 28 जून को शमशाबाद पहुंचने के बाद नितिन नवीन रंगारेड्डी जिला कार्यालय से राज्य के लगभग 10 नए भाजपा जिला कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके बाद हैदराबाद के एग्जीबिशन ग्राउंड में जीएचएमसी क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों की विशाल बैठक को संबोधित करेंगे। शाम को वे सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ विशेष बैठक करेंगे। दौरे के दूसरे दिन नितिन नवीन वीबीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों के विशेष सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद भुवनगिरि में उनका स्वागत कार्यक्रम होगा और फिर वे वारंगल पहुंचेंगे। वारंगल में लंबाडा, कोया, चेंचू और गोंड सहित विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे तथा संयुक्त वारंगल जिले के बूथ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करेंगे। तीसरे दिन घटकेसर में आयोजित राज्य कार्यकारिणी और पदाधिकारियों की बैठक में भाग लेने के बाद वे दिल्ली लौट जाएंगे। रामचंदर राव ने स्पष्ट किया कि यह दौरा पूरी तरह संगठनात्मक मजबूती के लिए है और इसका चुनावी गतिविधियों से कोई सीधा संबंध नहीं है। रामचंदर राव ने तुंगभद्रा नदी के गेटों की मरम्मत कार्य का स्वागत करते हुए कहा कि जल बंटवारे के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को राज्य की जनता को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक के प्रस्तावित नवेली जलाशय और आंध्र प्रदेश के गुंड्रेवुला प्रोजेक्ट के कारण तेलंगाना के जल हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ हुई चर्चा का ब्यौरा सार्वजनिक करें और बताएं कि राज्य के हितों की रक्षा के लिए क्या आश्वासन प्राप्त किए गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एनआरसी और सीएए के मुद्दे पर असउद्दीन औवैसी तथा कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज होता है और उसे नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। रामचंदर राव ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता पंजीकरण के लिए निर्धारित दस्तावेजों में पासपोर्ट भी केवल एक दस्तावेज है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और एआईएमआईएम जनता को भ्रमित कर अनावश्यक भय का माहौल बनाने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून के अनुसार केवल भारतीय नागरिकों को ही मतदान का अधिकार है और अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करना कानून के विरुद्ध है। भाजपा नेता ने कांग्रेस और एआईएमआईएम से तथ्यों के आधार पर राजनीति करने और समाज में भ्रम फैलाने से बचने की अपील की।

सेवानिवृत्त सेना अधिकारी मेजर शिव किरण का निधन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में नागरिक सुविधाओं और स्वच्छता सुधार के लिए सक्रिय भूमिका निभाने वाले सेवानिवृत्त सेना अधिकारी मेजर शिव किरण (61) का गुरुवार रात निधन हो गया। उनका निधन कोंडापुर स्थित एक निजी अस्पताल में रात करीब 10:10 बजे बीमारी के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार, वे अग्नाशय (पैंक्रियास) से संबंधित ट्यूमर की सर्जरी के बाद उपचाराधीन थे और उनकी दो बार सर्जरी भी हो चुकी थी। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।

मेजर शिव किरण हैदराबाद में सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते थे। वे 'सुकुकी एक्सनोरा' नामक एनजीओ के संस्थापक थे, जो कचरा प्रबंधन और सफाई से जुड़े कार्य करता था। उन्होंने 'जियो मैप सोसाइटी' की भी स्थापना की थी। उन्होंने शहर में कूड़ा बीनने वालों के कल्याण के लिए कई पहल कीं और 50 से अधिक विकेंद्रीकृत शून्य अपशिष्ट परियोजनाएं शुरू कीं। इसके अलावा, उन्होंने जीएचएमसी के लिए स्वच्छ ऑटो ट्रॉली नेटवर्क भी विकसित किया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार दोपहर 3 बजे जुबली हिल्स स्थित महाप्रस्थानम में किया गया।

मंचेरियल में छात्र संगठनों का प्रदर्शन

मंचेरियल, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न छात्र संगठनों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने शिक्षा अधिकारियों पर निजी शिक्षण संस्थानों का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों के पुतले भी जलाए। छात्र नेता चिप्पकुर्थी श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग छात्रों के लिए निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं, लेकिन इसे ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण वंचित वर्ग के छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है, जो संविधान के खिलाफ है।

आरोप लगाया गया कि जिले में निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और वे अभिभावकों से मनमानी फीस वसूल रहे हैं। छात्र नेताओं ने कहा कि शिक्षा को व्यावसायिक बना दिया गया है और स्कूलों को सुपरमार्केट की तरह चलाया जा रहा है।

मुहर्रम पर 'पेद्दा पुली' परंपरा से जीवंत होती है तेलंगाना की लोकसंस्कृति

जगतियाल, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुहर्रम के अवसर पर जगतियाल और करीमनगर जिलों के गांवों में एक अनूठी परंपरा 'पेद्दा पुली' (बड़ा बाघ नृत्य) लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस परंपरा के दौरान ग्रामीण बाघ का रूप धारण कर ढोल (डप्पू) की थाप पर सड़कों पर उछलते-कूदते और नृत्य करते हैं। स्थानीय स्तर पर इसे 'पीरला पंडुगा' के रूप में भी जाना जाता है, जो भक्ति, लोककथा और सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। यह परंपरा विशेष रूप से जगतियाल, धर्मपुरी, रायकल और करीमनगर क्षेत्रों में लोकप्रिय है, जहां लोग अपनी मनोकामनाएं पूरी होने पर आशूरखाने में प्रार्थना के बाद 'पेद्दा पुली' बनकर आभार व्यक्त करते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और इसमें सभी समुदायों की भागीदारी होती है। कई प्रतिभागी व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर इसे आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण मानते हैं। 'पेद्दा पुली' बनने की प्रक्रिया भी एक विस्तृत अनुष्ठान होती है, जिसमें कलाकार अपने शरीर पर बाघ जैसी धारियां बनाते हैं, मुखौटे पहनते हैं और पूंछ लगाकर बाघ का स्वरूप धारण करते हैं। कुछ जगहों पर उन्हें रस्सियों से नियंत्रित भी किया जाता है ताकि बाघ जैसा प्रभाव उत्पन्न हो सके। समय के साथ इस परंपरा में बदलाव भी देखा गया है, जहां पारंपरिक ढोल संगीत के साथ अब कई गांवों में डीजे संगीत का भी उपयोग किया जाने लगा है। यह परंपरा आज भी तेलंगाना की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक एकता का प्रतीक बनी हुई है।

नागरकर्नूल के धान व्यापारी की हत्या का खुलासा

जंगल में मिला शव

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल जिले के एक धान व्यापारी मोहम्मद हसन (36) की गुमशुदगी का मामला हत्या में बदल गया, जब गुरुवार को शादनगर के फारूकनगर क्षेत्र के काशीरेड्डीगुडा के पास एक जंगली इलाके में उनका शव बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद हसन 22 जून से लापता थे।

वह अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ धान खरीद के व्यवसाय से जुड़े हुए थे। घर से निकलने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी को बताया था कि वह हैदराबाद जा रहे हैं। बाद में उन्होंने फोन कर घर लौटने की बात कही, लेकिन इसके तुरंत बाद उनके दोनों मोबाइल फोन बंद हो गए।

परिजनों द्वारा शुरू किए गए खोज अभियान के दौरान गुरुवार शाम उनका शव घनी झाड़ियों में छिपा हुआ मिला। पुलिस को संदेह है कि धान कारोबार में वित्तीय विवाद के चलते यह हत्या हुई हो सकती है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनके साझेदार अरविंद और शिवाजी का इस घटना में हाथ हो सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

चादरघाट पुलिस ने चेन स्नैचिंग मामले का किया खुलासा

2.5 तोला सोने की चेन बरामद

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चादरघाट पुलिस ने सोने की चेन चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 2.5 तोला वजनी सोने की चेन और लॉकेट बरामद किया है। यह मामला अपराध संख्या 250/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(सी) में दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, 23 जून को 61 वर्षीय शिकायतकर्ता गट्टू सीता रामाराव लालाजार क्रॉस रोड बस स्टॉप से टीएसआरटीसी की रूट संख्या 72जे बस में सवार हुए थे। बस में अत्यधिक भीड़ होने के कारण कुछ लोगों ने जानबूझकर उन्हें फुटबोर्ड के पास घेर लिया। इसी दौरान बदमाशों ने उनके गले से करीब 2.5 तोला वजन की सोने की चेन चोरी कर ली और फरार हो गए। यशोदा अस्पताल पहुंचने के बाद उन्हें चोरी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने चादरघाट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। जांच में आरोपी की पहचान पुराने संपत्ति अपराधी कमले रतन उर्फ रतन बादल के रूप में हुई, जो ऑटो चालक है और मल्लेपल्ली के मंगरबस्ती क्षेत्र का निवासी है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 26 जून की सुबह मल्लेपल्ली स्थित मंगरबस्ती इलाके में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी की गई सोने की चेन और लॉकेट बरामद किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों सलमान, इस्माइल और इब्राहिम के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, अन्य तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कमले रतन उर्फ रतन बादल (42 वर्ष), निवासी अफजल सागर, मल्लेपल्ली, हैदराबाद के रूप में हुई है। इस मामले का खुलासा मालकपेट डिवीजन के एसीपी एल. राजा वेंकट रेड्डी तथा चारमीनार जोन के अतिरिक्त डीसीपी के. मोहम्मद मजीद के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में किया गया। जांच अधिकारी बी. कृष्णा रेड्डी (एसआई), निरीक्षक के.बी. मुरारी, डीआई बी. श्रीनिवास राव तथा चादरघाट पुलिस टीम की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की वरिष्ठ अधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सिंगुर परियोजना की मरम्मत अधूरी

किसानों को एक और फसल अवकाश का संकट

संगारेड्डी, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगुर बहुउद्देशीय परियोजना की मरम्मत कार्य समय पर पूरा न होने के कारण किसानों को एक और फसल अवकाश (क्रॉप हॉलिडे) का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की मार्च 2025 की चेतावनी के बाद सिंचाई विभाग ने बांध के सुरक्षात्मक ढांचे और गेटों की मरम्मत का कार्य शुरू किया था। इसके लिए दिसंबर से धीरे-धीरे पानी खाली कर दिया गया था और लगभग 22 करोड़ रुपये की लागत से काम आरंभ किया गया। हालांकि, अधिकारियों के निर्देशों के बावजूद ठेकेदार अब तक 50 प्रतिशत से भी कम कार्य पूरा कर सका है। बताया जा रहा है कि फंड जारी होने में देरी भी प्रगति में बाधा बनी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.